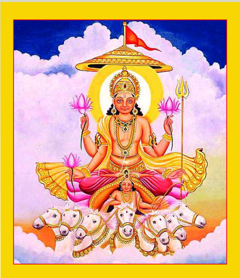

भारत सरकार एवं राजस्थान सरकार से सरकारी विज्ञापनों के लिए स्वीकृत

जागरूक जनता

सकारात्मक साप्ताहिक हिन्दी अखबार

श्रावण मास की हार्दिक शुभकामनाएँ

23 जुलाई - 29 जुलाई 2025

jagrukjanta.net

श्रावण, पक्ष - कृष्ण, तिथि - चतुर्दशी, संवत 2082 पृष्ठ : 8+2 जयपुर, बुधवार वर्ष-11, अंक-21, मूल्य ₹ 5/- वार्षिक मूल्य : ₹ 250/-

तीर्थ स्थलों पर क्यों होने लगा है अब यात्रियों के साथ दुर्व्यवहार!

सटीक

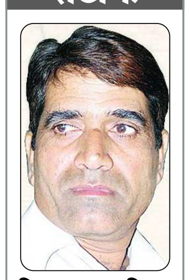

शिव दयाल मिश्रा
@jagrukjanta.net

पिछले दिनों राजस्थान के खाटू श्याम में श्रद्धालुओं के साथ हुई मारपीट का सोशल मीडिया पर वीडियो देखकर मन बहुत दुःखी हुआ। दुकानदारों को यह पता होना चाहिए कि यहां पूरे देश से दर्शनार्थी आते हैं। उनके लिए इस दुर्व्यवहार को देखकर कैसा लगा होगा। खाटू श्याम के दर्शनार्थियों ने बरसात से बचने के लिए थोड़े समय के लिए ही तो प्रसाद विक्रेता की दुकान पर आश्रय मांगा था, जिसके बदले उनके साथ पशुवत व्यवहार किया गया उनकी लाठी-डंडों से पिटाई की गई। इस घटना को देखने वाले भी सिहिर उठे। होना तो यह चाहिए था कि उन्हें आराम से 10-5 मिनट खड़े रहने देते। बैंच आदि पर बिठा देते। मगर ऐसा नहीं हुआ, जो हुआ उसे दुनिया ने देखा। जितने भी बड़े-बड़े तीर्थ स्थल हैं उनपर लगभग दर्शनों के समय भी भक्तजनों के साथ बड़ा ही दुखदायी व्यवहार पुजारी और उनके साथ रहने वाले सेवकों द्वारा किया जाता है। जैसे ही भगवान की मूर्ति के सामने दर्शनों के लिए पहुंचते हैं वहां खड़े कुछ पहलवाननुमा सेवक हाथ खींचकर आगे सरका देते हैं। चलो, चलो हो गए दर्शन। दूर-दूर से आने वाले श्रद्धालु भगवान की एक झलक भी आराम से नहीं देख पाते, क्योंकि जैसे ही भगवान के सामने पहुंचते हैं, वैसे ही उन्हें बाहर निकालने के लिए धक्का देना शुरू हो जाता है और वह भगवान के दर्शन नहीं कर पाता। तीर्थ स्थलों का तो यहां नाम लिखना उचित नहीं होगा। मगर मेरा तीर्थ यात्रा करने का मन करता रहता है और जैसे ही समय मिलता है जाता हूं। वहां के पुजारी और मंदिर परिसर में रहने वाले सेवायतों का व्यवहार कुछ स्थानों को छोड़ दें तो अच्छा नहीं कहा जा सकता। उनके दिमाग में यह बिल्कुल भी नहीं आता कि ये कितनी दूर से कितनी परेशानी झेलते हुए यहां तक पहुंचे हैं। भारतवर्ष को देवभूमि कहा गया है। यहां देवताओं का वास है। इसी भावना के साथ पूरे विश्वभर में रहने वाले सनातन प्रेमी भारतवर्ष में तीर्थ स्थलों की यात्रा करने आते हैं। तीर्थ स्थलों के साथ-साथ अन्य धार्मिक आस्था के केन्द्रों पर भी भक्तजनों की आवाजाही रहती है। हिन्दू धर्म में मान्यता है कि चारों धाम यात्रा करने से हम पापमुक्त हो जाते हैं। हमें स्वर्ग मिलता है। हमारे मनुष्य देह के रूप में जन्म लेना सार्थक हो जाता है। इसलिए हिन्दू धर्म को मानने वाले प्रत्येक मनुष्य के अन्दर यह इच्छा होती है कि वह तीर्थस्थलों की यात्रा करे। तीर्थ क्षेत्र में घुसते ही वहां के दुकानदार, होटल एवं गेस्ट हाउसों के संचालन करने वालों के दिमाग में उन्हें अपना शिकार बनाने की लालसा उत्पन्न हो जाती है। कई जगह तो बस स्टेशन या रेलवे स्टेशन पर उतरते ही यात्रियों के पास लपके आ जाते हैं और वे रुकने, घूमने और तीर्थस्थलों के दर्शन कराने की गारंटी देने लग जाते हैं। मान लेते हैं उन्हें रोजगार की उम्मीद रहती है और रहनी भी चाहिए। क्योंकि जो धर्म यात्रा करने जाते हैं वे वहां दान-पुण्य भी अपनी श्रद्धा और पॉकेट के हिसाब से करते हैं। मगर उन तीर्थयात्रियों के साथ कम से कम व्यवहार तो अच्छा होना चाहिए। ताकि वे अपने घर जाकर बता सकें कि हमारी यात्रा बहुत ही सुखद रही। मगर आज यात्री के मन में तो श्रद्धा भक्ति है, मगर पंडे-पुजारी और दुकानदार उनकी आस्था को धक्का मारने लग गए हैं।

shivdayalmishra@gmail.com

मुख्यमंत्री ने केकड़ी में किए लोकार्पण-शिलान्यास

गरीब, किसान, युवा एवं महिला का उत्थान हमारी प्राथमिकता

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि हमारी सरकार राज्य के प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में विकास कार्यों को तेजी से क्रियान्वित कर रही है। राज्य सरकार के दोनों बजट में 200 विधानसभा क्षेत्रों के लिए पर्याप्त बजट आवंटित किया गया है जिससे आज प्रदेश विकास के पथ पर तेजी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेशवासियों के कल्याण के लिए हम हर संभव कदम उठाएंगे जिससे विकसित भारत-विकसित राजस्थान 2047 के संकल्प को साकार किया जा सके।

शर्मा मंगलवार को अजमेर के केकड़ी में आयोजित विभिन्न विकास कार्यों के लोकार्पण-शिलान्यास समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सावन के पवित्र महीने में हो रही अच्छी बारिश प्रदेश में धन-धान्य, खुशहाली एवं समृद्धि आने का शुभ संकेत है। हमने पिछले वर्ष यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के एक पेड़ मां के नाम अभियान से प्रेरणा लेते हुए हरियाली तीज पर हरियालो राजस्थान की शुरूआत की और पिछले वर्ष हमने साढ़े सात करोड़ पौधे लगाए। अब इस वर्ष प्रदेश में 10 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने कहा कि इस बार हरियाली तीज के दिन भी हम सघन वृक्षारोपण करने जा रहे हैं। 5 साल के कार्यकाल में प्रदेश में 50 करोड़ पौधरोपण का लक्ष्य लेकर काम कर रहे हैं। उन्होंने प्रदेशवासियों से आह्वान किया कि इस अभियान के तहत कम से कम एक पेड़ अवश्य लगाते हुए पर्यावरण संरक्षण में अपनी भूमिका निभाएं।

हमारे डेढ़ साल के कार्य पूर्ववर्ती सरकार के पूरे कार्यकाल से ज्यादा

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमने केवल डेढ़ साल में ही प्रदेश के विकास के लिए अभूतपूर्व कार्य किए हैं जोकि पूर्ववर्ती सरकार के पूरे 5 साल से भी ज्यादा हैं। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने डेढ़ साल में किसानों को 253 लाख मीटर से अधिक तारबंदी के लिए अनुदान दिया तथा 32 हजार से अधिक फार्म पौंड बनवाए हैं। जबकि पूर्ववर्ती सरकार ने अपने पूरे कार्यकाल में केवल 113 लाख मीटर तारबंदी के लिए अनुदान दिया तथा केवल 29 हजार पौंड बनवाए।

भारत पहुंची अपाचे हेलीकॉप्टर की पहली खेप

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

नई दिल्ली। अपाचे हेलीकॉप्टर का पहला बैच भारत पहुंच चुका है। भारतीय सेना ने सोशल मीडिया पर इसकी जानकारी दी है। अमेरिका से आए ये अत्याधुनिक हेलीकॉप्टर भारतीय सेना के बेड़े में शामिल होने वाले हैं। इन्हें जोधपुर में तैनात किया जाएगा। अपाचे हेलीकॉप्टर की गिनती एडवांस कॉम्बेट हेलीकॉप्टरों में होती है। इससे भारतीय सेना की मजबूती में चार चांद लग गए हैं। सेना ने भी अपाचे की एंट्री पर सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर किया है।

सेना ने शेयर की तस्वीर

भारतीय सेना ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, "भारतीय सेना में शामिल हुए अपाचे। यह सेना के लिए ऐतिहासिक पल है। अपाचे हेलीकॉप्टर का पहला बैच भारत पहुंच चुका है।

सेना के पास हुए 25 हेलीकॉप्टर

अपाचे हेलीकॉप्टर का पहला बैच 15 महीनों की देरी के बाद मिला है। अमेरिकी कंपनी बोइंग ने यह हेलीकॉप्टर तैयार किए हैं। भारत ने बोइंग को 2020 में 6 अपाचे हेलीकॉप्टर का ऑर्डर दिया था, जिनकी डिलीवरी पिछले साल ही होनी थी। पहली खेप में अमेरिका से 3 अपाचे हेलीकॉप्टर भारत पहुंचे हैं। भारतीय सेना में पहले से 22 अपाचे हेलीकॉप्टर हैं, जिनके साथ ही अपाचे हेलीकॉप्टर की संख्या 25 हो गई है। अपाचे हेलीकॉप्टर रात में भी दुश्मन पर भारी पड़ सकते हैं। इनमें नाइट विजन के साथ थर्मल सेंसर लगा है, जो रात के अंधेरे में दुश्मन पर सटीक वार करने में सक्षम है। यह हेलीकॉप्टर 60 सेकेंड में 128 मूविंग टार्गेट्स को पहचानकर उन्हें नष्ट कर सकता है।

HBOT जीवन रक्षक प्रणाली द्वारा इलाज
ऑक्सीजन (प्राणवायु) ट्रीटमेंट

» मस्तिष्क चोट, पक्षाघात/लकवा
» सेरेब्रल पाल्सी, ऑटिज्म
» असाध्य घाव/शुगर के घाव
» कैंसर (रेडियो थेरेपी) के साईड इफेक्ट
» अचानक बहरापन (Hearing Loss)
» डाईबेटिक फुट में अम्पुटेशन (पैर कटने) से बचाव

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें:-
98290-17133, 70737-77133
9983317133
डॉ. हिमांशु अग्रवाल M.B.B.S. M.D.

नेशनल हायपरबैरिक रिसर्च सेन्टर
594-B-C, जेम्स कॉलोनी, सैक्टर-3, मंदिर मोड, विद्याधर नगर, जयपुर

Dept. of Hyperbaric Medicine
Fortis Escorts Hospital
JLN Marg, Malviya Nagar, Jaipur

E-mail : hbotjaipur@gmail.com
www.nationalhbot.in

मुंबई ब्लास्ट केसः बॉम्बे हाईकोर्ट के 12 लोगों को बरी करने के फैसले को SC में महाराष्ट्र ATS ने दी चुनौती, कोर्ट सुनवाई के लिए तैयार

नई दिल्ली। 7/11 मुंबई ट्रेन ब्लास्ट केस में बॉम्बे हाई कोर्ट ने सभी 12 आरोपियों को बरी कर दिया था। अब इस फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई है। बॉम्बे हाई कोर्ट के फैसले को महाराष्ट्र ATS ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है और सुप्रीम कोर्ट मामले पर सुनवाई के लिए तैयार हो गया है।

गुरुवार को होगी मामले में सुनवाई

CJI की बेंच में स्त्र तुषार मेहता ने मामले पर सुनवाई की मांग करते हुए कहा कि इस मामले में जल्द सुनवाई की जरूरत है। CJI ने कहा कि गुरुवार को मामले पर सुनवाई होगी। बता दें कि सोमवार को ही बॉम्बे हाई कोर्ट ने मुंबई ट्रेन ब्लास्ट मामले में आरोपियों को बरी करने का आदेश दिया है, जिसके खिलाफ महाराष्ट्र ATS ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल कर हाई कोर्ट के आदेश को चुनौती दी है।

महर्षि दयानंद सरस्वती विश्वविद्यालय, अजमेर में कुलगुरु नियुक्त, राज्यपाल श्री बागडे ने जारी किए नियुक्ति आदेश

जयपुर @ जागरूक जनता। राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्री हरिभाऊ बागडे ने आदेश जारी कर प्रो. सुरेश कुमार अग्रवाल को महर्षि दयानंद सरस्वती विश्वविद्यालय, अजमेर के कुलगुरु पद पर नियुक्त किया है। श्री बागडे ने राज्य सरकार के परामर्श से यह आदेश जारी किया है। बागडे ने कुलगुरु पद पर यह नियुक्ति प्रो. सुरेश कुमार अग्रवाल के कार्यभार संभालने की तिथि से 3 वर्ष या 70 वर्ष की आयु प्राप्त करने तक इनमें से जो भी पहले हो, के लिए की है।

MADHAV UNIVERSITY
(Established by the Rajasthan State Govt. Legislature Act No. 07 of 2014)

सार्वजनिक सूचना

सभी अभिभावकों, विद्यार्थियों एवं जनसामान्य को सूचित किया जाता है कि हाल ही में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स एवं विभिन्न व्हाट्सएप ग्रुप्स पर माधव विश्वविद्यालय के संबंध में कुछ व्यक्तियों के द्वारा भ्रामक, असत्य एवं ब्लैकमेलिंग की नीयत से झूठे समाचार प्रसारित किए जा रहे हैं। यह भ्रामक समाचार विश्वविद्यालय की छवि को धूमिल करने तथा लोगों को भ्रमित करने के उद्देश्य से प्रसारित किये जा रहे हैं, जो कि पूर्णतः निराधार एवं तथ्यहीन है।
विश्वविद्यालय प्रशासन यह स्पष्ट करना चाहता है कि –
• माधव विश्वविद्यालय के विरुद्ध वर्तमान में सम्पूर्ण भारत व विदेशों में किसी प्रकार का कोई जाँच / प्रकरण लम्बित नहीं है
• विश्वविद्यालय की स्थापना वर्ष 2014 से वर्तमान तक Pharmacy, Law, Education, Physical Education, Special Education, Homoeopathy, Engineering and Technology, Commerce and Management, Allied Health, Yoga and Naturopathy, Science, Humanities, Physiotherapy and Agriculture के डिप्लोमा, स्नातक, स्नातकोत्तर एवं शोधार्थियों का सम्पूर्ण शैक्षणिक रिकार्ड यूजीसी एवं भारत सरकार के मानव संसाधन मंत्रालय के अधिकृत नेड पोर्टल NAD पर अपलोड किया जा चुका है यह सम्पूर्ण शैक्षिणक रिकॉर्ड सार्वजनिक रूप से अवलोकन हेतु उपलब्ध है।
• विश्वविद्यालय के आज दिनांक तक के सभी शोधार्थियों (Ph.D- Research Scholar) का सम्पूर्ण शैक्षणिक रिकार्ड भारत सरकार, INFLIBNET के शोध गंगा पोर्टल पर अपलोड है।
अतः सभी से निवेदन है कि ऐसे असत्य एवं भ्रामक संदेशों पर कृपया ध्यान नहीं दें।
आपका सहयोग हमारे लिए अपेक्षित एवं अमूल्य है।
सादर,
प्रशासनिक प्रबंधन
माधव विश्वविद्यालय, आबूरोड (राज)

N.H.27, P.O. Bharja, Abu Road, Distt. - Sirohi (Raj.) - 307032
Website: www.madhavuniversity.edu.in
E-mail: admission@madhavuniversity.edu.in

Beena Shiksha Samiti
Sec. School
Knowledge is Power
RBSE Pattern Affiliated From Raj. Govt.
English / Hindi Medium Nursery to Xth
Admission OPEN
NO ADMISSION FEE NO TRANSPORT FEE
SALIENT FEATURES
• WORLD-CLASS INFRASTRUCTURE.
• LEARNING ENVIRONMENT.
• EXPERIENCED FACULTY.
• PARENT-TEACHER PARTNERSHIP.
• SPACIOUS PLAYGROUND.
• 100% SUPPORT AND SECURITY OF THE CHILD.
• SPLASH POOL FOR KIDS.
• AIR CONDITIONED CLASS ROOMS.
• FLEET LUXURY BUSES.
Age 18 Months & Above

Maruti Colony, Sheopur Road, Sanganer, Jaipur
Call us at : +91 9636768752 7790812485

"यह प्रधानमंत्री मोदी की दूरदृष्टि और डबल इंजन सरकार के प्रयासों का परिणाम है" -उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी

पिंकसिटी टॉप 5 वैश्विक पर्यटन शहरों में शामिल

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान की राजधानी जयपुर को ट्रैवल + लीजर वर्ल्ड्स बेस्ट अवार्ड्स 2025 की सूची में विश्व के शीर्ष पांच पर्यटन शहरों में स्थान मिलने पर उपमुख्यमंत्री एवं पर्यटन मंत्री दिया कुमारी ने इस उपलब्धि को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दूरदृष्टि और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार के सतत प्रयासों का प्रतिफल बताया है। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कहा "यह भारत के लिए गौरव का क्षण है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पर्यटन को वैश्विक स्तर पर स्थापित करने की सोच, 'डबल इंजन की सरकार' की नीति, और राजस्थान सरकार द्वारा किए जा रहे निरंतर प्रयासों का ही नतीजा है कि आज जयपुर जैसे सांस्कृतिक और ऐतिहासिक शहर को दुनिया में इतना सम्मान मिला है।" उन्होंने पर्यटन विभाग की कार्यशैली की सराहना करते हुए कहा कि - राज्य सरकार द्वारा पर्यटन अवसंरचना, संस्कृति संरक्षण और आधुनिक सुविधाओं के विकास के लिए जो योजनाएं चलाई जा रही हैं, उनसे राजस्थान को अंतरराष्ट्रीय मंच पर नई पहचान मिल रही है।

प्रदेशवासियों को दी शुभकामनाएं

दिया कुमारी ने कहा कि यह सम्मान हर उस व्यक्ति की मेहनत का फल है जो राजस्थान की सांस्कृतिक विरासत, मेहमाननवाजी और परंपरा को दुनिया के सामने गर्व से प्रस्तुत करता है। उन्होंने आशा व्यक्त की है कि आने वाले समय में राजस्थान और जयपुर विश्व

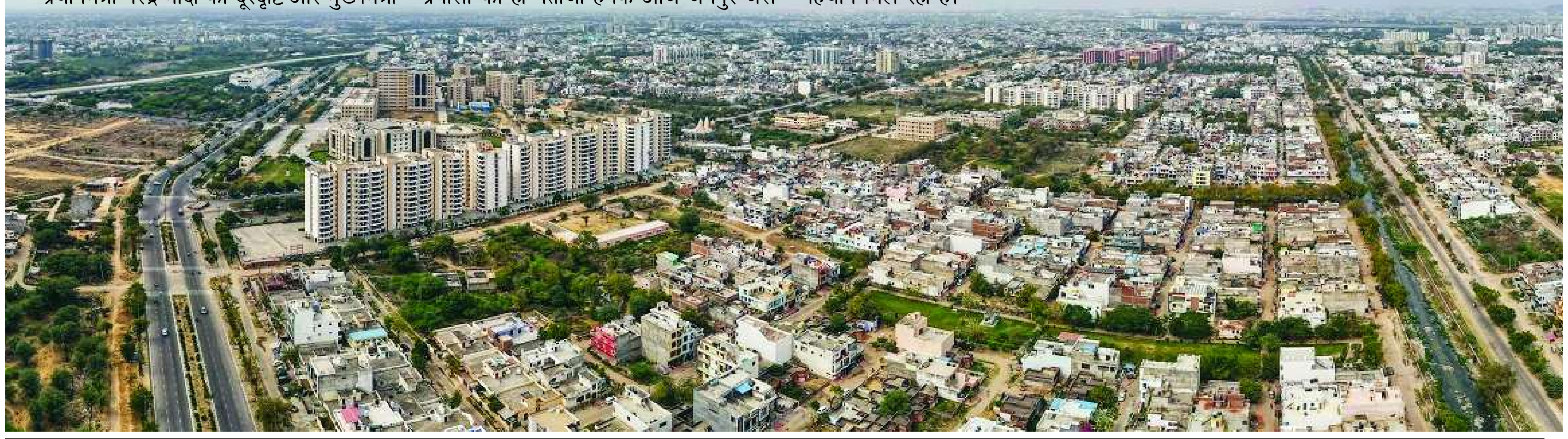

राजस्थान हाईकोर्ट को मिले 7 और नए न्यायाधीश, केंद्र ने दी सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम की सिफारिश को मंजूरी

जयपुर @ जागरूक जनता। राजस्थान हाईकोर्ट के इतिहास में "43" का सुखद संयोग बना है। राजस्थान हाईकोर्ट को 7 और नए न्यायाधीश मिले है। नए न्यायाधीश मिलने के साथ ही 43 जजों का रिकॉर्ड बन गया है। वहीं बीते दिन ही राजस्थान हाईकोर्ट के 43वें मुख्य न्यायाधीश ने शपथ ली है। केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम की सिफारिश को मंजूरी दी है। न्यायिक अधिकारी कोटे से 1 और अधिवक्ता कोटे से 6 नामों को मंजूरी दी है। न्यायिक अधिकारी कोटे से संगीता शर्मा के नाम को मंजूरी मिली है। वहीं अधिवक्ता कोटे से संदीप तनेजा, बिपिन गुप्ता, अनुरूप सिंघी सहित रवि चिरानिया, बलजिंदर सिंह संधू और संजीत पुरोहित के नाम की मंजूरी मिली है। केंद्र सरकार की अनुशंसा पर राष्ट्रपति भवन से सभी के वारंट जारी हुए हैं। न्यायिक अधिकारी संगीता शर्मा वर्तमान में अजमेर जिला न्यायाधीश के पद पर पदस्थ हैं। संदीप तनेजा वर्तमान में अतिरिक्त महाधिवक्ता हाईकोर्ट जयपुर पीठ में पदस्थ हैं। संदीप तनेजा फर्स्ट जनरेशन लॉयर हैं। बलजिंदर सिंह संधू वर्तमान में बार कौंसिल ऑफ राजस्थान के सदस्य हैं। राजस्थान हाईकोर्ट को वर्ष-2025 में कुल 15 न्यायाधीश मिले हैं।

जन्मदिन पर रक्तदान शिविर, वरिष्ठजन सम्मान समारोह, चिकित्सा शिविर आयोजित

जयपुर @ जागरूक जनता। विधानसभा क्षेत्र बस्सी के श्री सिद्धपीठ धाम बैनाडा बस्सी में अखिल भारतीय हरियाणा गौड़ ब्राह्मण धर्मशाला परिसर में रविवार को पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अखिल भारतीय हरियाणा गौड़ ब्राह्मण महासभा एवं श्री कृष्ण गोपाल गौशाला वाटिका मोहनपुरा जयपुर अध्यक्ष कैलाश चंद शर्मा बसवाला दुर्गापुरा के जन्मदिन को लेकर रक्तदान शिविर, वरिष्ठजन सम्मान समारोह, आंखों की जांच व ऑपरेशन तथा सम्पूर्ण हेल्थ चेकअप शिविर का कार्यक्रम आयोजित किया गया। शिविर में आंखों की जांच व ऑपरेशन तथा सम्पूर्ण हेल्थ चेक अप किया गया। रक्तदान शिविर में महिलाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा और रक्तदान किया। इस दौरान समाज के लोगों द्वारा वृक्षारोपण भी किया गया। रक्त दाताओं को दुपट्टा उड़ाकर व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। शिविर निःशुल्क खून की जांचें , निशुल्क घुटने की जांच, दांतों की जांच भी की गयी । इस अवसर पर करीब 300 लोगो की घुटनो की जांच की गयी, जिसमे 25 लोग ऑपरेशन के लिए चिन्हित किये गए और बचे हुए लोगो का भी जल्दी ही ऑपरेशन किया जायेगा । करीब तीन सौ नो लोगो की आँखों की जांच की गयी जिसमे 40 लोगो के ऑपरेशन होंगे, 86 हृदय रोग की जांच की गयी, 180 लोगो के दांतो की जांच की गयी। राकेश शर्मा चौमू ने बताया की इस अवसर पर वरिष्ठजन लोगो का सम्मान किया गया।

श्री वार्ष्णेय वैश्य स्पोर्ट्स क्लब, जयपुर द्वारा जन्माष्टमी श्री कृष्ण शोभा यात्रा की हुई बैठक

जयपुर @ जागरूक जनता। क्लब की कार्यकारिणी बैठक वैशाली नगर में सम्पन्न हुई। बैठक में आगामी 17 अगस्त को आयोजित होने वाली श्री अक्रूर जी की झाँकी के भव्य आयोजन हेतु सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया। इस पावन अवसर पर समाज के सहयोग से शानदार डी.जे. व्यवस्था, रथ सज्जा, एवं राधा-कृष्ण स्वरूप की विशेष प्रस्तुति की जाएगी। आयोजन को भव्य एवं श्रद्धामय रूप से संपन्न करने हेतु सभी सदस्यों ने पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया। इसके अतिरिक्त, दिन रविवार, 3 अगस्त 2025 को पारंपरिक लहरिया उत्सव आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम का सफल संचालन महासचिव संजय कुमार वार्ष्णेय जी द्वारा किया गया एवं अध्यक्ष डॉ. मुकेश गुप्ता ने सभी सदस्यों का आभार प्रकट किया।

मील का पत्थर साबित होगा 'सहकार एवं रोजगार उत्सव'

राज्य को सहकारिता में सर्वश्रेष्ठ बनाने के लिए एकजुट होकर करने होंगे पुरजोर प्रयास–सहकारिता मंत्री

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। सहकारिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गौतम कुमार दक ने कहा कि विगत 17 जुलाई को केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह के मुख्य आतिथ्य एवं मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा की गरिमामयी उपस्थिति में आयोजित हुआ 'सहकार एवं रोजगार उत्सव' राज्य के सहकारी सेक्टर को मजबूत बनाने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा। उन्होंने कहा कि हमें राज्य में सहकारी सेक्टर को और अधिक मजबूत करने के लिए एकजुट होकर पूरे मनोयोग से प्रयास करने होंगे।

दक अपेक्स बैंक सभागार में 'सहकार एवं रोजगार उत्सव' के सफल आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले विभागीय अधिकारियों-कर्मचारियों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने सभी को धन्यवाद देते हुए कहा कि कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सभी ने अपना श्रेष्ठ योगदान दिया। सभी लोगों ने टीम भावना के साथ समन्वय बनाकर कार्य किया, जिसके अच्छे परिणाम आए और कार्यक्रम का सफल आयोजन सुनिश्चित हो सका। आयोजन में 90 प्रतिशत से भी अधिक भागीदारी सहकारी आन्दोलन से जुड़े लोगों की रही और कार्यक्रम के माध्यम से राजस्थान के सहकारी आन्दोलन का पूरे देश में एक अच्छा मैसेज गया।

सहकारिता मंत्री ने कहा कि सरकार सहकारी सेक्टर को सशक्त बनाने के लिए पूरा सहयोग दे रही है और हमें भी अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष के अंतर्गत पुरजोर प्रयास करते हुए 'को-ऑपरेटिव बिल्ड अ बेटर वर्ल्ड' के ध्येय वाक्य को साकार करना होगा। उन्होंने उम्मीद जताई की केन्द्रीय सहकारिता मंत्री की मंशा के अनुरूप राजस्थान आगामी समय में सहकारिता में देश में सर्वश्रेष्ठ होगा। सहकारिता विभाग की प्रमुख शासन सचिव एवं रजिस्ट्रार, सहकारी समितियां श्रीमती मंजू राजपाल ने कहा कि आयोजन के संबंध में जिसको जो जिम्मेदारी दी गई थी, उसने उसे पूरी निष्ठा और उत्साह के साथ निभाया।

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने एक राष्ट्र एक चुनाव परिचर्चा को किया संबोधित

एक राष्ट्र एक चुनाव भारत की जरूरत-त्रिवेदी

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता एवं सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने एक राष्ट्र –एक चुनाव परिचर्चा को संबोधित करते हुए कहा कि देश में एक राष्ट्र और एक चुनाव की अवधारणा को समझने के लिए हमें एक राष्ट्र की अवधारणा को समझना होगा। उन्होंने कहा कि जो लोग इसका विरोध कर रहे है, वो भारत की एक राष्ट्र की अवधारणा का स्वीकार ही नहीं करते। वे अभी भी भारत में 22 राष्ट्रीयता के विदेशी विचार को हवा देने में लगे है। महात्मा गांधी ने अपनी हिंद स्वराज किताब में इस 22 राष्ट्रीयता के विचार को सिरे से खारिज करते हुए कहा था कि अगर हिन्दूस्तान एक नहीं होता तो अंग्रेज एक साथ शासन कैसे कर सकते थे? भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि अयोध्या के भगवान श्रीराम कुलदेवता तमिलनाडु में विरामान होते है, भगवान श्रीकृष्ण शरीर द्वारका में त्यागते है और उनका हृदय जगन्नाथपुरी में माना जाता है, आदिशंकर का जन्म केरल में हुआ तो उनकी समाधि केदारनाथ में है, यह स्पष्ट बताता है कि भारत की राष्ट्रीय एकात्मकता एक राष्ट्र के भाव में है। उन्होंने कहा कि जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भारत को सबसे बड़ा लोकतंत्र ही नहीं, बल्कि लोकतंत्र की जननी कहते है तो इसके पीछे चोल गणराज्य की समितियों के चुनाव की व्यवस्था, वासन्ना के अनुभव मंडपम और वैशाली की गणराज्य परम्परा के मुंह बोलते प्रमाण सामने है। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि हमारे पिछले लोकसभा चुनाव में 12 हजार से अधिक की राशि खर्च बताई गई, वहीं 10 लाख से अधिक जवानों को चुनावी ड्यूटी में लगाया जाता है, देश के 25 लाख सरकारी कर्मचारी चुनावी ड्यूटी में लगते है, हर छह माह में होने वाले चुनाव ना केवल कार्य को रोकते है, बल्कि वैमनस्यता को भी बढ़ाते है। अगर एक साथ चुनाव होता है तो देश की जीडीपी में 1.5 प्रतिशत की बढ़ोतरी होगी।

नई ट्रेड पॉलिसी जल्द, हर जिले को मिलेगा अपना ट्रेड क्लस्टर

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान सरकार व्यापारियों और उद्यमियों के लिए अब नई ट्रेड पॉलिसी लाने जा रही है। स्थानीय व्यापार को बढ़ाने और सुविधाजनक बनाने के साथ ही दूसरे राज्यों के निवेशकों को आकर्षित करने के लिए इसी पॉलिसी में ऐसे कई प्रावधान किए जा रहे हैं। उद्योग विभाग इसका ड्रॉफ्ट तैयार कर रहा है।

भजनलाल सरकार की मंशा है कि इस नीति से व्यापारिक माहौल को बेहतर बनाकर प्रदेश को प्रमुख ट्रेड हब के रूप में विकसित किया जाए। इसके लिए व्यापारिक संगठनों, स्थानीय व्यापारी, लघु औद्योगिक इकाइयों के संचालनकर्ताओं से संवाद कर सुझाव लिए जा रहे हैं। व्यापारी भी मांग करते रहे हैं कि नीतियों में उनकी भागीदारी सुनिश्चित हो।

दूसरे राज्यों की पॉलिसी का भी अध्ययन

अफसर दूसरे राज्यों की ट्रेड व इससे जुड़ी पॉलिसी का भी अध्ययन कर रहे हैं। गुजरात, मध्यप्रदेश राज्यों की पॉलिसी पर ज्यादा फोकस है। इस संबंध में अफसरों की उद्योग विभाग के प्रमुख सचिव से भी चर्चा हुई है।

प्रोत्साहन व इन्फ्रा सपोर्ट पर मंथन

- माइक्रो लेवल पर व्यापार करने वालों (होलसेलर, रिटेलर) को ब्याज अनुदान।
- स्थानीय व्यापार को संरक्षण।
- मंडियों, वेयरहाउस, लॉजिस्टिक्स, ट्रांसपोर्ट सुविधाएं कैसे और कहां विकसित हो।
- नए उद्योग लगाने वालों को कितनी सब्सिडी या टैक्स में छूट दी जाए।
- ई-कॉमर्स का दायरा बढ़ाने के लिए एक्सपर्ट का सहयोग।
- विशेष उत्पादों के लिए ट्रेड क्लस्टर या स्पेशल जोन विकसित करना।
- अंतरराष्ट्रीय व्यापार को बढ़ावा देने की रणनीति।

15 नीति कर चुके लागू

क्लीन एनर्जी, राजस्थान निवेश प्रोत्साहन योजना, एवीजीसी-एक्सआर पॉलिसी, राजस्थान एक्सपोर्ट प्रमोशन, गारमेंट एवं अपैरल पॉलिसी, वेयरहाउसिंग एवं लॉजेस्टिक, डेटा सेंटर, एक जिला-एक उत्पाद नीति, एमएसएमई, खनिज, एम सैंड, राजस्थान युवा नीति, नव प्रसारक, स्किल नीति, पर्यटन नीति।

छलकने लगा बीसलपुर बांध, आज खुल सकते हैं गेट

टोंक @ जागरूक जनता। जयपुर की लाइफलाइन बीसलपुर डेम पानी से लबालब होकर छलकने को तैयार है। डेम अब अपनी फुल कैपेसिटी से चंद कदम दूर है हालांकि मंगलवार को डेम के गेट खोलकर पानी की निकासी शुरू करने का कार्यक्रम फिलहाल टल गया है। इसकी वजह जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत का बीसलपुर दौरा कैंसिल होना बताया जा रहा है। हालांकि जल संसाधन विभाग ने अब 23 जुलाई को डेम के गेट खोलकर पानी की निकासी शुरू करने की बात कही है। गौरतलब है कि जल संसाधन विभाग ने मंगलवार सुबह 10 बजे बीसलपुर डेम के गेट खोले जाने को लेकर आम सूचना जारी की थी। जिसके बाद जिला प्रशासन भी तैयारियों में जुट गया। संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत विधिवत रूप से पूजा अर्चना कर डेम के गेट खोलने वाले थे लेकिन जल संसाधन मंत्री का दौरा स्थगित होने पर तैयारियां धरी रह गई। हालांकि विभाग ने अब 23 जुलाई को सुबह डेम पर विधिवत रूप से गेट खोले जाने की जानकारी दी है। उधर, समाचार लिखे जाने तक बांध में पानी 315.33 आरएल मीटर तक आ चुका है।

राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान के स्वर्ण जयंती वर्ष में कार्यक्रम आयोजित

"एक पेड़ माँ के नाम" अभियान के अंतर्गत श्रावण मास में किया वृक्षारोपण

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर द्वारा संस्थान के स्वर्ण जयंती वर्ष एवं "एक पेड़ माँ के नाम" अभियान के अंतर्गत श्रावण मास में 30 दिवसीय सतत वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इस कार्यक्रम की शुरुआत संस्थान परिसर स्थित धन्वंतरि उपवन, जामडोली में कुलपति प्रो. संजीव शर्मा द्वारा पौधरोपण कर की गई।

कार्यक्रम द्रव्यगुण विभाग एवं वृक्षायुर्वेद विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया जा रहा है। इस अवसर पर प्रो. सी आर यादव, प्रो. सुदीप्त रथ, प्रो. रामकिशोर जोशी, प्रो. किरण श्रीवास्तव, डॉ. सुमित नथानी, डॉ. सर्वेश अग्रवाल, डॉ कमला नागर, डॉ. दीप्ति भाकुनी, डॉ. जागृति शर्मा, डॉ. तरुण शर्मा, डॉ. नितेश, डॉ. राहुल शर्मा, डॉ आयुषी सहित संस्थान के शिक्षकगण, अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे। इस अवसर पर कुलपति प्रो. संजीव शर्मा ने कहा आज के समय में पर्यावरण संतुलन बनाए रखने और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण हेतु वृक्षारोपण अत्यंत आवश्यक है। यह अभियान आयुर्वेद की उस मूल भावना से जुड़ा है जिसमें प्रकृति को माँ का दर्जा दिया गया है। 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान हमें न केवल हमारी मातृभूमि बल्कि संपूर्ण पर्यावरण के प्रति भी जिम्मेदार बनाता है।

इस वृक्षारोपण कार्यक्रम के अंतर्गत संस्थान के चिकित्सक, शिक्षक, अधिकारी, कर्मचारी एवं विद्यार्थी धन्वंतरि उपवन में औषधीय एवं पर्यावरणीय महत्त्व के पौधों का रोपण कर रहे हैं। कार्यक्रम के दौरान डॉ. सुमित नथानी ने विद्यार्थियों को औषधीय पौधों की विशेषताओं एवं उनके आयुर्वेद में उपयोग की जानकारी प्रदान की।

यह वृक्षारोपण अभियान पूरे श्रावण मास तक चलेगा, जिसमें संस्थान के विभिन्न विभाग नियमित रूप से पौधारोपण करते हुए न केवल हरियाली बढ़ाने में योगदान देंगे, बल्कि विद्यार्थियों को प्रकृति के प्रति संवेदनशील और जागरूक भी बनाएंगे।

क्या वाकई स्वास्थ्य कारणों से ही धनखड़ ने दिया इस्तीफा?

सरकार को था अंदाज़ा, मगर उभर रहे कई सवाल, विपक्ष को भी मिल सकता है इस रूप में मुद्दा

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

■ **नई दिल्ली:** मॉनसून सत्र के पहले दिन काफी गहमागहमी थी। सरकार के सीनियर मंत्रियों के बीच लगातार मीटिंग चल रही थी। दोपहर में प्रधानमंत्री ने भी मंत्रियों के साथ मीटिंग की। टुकड़ों में भी कई सीनियर नेताओं और मंत्रियों के बीच मीटिंग चलती रही। तभी ऐसी खबरें आई कि या तो सरकार कुछ बड़े बिलों पर काम कर रही है या ऑपरेशन सिंदूर पर सदन में बहस के लिए रणनीति बना रही है लेकिन देर रात अचानक उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने इस्तीफा दे दिया तो संकेत गया कि सरकार को इसका अंदाजा लग गया था और इस्तीफे के बाद के हालात पर चर्चा हो रही थी। क्या धनखड़ ने स्वास्थ्य कारणों से ही इस्तीफा दिया या कुछ और कारण भी थे? मॉनसून सत्र के पहले दिन वह सदन में थे। कई सांसदों ने कहा कि वह स्वस्थ्य दिख रहे थे। जिस तरह उन्होंने इस्तीफा दिया, उसका यह कारण कई लोगों को तात्कालिक रूप से सही नहीं लगा। धनखड़ का कार्यकाल दो साल से अधिक बचा था। धनखड़ के करीबियों के अनुसार पिछले कुछ महीनों में उनका स्वास्थ्य कमजोर हुआ था। वे देर तक बैठने में असहज महसूस करने लगे थे। यह तर्क भी सामने आया कि अगर यह सामान्य प्रक्रिया थी तो उन्होंने अचानक इस अंदाज में क्यों इस्तीफा दिया। साथ ही बुधवार को प्रधानमंत्री तीन दिनों के लिए विदेश दौरे पर भी जा रहे हैं। धनखड़ ने क्या इस्तीफा देने का मन बहुत जल्दी में बनाया? ये सवाल इसलिए कि वह संसद सत्र के पहले दिन चार बजे तक बिजनेस अडवाइजरी की मीटिंग में थे। पहले दिन जस्टिस वर्मा के महाभियोग को लेकर भी उलझन की स्थिति बनी। पहले खबर आई कि लोकसभा में सांसदों ने इसके लिए हस्ताक्षर कर दिए। सूत्रों के अनुसार सरकार की मंशा थी कि यह डिबेट लोकसभा में हो लेकिन जैसे ही सांसदों के हस्ताक्षर वाली खबर आई, तभी ये भी खबर आई कि राज्यसभा में भी इससे जुड़ा मोशन रखने के लिए आवेदन आ गया जिसमें 65 सांसदों के साइन थे। सूत्रों के अनुसार उपराष्ट्रपति राज्यसभा में यह प्रस्ताव और बहस चाहते थे।

इस अंदाज़ में इस्तीफा देने से उठ रहे कई सवाल

2022 में बने उपराष्ट्रपति

- **11 अगस्त 2022** को जगदीप धनखड़ ने भारत के 14वें उपराष्ट्रपति और राज्यसभा के सभापति के रूप में पदभार ग्रहण किया था।
- **1989 में** जगदीप धनखड़ झुंझुनू संसदीय क्षेत्र से भारत की संसद के लिए चुने गए थे।
- **1990 में** उन्होंने संसदीय कार्य मंत्रालय के राज्य मंत्री के रूप में भी कार्य किया।
- **1993 में** वह अजमेर जिले के किशनगढ़ निर्वाचन क्षेत्र से राजस्थान विधानसभा के लिए चुने गए।
- **एक विधायक** के रूप में धनखड़ ने लोकसभा और राजस्थान विधानसभा में महत्वपूर्ण समितियों के सदस्य के तौर पर कार्य किया। केंद्रीय मंत्री के रूप में, वे यूरोपीय संसद में एक संसदीय समूह के उपनेता के रूप में एक प्रतिनिधिमंडल के सदस्य भी रहे हैं।
- **2019 की** जुलाई में धनखड़ को पश्चिम बंगाल के राज्यपाल के रूप में नियुक्त किया गया था।
- 1990 में उन्हें राजस्थान हाई कोर्ट सीनियर वकील के रूप में नामित किया गया था। उसके बाद उन्होंने सुप्रीम कोर्ट में भी प्रैक्टिस की।
- 30 जुलाई 2019 को बंगाल के राज्यपाल का पद ग्रहण करने तक वह राज्य के सबसे वरिष्ठ अधिवक्ता थे।

राजनीति, कानून के मंझे खिलाड़ी

- समाजवादी राजनीति से शुरुआत करने के बाद कांग्रेस सहित कई दलों में रहने वाले जगदीप धनखड़ ने आखिर में बीजेपी का दामन ऐसे वक्त में थामा, जब यह तत्कालीन पीएम अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में तब तक के शिखर पर थी।
- राजस्थान विश्वविद्यालय से लॉ की डिग्री लेने के बाद राजस्थान हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में वकालत करने वाले धनखड़ आखिर में देश के कानून बनाने वाली संसद के उच्च सदन यानी राज्यसभा के पदेन सभापति भी बने।
- धनखड़ ने अपनी प्रारंभिक स्कूली शिक्षा किठाना गांव के सरकारी प्राथमिक विद्यालय से ही प्राप्त की। इसके बाद, उन्होंने सरकारी मिडिल स्कूल, घरधाना और सैनिक स्कूल, चित्तौड़गढ़ में अध्ययन किया। उन्होंने राजस्थान विश्वविद्यालय से लॉ की डिग्री हासिल की।
- धनखड़ ने एक वकील के रूप में पेशेवर करियर की शुरुआत की थी। वह शीर्ष कानूनी विशेषज्ञों में से हैं।

सबसे बड़ा सवाल

कौन बनेगा उपराष्ट्रपति?

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

नई दिल्ली : उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के इस्तीफा देने के बाद सियासी गलियारों में अगले उपराष्ट्रपति के लिए कयासों का दौर शुरू हो गया। अमूमन पहले राष्ट्रपति का चुनाव होता था और बाद में उपराष्ट्रपति। लेकिन अब उपराष्ट्रपति पद का चुनाव दो साल पहले होगा। ऐसे में सवाल कि अब कौन? सरकार से जुड़े एक सीनियर नेता ने कहा कि धनखड़ के अचानक इस्तीफा देने के बाद अब यह बात तय है कि सरकार और पार्टी के स्तर तक इसका बड़ा प्रभाव देखने को मिलेगा।

उन्होंने कहा कि यह तय मान कर चलें कि उपराष्ट्रपति संगठन या सरकार के अंदर से कोई सीनियर व्यक्ति ही बनेगा। साथ ही इस घटनाक्रम के बाद केंद्र सरकार में भी बड़े फेरबदल की सुगबुगाहट तेज हो गयी। सूत्रों के अनुसार, अगर केंद्र सरकार के मंत्रियों में से ही किसी एक को यह जिम्मेदारी दी जाए तो हैरानी नहीं होनी चाहिए। हालांकि बीजेपी के पास खुद अपने दम पर संख्याबल नहीं है, ऐसे में नए उपराष्ट्रपति के लिए बीजेपी को खासकर नीतीश कुमार और चंद्रबाबू नायडू दोनों को एक पिच पर लाना होगा।

और इंतज़ार नहीं

पद खाली होने पर जल्दी ही कराने होंगे चुनाव

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

नई दिल्ली : संवैधानिक जानकारों का कहना है कि भारत के संसदीय इतिहास में ऐसा पहली बार ही हुआ होगा, जब उपराष्ट्रपति ने बीच कार्यकाल में मेडिकल ग्राउंड पर इस्तीफा दिया है। राष्ट्रपति द्वारा इस्तीफा स्वीकार किए जाने के बाद यह पद खाली हो जाएगा। इसके बाद नए सिरे से उपराष्ट्रपति पद के लिए चुनाव कराने होंगे। इस बीच राज्यसभा का संचालन उपसभापति द्वारा किया जाएगा।

लोकसभा के पूर्व सेक्रेटरी जनरल पीडीटी अचारी ने बताया कि राष्ट्रपति इस मामले में जब इस्तीफा स्वीकार करेंगे तो उपराष्ट्रपति का पद खाली हो जाएगा और चुनाव कराना होगा। दरअसल, उपराष्ट्रपति राज्यसभा के पदेन सभापति होते हैं इसलिए

राज्यसभा में सभापति का पद खाली हो जाएगा। अचारी कहते हैं कि अभी उपराष्ट्रपति का कार्यकाल 2027 तक का था। ऐसे में यह पद खाली नहीं रह सकता। उपराष्ट्रपति का चुनाव होगा तो वह पूरे कार्यकाल के लिए होगा। मतलब 2027 तक के लिए नहीं, बल्कि पूरे पांच साल के लिए होगा। इस्तीफा स्वीकार होने पर निर्वाचन आयोग चुनाव की अधिसूचना जारी करेगा और इसकी प्रक्रिया पूरी होगी।

लगातार सुर्खियों में रहे धनखड़

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

नई दिल्ली: देश के उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के इस्तीफे के कारणों को लेकर कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई लेकिन माना जा रहा है कि लगातार विवादास्पद बयानों और सुप्रीम कोर्ट जैसी संवैधानिक संस्थाओं को लेकर की उनकी आलोचनाओं के चलते उन पर इसके लिए राजनीतिक, संस्थागत दबाव बढ़ गया था। धनखड़ का उपराष्ट्रपति के रूप में कार्यकाल शुरू से ही तीखे, विवादित बयानों से चर्चा में रहा।

SC जैसी संस्थाओं की आलोचना भारी पड़ी?

हाल ही में उन्होंने संसद को सर्वोच्च बताते हुए कहा था कि 'सांसद ही संविधान के अंतिम मालिक हैं और उनसे ऊपर कोई प्राधिकारी नहीं हो सकता।' इस बयान को सुप्रीम कोर्ट की सर्वोच्चता पर सवाल के तौर पर देखा गया।

विवादों में रहे कई बयान: धनखड़ ने तमिलनाडु विधेयक विवाद में सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी पर यह कहते हुए सवाल उठाया था कि अब अदालतें राष्ट्रपति को आदेश देने लगी हैं, इससे बड़ा दुर्भाग्य क्या हो सकता है? इस पर देशभर में संवैधानिक विशेषज्ञों और विपक्ष ने तीखी प्रतिक्रिया दी थी।

इसी तरह 28 जून को उन्होंने संविधान की प्रस्तावना में हुए 42वें संशोधन पर सवाल उठाते हुए कहा था कि भारतीय संविधान की प्रस्तावना माता-पिता की तरह है। इसे बदला नहीं जा सकता।

BJP, सरकार के लिए क्या चुनौती?

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

नई दिल्ली: जगदीप धनखड़ के उपराष्ट्रपति और राज्यसभा के सभापति के पद से इस्तीफा देने से बीजेपी और सरकार के सामने चुनौती पेश आ सकती है। हालांकि धनखड़ ने अपने इस्तीफे का कारण स्वास्थ्य संबंधी दिक्कतों को बताया है लेकिन उनके इस्तीफे का वक्त और उनके पिछले विवादित बयानों से कई सवाल भी उठ रहे हैं।

मॉनसून सत्र शुरू होने के साथ ही धनखड़ के इस्तीफे से विपक्ष को एक और मुद्दा मिल गया है। सोमवार को पहले दिन भी संसद की कार्यवाही बाधित रही, वहीं अब धनखड़ का इस्तीफा एक और मुद्दे के तौर पर

File

सामने है। संसद में इस सत्र में कई अहम विधेयक आने हैं।

विपक्ष पहले ही धनखड़ पर पक्षपातपूर्ण रवैये का आरोप लगाता रहा है। अब यह सरकार पर विपक्षी हमलों को और तेज कर सकता है जिससे संसद में हंगामे की स्थिति बढ़ सकती है। धनखड़ के कार्यकाल में विपक्षी दलों ने उनके खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने की भी कोशिश की थी, जिसमें 60 से ज्यादा सांसदों ने उनके पक्षपातपूर्ण रवैए की शिकायत की थी। हालांकि यह प्रस्ताव संख्या बल के अभाव में सफल नहीं हो सका लेकिन धनखड़ का इस्तीफा विपक्ष को यह दावा करने का मौका दे सकता है कि उनकी शिकायतें सही थीं। विपक्ष इस इस्तीफे को अपनी नैतिक जीत के रूप में भी पेश कर सकता है जो बीजेपी की चुनौती बढ़ा सकता है।

भारतीय पुलिस सेवा के अधिकारी निश्चय प्रसाद ने राज्यपाल के परिसहाय का पदभार संभाला

जयपुर @ जागरूक जनता। भारतीय पुलिस सेवा के अधिकारी निश्चय प्रसाद ने सोमवार को राज्यपाल हरिभाऊ बागडे के परिसहाय के रूप में पदभार ग्रहण किया है। राज्यपाल ने प्रसाद को शुभकामनाएं दी है।

टिल्स एजुकेशन के विद्यार्थियों ने दिखाया कमाल, कौन बनेगा इंग्लिश किंग 2025 प्रतियोगिता लक्षिता अव्वल

भीलवाड़ा @ जागरूक जनता। गांधीनगर स्थित टिल्स एजुकेशन में "कौन बनेगा इंग्लिश किंग 2025" नामक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें करीब 175 प्रतिभागियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता के दौरान विद्यार्थियों को 20 समूहों में बांटा गया। मुख्य प्रशिक्षक व सह निदेशक डॉ. अभिलाष मोदी ने प्रतिभागियों से कई ट्रिकी व ज्ञानवर्धक प्रश्न पूछे। सटीक उत्तर देने वाले प्रतिभागियों में लक्षिता शर्मा प्रथम, सिमरन बैरवा द्वितीय तथा साहिल रंगरेज तृतीय स्थान पर रहे। अक्षय जोशी ने अपने प्रेरणादायक संबोधन में जीवन में सही कौशल, सोच और स्वास्थ्य के संतुलन पर बल देते हुए छात्रों को मार्गदर्शन दिया और पूरी टिल्स टीम को आयोजन के लिए बधाई दी। इस अवसर पर नॉन वायलेंट कम्युनिकेशन एवं यूनिवर्सल ह्यूमन वैल्यूज कोर्स करने वाले विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। निदेशक अभिषेक कांकरिया ने बताया कि टिल्स बीते 8 वर्षों से लगातार ऐसी प्रतियोगिताओं से विद्यार्थियों के भाषा और प्रस्तुति कौशल को निखारने का कार्य कर रहा है।

राठौड़ श्री राजपूत सभा जयपुर शहर के संरक्षक नियुक्त

जयपुर @ जागरूक जनता। भवानी सिंह राठौड़ को श्री राजपूत सभा जयपुर शहर के संरक्षक बनाये जाने पर संत बाबा मेहरदास ट्रस्ट के मन्दिर प्रांगण सम्मान कार्यक्रम किया गया। इस मौके पर ट्रस्ट के अध्यक्ष लोकचंद हरिरामानी, रमेश करमचंदानी, कन्हैया लखानी, नगेन्द्र वशिष्ठ ने राठौड़ को बधाई, शुभकामनायें दी। यहां सभी ने स्वल्प आहार लिया।

तीजोत्सव में परंपरागत राजस्थानी व्यंजन रहेंगे मुख्य आकर्षण का केंद्र

बीकानेर हाउस में तीज मेला होगा आयोजित

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। दिल्ली स्थित बीकानेर हाउस में 23 जुलाई से शुरू हो रहे तीजोत्सव और हस्तशिल्प मेले में परंपरागत राजस्थानी व्यंजनों की उपलब्धता राजधानी वासियों के लिए मुख्य आकर्षण का केंद्र रहेगी।

बीएचएमएस, राजीविका और ग्रामीण गैर -कृषि विकास एजेंसी (रूडा) द्वारा लगाए जा रहे इस हैंडीक्राफ्ट मेला और फूड फेस्टिवल में इस बार परंपरागत राजस्थानी खानपान से जुड़े करीब दस स्टाल्स पर प्रदेश के स्वादिष्ट व्यंजनों की उपलब्धता रहेगी। राजस्थान के अजमेर, अलवर, दौसा, सवाई माधोपुर, जोधपुर, सीकर, झालावाड़, करौली, भरतपुर और जयपुर के कारीगरों द्वारा तैयार दाल बाटी, चूरमा, कैर सांगरी और गट्टे की सब्जी, घेवर, मूंग दाल का हलवा, दाल के वड़े, रबड़ी, कुल्फी, मालपुआ, मावा कचोरी, मिर्ची वड़ा, जलेबी, पिन्नी, मिल्क केक और भेलपुरी जैसे स्वादिष्ट व्यंजनों का राजधानी वासी भरपूर लुत्फ उठा सकेंगे। उल्लेखनीय है कि बीकानेर हाउस में 23 जुलाई से 30 जुलाई तक राजस्थानी कला- संस्कृति और खान पान को केंद्र में रखते हुए तीज मेले का आयोजन किया जा रहा है। इस मेले में आमजन सुबह 11 बजे से रात्रि 9 बजे तक निःशुल्क भ्रमण और राजस्थानी हस्तशिल्प सामानों की खरीदारी के साथ-साथ राजस्थानी व्यंजनों का भरपूर आनंद ले सकेंगे। मेले के दौरान विभिन्न प्रतियोगिताएं का भी आयोजन किया जाएगा जिसमें इच्छुक प्रतिभागी हिस्सा ले सकते हैं जिनके लिए रजिस्ट्रेशन शुरू हो चुके हैं।

खान विभाग द्वारा 16 जुलाई तक 2504 करोड़ रूपये का राजस्व संग्रहित

पुराने व अन्य बकाया –वसूली में तेजी लाने के निर्देश-प्रमुख सचिव -गत साल की इसी अवधि की तुलना में करीब 125 करोड़ अधिक संग्रहित

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। खान एवं भूविज्ञान विभाग इस साल राजस्व वसूली का नया रेकार्ड कायम करने के लक्ष्य के साथ आगे बढ़ रहा है। खान, भूविज्ञान विभाग के प्रमुख सचिव टी. रविकान्त ने बताया कि 16 जुलाई तक खान विभाग द्वारा 2504 करोड़ रु. से अधिक का राजस्व संग्रहित कर लिया है जो गत वित्तीय वर्ष की इसी अवधि की तुलना में करीब सवा सौ करोड़ अधिक है। खान विभाग के अधिकारियों की वर्चुअल बैठक के दौरान उन्होंने सोमवार को फील्ड अधिकारियों को स्पष्ट संदेश दिया है कि राजस्व वसूली में किसी तरह की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

टी. रविकान्त वीसी के माध्यम से विभाग की समीक्षा बैठक ले रहे थे। उन्होंने कहा कि राजस्व वसूली में किसी तरह की छीजत नहीं होनी चाहिए वहीं पुराने बकाया राशि की वसूली के भी ठोस प्रयास किये जाएं। उन्होंने कहा कि कार्यवाही के दौरान लगाई गई शास्ती की वसूली भी सुनिश्चित हो।

टी. रविकान्त ने कहा कि सरकार द्वारा डीएमएफटी के नए नियम जारी कर दिए हैं। राज्य और केन्द्र सरकार डीएफएफटी क्रियान्वयन को लेकर गंभीर है। फील्ड अधिकारी जिला कलक्टरों से मिलकर प्रतिनिधियों का मनोनयन करवायें वहीं सदस्य सचिव मुख्यकार्यकारी जिला परिषद से समन्वय बनाते हुए समिति की बैठक कराकर कार्यो की रुपरेखा को अंतिम रुप दे। हरियालो राजस्थान की चर्चा करते हुए उन्होंने पौधारोपण कार्य में गति लाने के निर्देश दिए। निदेशक माइंस दीपक तंवर ने बताया कि राज्य सरकार ने इस वर्ष राजस्व वसूली लक्ष्यों में उल्लेखनीय बढ़ोतरी की है। इसे प्राप्त करने के लिए हमें अभी से ठोस रणनीति बनाकर आगे बढ़ाना होगा। उन्होंने कहा कि हांलाकि गत साल की इसी अवधि की तुलना में 124. 82 करोड़ रु. की अधिक राजस्व अर्जन किया जा चुका है पर इसमें और तेजी लाने की आवश्यकता है।

अतिरिक्त निदेशक महेश माथुर ने हरियालो राजस्थान की प्रगति की जानकारी दी। सह–नोडल अधिकारी एमओयू संजय सक्सैना ने राइजिंग राजस्थान के दौरान हुए एमओयू व रिप्स प्रावधानों के संबंध में जानकारी दी।

JETHI TECH SOLUTIONS
Follow Us: @jethitech
ADDING WINGS TO YOUR BUSINESS

BULK SMS - Lowest Price
Buy 1 Lakh SMS @ Rs.12000/-
With FREE Control Panel
@ 12 Paisa Per SMS
LIFETIME VALIDITY

WEDDING INVITATION
1 Invitation Video for Whatsapp
10,000 Bulk SMS
1 Social HashTag Creation
1 Whatsapp Direct Chat Link
1 Landing Page
Send Digital Invitations At One Click

START-UP PACKAGE
Dynamic Website
+ Domain & Hosting(1 Year)
+ Social Media Profile Creation
+ Social Media Management* (1 Year)
+ 3 WhatsApp Stickers
+ WhatsApp Chat Direct Link
+ Local Business Listing
+ Logo Design
All For Just Rs.35,000/- + GST

Digial Branding/Marketing
★ Youtube Marketing ★ Website Development
★ Digital Marketing ★ Android Development
★ Whatsapp Marketing ★ Software Development
★ Bulk SMS Marketing ★ Social Media Management

MSGJET | SCHOOL Management System

Corporate Branding/Identity
★ Visiting Cards ★ ID Cards ★ Letterhead ★ Calendars ★ Pen Stand ★ Mugs
★ Pamphlets ★ Banners ★ Envelope ★ Diary ★ Paper Weights ★ T-Shirts
★ Bill Book ★ Brochure ★ Signages ★ Bags ★ Pen ★ Many More...

Financial Services: Business Loan, Home Loan, CC Limit, Mortgage Loan

WE ARE Google Partner | Facebook Marketing Partner | Accredited Professional Bing ads

DIGITAL MARKETING | CORPORATE BRANDING | PRINT MEDIA
WEBSITE DESIGN/DEVELOPMENT | SOFTWARE DEVELOPMENT
ANDROID/iOS APPS | BULK SMS | CRM/ERP SOFTWARE

INIDIA: 1C, Rajputana Marg, Kalyanpuri, Jhotwara, Jaipur-12
USA: 11923 NE Summer St. Portland, Oregon, 97220, USA
+91-7976625313, +1(503) 8788224 || www.jethitech.com || sales@jethitech.com

सम्पादकीय

आत्मनिर्भरता से हो राष्ट्रीय सुरक्षा

अगली पीढ़ी के युद्धों पर चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान का 16 जुलाई का संबोधन देश के लिए एक बड़ा चेतावनी संकेत है। उन्होंने यह साफ़ कर खतरे की घंटी बजा दी कि आज के युद्धों को बीते जमाने के पुराने हथियारों से नहीं जीता जा सकता। इसका सीधा मतलब था कि अगली लड़ाई या ऑपरेशन सिंदूर जैसी किसी भी स्थिति के लिए स्वदेशी और अत्याधुनिक हथियारों के साथ तेजी से तैयारी करो, ताकि दुश्मन को पहले ही वार में निष्क्रिय किया जा सके। देश में आत्मनिर्भरता अभियान के तहत स्वदेशी हथियार निर्माण पहले से ही शुरू है, लेकिन अभी भी निर्माण, गुणवत्ता और आवश्यकताओं के बीच कई अहम खामियां बनी हुई हैं। जनरल चौहान ने यह तो नहीं कहा, लेकिन उनका संकेत स्पष्ट था कि भारत को भविष्य की चुनौतियों का सामना करने के लिए चीन के बराबर या उससे आगे निकलना होगा। यह सरकार और भारतीय रक्षा उद्योगों के लिए स्पष्ट संदेश है। उन्होंने खास तौर पर जोर दिया कि भारत को अपने स्वदेशी एंटी-यूएएस को अपग्रेड करने की जरूरत है। उन्होंने कहा, 'ऐसे सिस्टम जो हमारे भूगोल और जरूरतों के अनुसार बने हों, बेहद जरूरी हैं। हमें इन पर निवेश करना होगा। विदेशी तकनीक पर निर्भरता हमारी तैयारियों को कमजोर करती है और दुश्मनों को बढ़त देती है।' उनकी बातों को युद्ध के बदलते स्वरूप की नई वास्तविकताओं के संदर्भ में समझना होगा। टैंक और तोप जैसे पारंपरिक हथियार पुराने समय में हुई जंगों के लिए तो उपयोगी थे, लेकिन ऑपरेशन सिंदूर ने यह दिखा दिया कि नई तकनीक कहीं अधिक प्रभावशाली और जरूरी है। इसलिए अब स्वदेशीकरण पर विशेष ध्यान और विस्तृत काम करने की जरूरत है। इसके लिए पहला कदम अनुसंधान और विकास को हर स्तर पर मजबूत करना होना चाहिए। दुर्भाग्य से यह अत्यंत आवश्यक क्षेत्र अब तक उपेक्षित रहा है। मोदी सरकार के तहत हाल के वर्षों में कुछ बड़े प्रयास जरूर हुए हैं, लेकिन सभी खामियां अब तक दूर नहीं हुईं। अगर भारत को अपने विरोधियों से आगे निकलना है तो अनुसंधान और विकास की रफ्तार को और तेज करना होगा।

बीते हथियारों को अपग्रेड करने की आवश्यकता तो हमेशा से समझी जाती रही है, लेकिन इसे ध्यान में तब लाया गया जब 6-7 मई की रात पाकिस्तान और पाक अधिकृत कश्मीर में आतंकी ठिकानों पर ऑपरेशन सिंदूर चलाया गया। पाकिस्तान ने इस ऑपरेशन के जवाब में तनाव बढ़ाया, जिसके जवाब में भारत ने पारंपरिक और अत्याधुनिक दोनों तरीकों से कार्रवाई की और पाकिस्तान 10 मई को युद्धविराम की गुहार लगाने को मजबूर हुआ। भारत ने इस अनुरोध को स्वीकार किया, क्योंकि भारत का आतंकी ढांचों को ध्वस्त करने का उद्देश्य पूरा हो चुका था। जनरल चौहान के अनुसार, इस ऑपरेशन में पाकिस्तान की रणनीति, उसके ड्रोन और यूएवी सभी निष्क्रिय कर दिए गए। यह निश्चित रूप से एक सफलता थी, लेकिन इससे यह भ्रम नहीं पालना चाहिए कि चुनौतियां समाप्त हो गई हैं। भविष्य में इनसे निपटने का एकमात्र रास्ता है – स्वदेशी हथियारों का निर्माण बढ़ाना और विदेशी उपकरणों पर निर्भरता घटाना। स्वदेशी युद्ध तकनीक के साथ सबसे बड़ी ताकत यह है कि उसकी गोपनीयता बनी रहती है। आधुनिक युद्धों में तकनीक और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) की भूमिका निर्णायक हो चुकी है। विदेशों से खरीदे गए उपकरणों में यह सुरक्षा नहीं रहती, क्योंकि विरोधी भी उनकी कमजोरियों और ताकतों को जानते हैं। जब गोपनीयता भंग होती है तो राष्ट्रीय सुरक्षा खतरे में पड़ जाती है।

जवां दिखने की चाहत लोगों में तेजी से बढ़ रही है। इसमें हर उम्र और वर्ग के लोग शामिल हैं। यह चाहत धीरे-धीरे सनक में बदलती जा रही है, क्योंकि वे बढ़ती उम्र को रोकना चाहते हैं, जबकि उम्र बढ़ने के साथ झुर्रियां बढ़ना स्वाभाविक प्रक्रिया है।

एंटी-एजिंग दवाओं-सेवाओं का भ्रमजाल

अमित बैजनाथ
पत्रकार
@jagrukjanta.net

> एंटी-एजिंग की कुछ दवाओं में हार्मोन, स्टेरॉयड या अन्य केमिकल्स होते हैं, जो शरीर के नेचुरल सिस्टम से छेड़छाड़ करते हैं। इससे हार्ट और लिवर को नुकसान पहुंच सकता है। इसके अलावा हार्मोन बैलेंस भी बिगड़ सकता है। इस तरह की दवाओं का लगातार सेवन करना ब्लड प्रेशर, कोलेस्ट्रॉल या हार्ट से जुड़ी बीमारियों का कारण भी बन सकता है।

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

हाल ही में मॉडल-अभिनेत्री शेफाली जरीवाला की कार्डियक अरेस्ट के चलते 42 वर्ष की उम्र में मृत्यु हो गई। उनके अरेस्ट आने की एक वजह एंटी-एजिंग दवाओं का सेवन भी बताई जा रही है। शेफाली सात-आठ सालों से ये दवाएं ले रही थीं। उनके घर से कुछ दवाएं और इंजेक्शन भी बरामद किए गए हैं। जिस दिन उनकी मौत हुई, उस दिन उनका व्रत था। वह खाली पेट भी इन दवाओं को ले रही थीं। असल में पिछले कुछ सालों में लोगों में उम्र को छिपाने और जवान दिखने का चलन तेजी से बढ़ा है। खासकर सेलेब्रिटीज और बड़े शहरों में यह ट्रेंड जोर पकड़ रहा है। इसके चलते वे दवाएं, इंजेक्शन और अन्य तमाम प्रकार के उपचार लेने से झिझक नहीं रहे हैं। बढ़ती उम्र को रोकने की चाहत में इस तरह के इलाज पर लोग जमकर पैसा बहा रहे हैं।

अगर एंटी-एजिंग दवाओं-सेवाओं के कारोबार की बात की जाए, तो यह देश में बहुत तेजी से बढ़ रहा है। इसमें कॉस्मेटिक यानी कि सर्जरी एवं फिलर्स ट्रीटमेंट और दवाइयां दोनों शामिल हैं। यह बाजार त्वचा की देखभाल, झुर्रियां हटाने और उम्र बढ़ने के लक्षणों को कम करने वाली दवाओं और उत्पादों की बढ़ती मांग से प्रेरित है। एक अनुमान के मुताबिक, साल 2023 में देश में एंटी-एजिंग दवाओं-सेवाओं का कारोबार करीब 3500 करोड़ रुपए का था। 2024 में इसका आकार करीब 4000 करोड़ रुपए से ज्यादा हो गया। साल 2035 तक यह कारोबार 8000 करोड़ रुपए से ज्यादा होने की उम्मीद है। यह कारोबार करीब सात से लेकर आठ प्रतिशत की सालाना दर से बढ़ रहा है। कुछ कंपनियों का दावा है कि यह कारोबार दस साल बाद दस हजार करोड़ रुपए से भी ज्यादा का होगा। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि एंटी-एजिंग दवाओं-सेवाओं का कारोबार कितनी तेजी से पैर पसार रहा है। एक्सपर्ट बताते हैं कि लोगों में जवां दिखने की चाहत तेजी से बढ़ रही है। इसमें 30 से लेकर 50 साल तक की उम्र वाले लोगों की संख्या सबसे अधिक है। उनका कहना है कि यह चाहत धीरे-धीरे सनक में बदलती जा रही है, क्योंकि वे बढ़ती उम्र को रोकना चाहते हैं, जबकि उम्र बढ़ने के साथ झुर्रियां बढ़ना स्वाभाविक है। वहीं युवाओं में ब्यूटी प्रॉडक्ट्स खरीदने की होड़ मची हुई है। देश में एंटी-एजिंग उपचार लेने वालों की संख्या बहुत तेजी से बढ़ रही है। कई तरह की दवाएं और इंजेक्शन तथा सर्जरी बाजार में आसानी से उपलब्ध हैं। इस बिजनेस में दखल रखने वाली कई कंपनियों ने अलग-अलग शहरों में अपने क्लिनिक खोल लिए हैं। मार्केट एक्सपर्ट बताते हैं कि एंटी-एजिंग दवाओं-सेवाओं के मौजूदा कारोबार में अंग्रेजी, आयुर्वेदिक और होम्योपैथिक दवाइयां, स्किन संबंधी कॉस्मेटिक प्रॉडक्ट्स, बोटोक्स सर्जरी तथा फिलर्स ट्रीटमेंट का बिजनेस शामिल है।

एंटी-एजिंग उपचार वह प्रक्रिया है, जिसमें आपको बढ़ती उम्र में भी जवान दिखाया जाता है। यह त्वचा पर झुर्रियों को बढ़ने से रोकने का उपचार है। इसके तहत कॉस्मेटिक, दवाइयां, सर्जरी, इंजेक्शन और कोलेजन सप्लीमेंट्स आते हैं। एंटी-एजिंग उपचार अंग्रेजी के साथ आयुर्वेदिक तरीके से भी करने का दावा किया जाता है। इन दिनों अंग्रेजी कंपनियों के साथ कुछ आयुर्वेदिक और होम्योपैथिक कंपनियों ने भी दवाएं, ब्यूटी प्रॉडक्ट्स और कोलेजन सप्लीमेंट्स बनाने शुरू कर दिए हैं। कहने का अभिप्राय यह है कि आयुर्वेदिक-होम्योपैथिक कंपनियों की भी अंग्रेजी दवा कंपनियों की तरह इस बाजार पर पूरी नजर है। हर कोई बाजार में एंटी-एजिंग उपचार कराने वालों को अपनी ओर खींचने की पूरी कोशिश कर रहा है। हाल ही में आए कई सर्वे और रिपोर्ट बताती हैं कि दुनिया की तरह भारत में भी एक बड़ी आबादी सोशल मीडिया पर विज्ञापन देखकर प्रॉडक्ट्स का जमकर उपयोग कर रही है। इन उत्पादों में एंटी-एजिंग की दवाएं और कॉस्मेटिक्स भी शामिल हैं। एंटी-एजिंग कारोबार करने वाली कंपनियां लोगों की इस प्रवृत्ति का जमकर लाभ उठा रही हैं। वे तरह-तरह के आकर्षक विज्ञापन सोशल मीडिया पर जारी कर हर वर्ग और उम्र के लोगों को लुभा रही हैं। एक सर्वे कहता है कि पिछले साल लोगों ने एंटी-एजिंग के कॉस्मेटिक उत्पादों पर जमकर खर्च किया। इनमें 18 वर्ष से कम आयु के युवाओं का खर्च अन्य लोगों की उपेक्षा बहुत ज्यादा था। इनमें ब्यूटी क्रीम, सीरम, सर्जरी और फिलर्स ट्रीटमेंट पर पानी की तरह पैसा बहाया गया। कंपनियों ने भी इन युवाओं को लुभाने में कोई कसर नहीं छोड़ी। कई ऑफर्स और छूट देकर उन्हें लुभाने की पूरी कोशिश की गई, जो कि सफल भी हुई।

खास बात यह भी है कि कई ऐसे सेलेब्रिटी हैं, जो टीवी और सोशल मीडिया पर इस तरह की दवाओं का प्रचार कर रहे हैं। एक ऐसे ही सेलेब्रिटी हैं ब्रायन जॉनसन, जो सोशल मीडिया पर एंटी-एजिंग दवाओं का प्रचार करते हैं। कई लोग उन्हें देखकर फॉलो करने लगे हैं। वहीं डॉक्टर ऐसा करना बहुत गलत मानते हैं। उनका कहना है कि इन दवाओं के बहुत साइड इफेक्ट्स भी हैं। हमें सबसे पहले यह समझना होगा कि हर इंसान की बॉडी अलग-अलग तरह से बनी है। जरूरी नहीं कि एक दवा सभी को फायदा पहुंचाए। हमें यह भी समझना होगा कि बॉडी और कंप्यूटर में फर्क है। वे कहते हैं कि अधिकतर दवाएं पूरे शरीर को किसी न किसी तरह से प्रभावित कर सकती हैं। लोगों को इन दवाइयों को खाने के बाद अगर किसी भी तरह की दिक्कत महसूस होती है, तो तुरंत इनका उपयोग करना बंद कर देना चाहिए। हार्ट स्पेशलिस्ट डॉ. कुशमेंद्र पाराशर का कहना है कि एंटी-एजिंग दवाओं का लगातार और हद से ज्यादा सेवन कई तरह के रोगों के खतरे को बढ़ाता है। इस तरह की दवाओं का अधिक उपयोग करने से हार्ट अटैक का खतरा भी बढ़ सकता है। वे इस तरह की दवाओं का उपयोग करने से बचने की सलाह देते हैं। उनका कहना है कि अगर ऐसी दवाएं लेना बहुत जरूरी है, तो बिना डॉक्टर की सलाह से न लें।

जीएसटी में सुधार- भारत को एक सरल और स्थिर कर संरचना की जरूरत

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

नगेन्द्र वशिष्ठ
पत्रकार
@jagrukjanta.net

वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) प्रणाली में अगले हफ्तों में एक बार फिर बड़ा बदलाव होने वाला है। खबरों के मुताबिक केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह विभिन्न पक्षों से बातचीत करेंगे ताकि लंबित मसलों को हल किया जा सके। अगर यह बात सही है तो यह दिखाता है कि जीएसटी व्यवस्था में केंद्र सरकार तथा राज्यों के बीच आपसी सहमति से सुधार करना राजनीतिक दृष्टि से कितना आवश्यक है। गत सप्ताह प्रकाशित एक और खबर में कहा गया था कि प्रधानमंत्री कार्यालय ने जीएसटी फ्रेमवर्क के पुनर्गठन को सैद्धांतिक रूप से मंजूरी दे दी है। केंद्र सरकार का इरादा जीएसटी व्यवस्था को समायोजित करके इसके काम को बेहतर बनाने का है। इसका स्वागत किया जाना चाहिए। बहरहाल, इस बात पर भी ध्यान दिया जाना चाहिए कि जहां जीएसटी ने मंशा के मुताबिक एक राष्ट्रीय बाजार तैयार करने में मदद की है, वहीं राजस्व संग्रह के मामले में इसका प्रदर्शन कमजोर रहा है। इस बात ने केंद्र सरकार की वित्तीय स्थिति पर असर डाला है। राज्यों के उलट केंद्र सरकार के पास शुरुआती वर्षों में राजस्व की कमी से बचाव के लिए क्षतिपूर्ति का उपाय नहीं था।

> **GST Council के लिए बेहतर होगा कि वह सभी लंबित मुद्दों का एक साथ समाधान करे, ताकि कर संरचना सरल हो सके और राजस्व संग्रह में सुधार हो।**

बातचीत के आगे बढ़ने के साथ जीएसटी परिषद को कम से कम तीन क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करना होगा। पहला, स्लैब और दरों को युक्तिसंगत बनाना। अब यह बात मानी जा चुकी है कि जीएसटी व्यवस्था के कमजोर प्रदर्शन की एक वजह इसके दरों के ढांचे और विविध स्लैब्स की जटिलता भी है। आदर्श स्थिति में देखा जाए तो अर्थशास्त्री कहते हैं कि महज एक दर होनी चाहिए। हालांकि, भारत ने इसे प्रगतिशील बनाने का निर्णय लिया। इस लक्ष्य को हासिल करने की कोशिश के बावजूद कई स्लैब को कम किया जा सकता है। इस संदर्भ में यह खबर है कि 12 फीसदी के स्लैब को समाप्त कर दिया जाएगा और जिन वस्तुओं पर इस दर से कर लग रहा था उन्हें 5 फीसदी और 18 फीसदी के स्लैब में स्थानांतरित कर दिया जाएगा। लेकिन इससे व्यवस्था में और जटिलता आ सकती है। बेहतर तरीका यह होगा कि 12 और 18 फीसदी की दर को एक उचित दर में विलीन कर दिया जाए। दरों को युक्तिसंगत बनाने का लक्ष्य दरों के ढांचे को सरल बनाना होना चाहिए, वह भी बिना राजस्व गंवाए। शुरुआती वर्षों में दरों में अपरिपक्व ढंग से कमी किए जाने ने राजस्व संग्रह को प्रभावित किया। कुल सकल जीएसटी संग्रह की बात करें तो उपकर सहित वर्ष 2023-24 में यह सकल घरेलू उत्पाद का 6.7 फीसदी रहा जबकि 2016 में जीएसटी में समाहित करों में यह 6.3 फीसदी रहा था। उपकर को छोड़ दिया जाए तो 2023-24 में शुद्ध संग्रह काफी कम था। परिषद को एक अन्य पहलू पर विचार करना होगा और वह है क्षतिपूर्ति उपकर। सामान्य परिस्थितियों में क्षतिपूर्ति उपकर का संग्रह जीएसटी के पांच साल बाद रुक जाना चाहिए था लेकिन इसे मार्च 2026 तक बढ़ा दिया गया ताकि महामारी के दौरान क्षतिपूर्ति उपकर संग्रह में कमी के कारण राज्यों को मुआवजा देने की खातिर लिए गए ऋण को चुकाया जा सके। अनुमान बताते हैं कि यह इसका भुगतान दिसंबर या जनवरी तक पूरा हो जाएगा।

आखर आखर झरे उजियार

सीधे सीधे जीवन से जुड़ा व्यावहारिक ज्ञान ज्यादा जरूरी

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

गोपाल प्रभाकर
पत्रकार
@jagrukjanta.net

ज्ञान होना अच्छी बात है परंतु, ज्ञान का अभिमान होना हरगिज़ अच्छी बात नहीं है.ज्ञान मनुष्य के जीवन को परिष्कृत करता है, जब कि ज्ञान का अभिमान मनुष्य के पतन का कारण बन जाता है।

एक बार क्या हुआ गांव गुरु नदी किनारे पहुँचे। नाव से उस पार जाना था। जब पूरी सवारी आ गई,नाव चली तो गुरु जी ने नाविक से पूछा, क्या तुमने नागरिक शास्त्र पढ़ा है? नागरिक के अधिकार और कर्तव्य बताओ।

नाविक बिचारा अनपढ़। क्या बताये। उसने कहा, मैं तो अनपढ़, अज्ञानी हूँ. कुछ नहीं जानता.

...अरे, तुम कुछ नहीं जानते। तुम्हारी एक चौथाई जिन्दगी बेकार हो गई.'गुरु जी ने अपना ज्ञान बघारते हुए कहा।

उन्होंने इतिहास के प्रश्न नाविक के सम्मुख रखे.ताजमहल किस मुगल शासक ने बनवाया ? शिवाजी के गुरु का नाम क्या था? महाराणा प्रताप ने किस मुगल शासक से लोहा लिया था?

नाविक चुप. क्या जबाव देता।

गुरुजी बोले, तुम्हारा आधा जीवन पानी में बह गया, समझो।

ज्ञान के अभिमान से पीड़ित गांव गुरु ने पौराणिक कथाओं के सवाल किए।

महाभारत में भीष्म प्रतिज्ञा से क्या मतलब है? रामचरितमानस में आए केवट प्रसंग के बारे में तो जानते होंगे।

नाविक फिर भी चुप रहा।

गुरुजी बोले, अरे भई तुम्हारी पौन जिंदगी बेकार हुई।

इतने में भयंकर तूफान आ गया, बारिश हो गई.बाढ़ के हालात बन गए।

नाविक ने गुरुजी से पूछा, आपको तैरना आता है, श्रीमान !

गुरु बोले, नहीं तो।

नाविक ने कहा, आपकी पूरी जिन्दगी बेकार गई, समझो।

कुल जमा लब्बोलुआब ये है कि ज्ञान का अभिमान गलत है और अभिमान का ज्ञान हो जाय तो सही है। मन में आये फिजूल घमण्ड और अभिमान का ज्ञान प्राप्त हो जाय तो इंसान धरातल पर आ जाता है।

(ये लेखक के अपने विचार है)

सत्य दर्शन

।।श्री सद्गुरुदेव गोवर्धन पीठाधीश्वर श्री कृष्णदास कंचन महाराज।।

सत्य दर्शन के आधार श्रीसद्गुरु देव

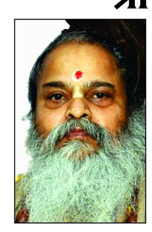

5. **अग्निः** जैसे अग्नि तेजस्वी और ज्योतिर्मय होती है, उसे कोई अपने तेज से दबा नहीं सकता। अग्नि अपने पास संग्रह परिग्रह नहीं करती, सब कुछ अपने पेट में भस्मसात कर लेती हैं, जलाई जाने वाली वस्तुओं के गुण-दोषों से लिप्त नहीं होती। वैसे ही हमें परम तेजस्वी, तब आदि में देदीप्यमान, इन्द्रियों से अपराभूत यानि उनके वश में न आने, किसी का दोष अपने में न आने की शिक्षा देती है। जैसे अग्नि कहीं (लकड़ी आदि में) अप्रकट और कहीं प्रकट रहती हैं वैसे ही हमें कहीं गुप्त और कहीं प्रकट होने की शिक्षा देती है। जैसे अग्नि लम्बी, चौड़ी, सीधी, टेढ़ी लकड़ियों में रहकर उन्हीं के समान टेढ़ी-सीधी दिखाई देती है, किन्तु अग्नि वैसी है नहीं, वैसे ही हमें शिक्षा देती है। सर्वव्यापक आत्मा भी जगत में व्याप्त होने के कारण अनेक वस्तुओं के नाम रूप से कोई संबंध नहीं रखती।

6. **चन्द्रमाः** जैसे काल के प्रभाव से चंद्रमा की कला घटती-बढ़ती रहती है तथापि चंद्रमा न घटता है न बढ़ता है वैसे ही जन्म से लेकर मृत्यु पर्यन्त जितनी भी अवस्थाएं हैं सब शरीर की है, आत्मा से उसका संबंध नहीं है। जैसे आग की लपट और दीपक की लौ क्षण-क्षण में उत्पन्न और नष्ट होती रहती हैं उनका यह क्रम निरंतर चलता ही रहता है,

क्रमशः

ओपिनियन

यूथ और सोशल मीडिया : अभिव्यक्ति का मंच या मानसिक दबाव

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

राम शर्मा
पत्रकार
@jagrukjanta.net

21वीं सदी के दूसरे दशक में सोशल मीडिया ने जिस तेज़ी से युवाओं के जीवन में स्थान बनाया है, वह अभूतपूर्व है। फेसबुक, इंस्टाग्राम, ट्विटर (अब X), यूट्यूब, स्नेपचैट और आजकल रील्स व शॉर्ट वीडियो आधारित प्लेटफॉर्म जैसे इंस्टाग्राम रील्स व यूट्यूब शॉर्ट्स– इन सभी ने युवाओं को एक नया मंच प्रदान किया है, जहां वे अपनी बात कह सकते हैं, अपनी प्रतिभा दिखा सकते हैं और अपने विचारों को साझा कर सकते हैं। यह मंच जितना सशक्त है, उतना ही चुनौतीपूर्ण भी। यही वजह है कि आज का युवा सोशल मीडिया को लेकर दोहरी मानसिकता में जी रहा है–यह एक ओर अभिव्यक्ति का माध्यम है, तो दूसरी ओर मानसिक दबाव का कारण भी बनता जा रहा है।

सोशल मीडिया ने न जाने कितने युवाओं को मंच दिया है जिनकी आवाज़ या कला पहले अनसुनी रह जाती थी। चाहे वह गायन, नृत्य, लेखन, पेंटिंग या हास्य हो–हर क्षेत्र में सोशल मीडिया ने आम युवाओं को पहचान दिलाने का कार्य किया है। सोशल मीडिया एक ऐसा मंच बन गया है जहां युवा बिना सेंसर के अपनी बात कह सकते हैं। राजनीतिक, सामाजिक या सांस्कृतिक मुद्दों पर युवा अपनी राय रखते हैं, बहस करते हैं और विचार साझा करते हैं। इससे लोकतंत्र को भी मजबूती मिलती है। युवाओं के लिए सोशल मीडिया केवल मनोरंजन का साधन नहीं, बल्कि करियर के अवसरों का स्रोत भी बन चुका है। लिंक्डइन जैसे प्लेटफॉर्म पर युवा प्रोफेशनल कनेक्शन बनाते हैं, जबकि इंस्टाग्राम और यूट्यूब पर प्रभावशाली कंटेंट बनाकर वे खुद को एक ब्रांड की तरह स्थापित कर रहे हैं।

सोशल मीडिया के ये सकारात्मक पहलू अनदेखा नहीं किए जा सकते, परंतु इसके नकारात्मक प्रभाव भी गहराई से समझने योग्य हैं। सोशल मीडिया पर अक्सर युवा दूसरों की जीवनशैली, दिखावे, उपलब्धियों और सौंदर्य से अपनी तुलना करने लगते हैं। यह तुलना उन्हें हीन भावना से भर देती है और उनके आत्म-सम्मान को क्षति पहुंचाती है। जब कोई पोस्ट वायरल होती है या अधिक लाइक्स मिलते हैं, तो व्यक्ति को अस्थायी खुशी मिलती है। यह 'डिजिटल डोपामाइन' बार-बार उसी खुशी को पाने की लालसा उत्पन्न करता है। जब अपेक्षित प्रतिक्रिया नहीं मिलती, तो व्यक्ति मानसिक रूप से बेचैन हो जाता है। युवाओं को सोशल मीडिया पर कई बार ट्रोलिंग, आलोचना, या यहां तक कि मानसिक उत्पीड़न का भी सामना करना पड़ता है। साइबर बुलिंग ने कई युवाओं को गहरे अवसाद में डाल दिया है, और कुछ मामलों में आत्महत्या तक के समाचार सामने आए हैं। सोशल मीडिया पर वायरल होने वाली हर जानकारी सत्य नहीं होती। युवा वर्ग, जो सूचनाओं को त्वरित रूप से ग्रहण करता है, अक्सर गलत सूचनाओं या अफवाहों का शिकार बन जाता है। इससे सामाजिक तनाव भी बढ़ता है।

सोशल मीडिया की लत युवाओं की नींद, खान-पान और नियमित दिनचर्या को भी प्रभावित कर रही है। देर रात तक स्क्रीन पर रहना और रील्स या पोस्ट्स स्क्रॉल करते रहना अब आम बात हो गई है, जिससे मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है।

समाधान और संतुलन की आवश्यकताः युवाओं को चाहिए कि वे सोशल मीडिया के उपयोग के लिए एक समय-सीमा तय करें। हर दिन कुछ समय डिजिटल डिटॉक्स के लिए निकालना चाहिए, जिससे मानसिक विश्रांति मिल सके। विद्यालयों, कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में युवाओं के लिए सोशल मीडिया के सकारात्मक व नकारात्मक प्रभावों पर जागरूकता कार्यक्रम चलाए जाने चाहिए। मानसिक स्वास्थ्य को लेकर भी खुलकर बात की जानी चाहिए।

परिवार और समाज की भूमिकाः अभिभावकों और शिक्षकों को युवाओं के सोशल मीडिया व्यवहार पर सतर्क दृष्टि रखनी चाहिए। संवाद और विश्वास का वातावरण बनाने से युवा अपनी समस्याएं साझा कर सकेंगे। सोशल मीडिया कंपनियों को भी अपनी भूमिका समझनी चाहिए। फेक न्यूज़ रोकने, साइबर बुलिंग के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने और हेल्थी यूजर अनुभव सुनिश्चित करने के लिए उन्हें लगातार सुधार करते रहना होगा।

सोशल मीडिया आज के युग का एक सशक्त साधन है। यह एक तरफ युवाओं को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता देता है, तो दूसरी ओर उनकी मानसिक शांति को भी प्रभावित कर सकता है। इसलिए यह जरूरी है कि युवा वर्ग इसके उपयोग में संतुलन बनाए, अपनी तुलना दूसरों से न करे, और आत्ममूल्य को सोशल मीडिया की प्रतिक्रियाओं से न आँके। अगर सोशल मीडिया का उपयोग विवेकपूर्ण तरीके से किया जाए, तो यह एक महान मित्र है, अन्यथा यह एक अदृश्य शत्रु भी बन सकता है।

जागरूक जनता Selfie विद सन

सौरव भान्जा श्यामबीर सिंह, जयपुर

हमे भेजें

आप भी हमें अपने विचार, लेख, कविता, जन्मदिन की फोटो, सेल्फी विद् सन/डॉटर भेज सकते हैं।

jagrukjantanews@gmail.com

सम्पर्क करें : 9829329070, 9928022718

पंचांग

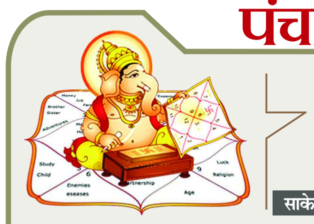

ज्योतिर्विद् अक्षय शास्त्री

साकेत पंचांग, अन्तरराष्ट्रीय स्वर्ण पदक विजेता

जागरूक जनता पंचांग, नक्षत्र, तिथि, चौघड़िया

सूर्योदय-सूर्यास्त, तिथि

बुधवार, 23/07/2025

सूर्योदय : 05:50 **सूर्यास्त :** 19:15 **चन्द्रोदय :** 03:47 **चन्द्रास्त :** 18:26 **शक सम्वत :** 1947 विश्वावसु **विक्रम संवत् :** 2082 कालयुक्त **अमान्ता महीना :** आषाढ़ा **पूर्णिमांत :** श्रावण **सूर्य राशि :** कर्क **चन्द्र राशि :** मिथुन **पक्ष :** कृष्ण **तिथि :** चतुर्दशी, 26:30 तक **वार :** बुधवार **द्रिक ऋतु :** वर्षा **द्रिक-वैदिक अयन :** दक्षिणायण

नक्षत्र, योग, करण

नक्षत्र : आर्द्रा, 17:54 तक
योग : व्याघात, 12:31 तक
प्रथम करण : विष्टि, 15:34 तक
द्वितिय करण : सकुना, 26:30 तक

शुभ समय

ब्रह्म मुहूर्त	04:15 ए एम से
प्रातः सन्ध्या	04:36 ए एम से
अभिजित मुहूर्त	कोई नहीं
विजय मुहूर्त	02:44 पी एम से
गोधूलि मुहूर्त	07:17 पी एम से
सायाह्न सन्ध्या	07:17 पी एम से
अमृत काल	08:32 ए एम से
निशिता मुहूर्त	12:7 ए एम, जुलाई 24 से 12:48 ए एम, जुलाई 24

निवास और शूल

दिशा शूल : उत्तर में
राहु काल वास दक्षिण-पश्चिम में
होमाहुति : केतु
कुंभ चक्रः कण्ठ

चौघड़िया

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
लाभ	05:49 - 07:30	उद्वेग	19:14 - 20:34
अमृत	07:30 - 09:11	शुभ	20:34 - 21:53
काल काल वेला	09:11 - 10:51	अमृत	21:53 - 23:13
शुभ	10:51 - 12:32	चर	23:13 - 00:32
रोग वार वेला	12:32 - 14:13	रोग	00:32 - 01:52
उद्वेग	14:13 - 15:53	काल	01:52 - 03:11
चर	15:53 - 17:34	लाभ	03:11 - 04:30
लाभ	17:34 - 19:14	उद्वेग	04:30 - 05:50

अमृत, शुभ, लाभ और चर को शुभ चौघडिया माना जाता है एवं उदवेग, काल एवं रोग को अशुभ चौघडिया माना जाता है।

आज चतुर्दशी

आज कौन सा कार्य करें

चतुर्दशी भी रिक्ता तिथि है इसलिए इस दिन भी कोई भी नया, मांगलिक कार्य वर्जित है ।

बुधवार को क्या करें

बुधवार की प्रकृति चर और सौम्य मानी गई है। यह भगवान गणेश और दुर्गा का दिन है। कमजोर मस्तिष्क वालों को बुधवार के दिन उपवास रखना चाहिए।

ये कार्य करें :- सूखे सिंदूर का तिलक लगाएं। बुधवार को दुर्गा के मंदिर जाना चाहिए। पूर्व, दक्षिण और नैऋत्य दिशा में यात्रा कर सकते हैं। इस दिन जमा किए गए धन में बरकत रहती है। मंत्रणा, मंथन और लेखन कार्य के लिए भी यह दिन उचित है। ज्योतिष, शेयर, दलाली जैसे कार्यों के लिए भी यह दिन शुभ माना गया है।

यह कार्य न करें:- उत्तर, पश्चिम और ईशान में यात्रा न करें। बुधवार को धन का लेन-देन नहीं करना चाहिए। बुधवार को लड़की की माता को सिर नहीं धोना चाहिए, ऐसा करने से लड़की का स्वास्थ्य बिगड़ता है या उसके समक्ष कोई कष्ट आता है।

नोट : शुक्ल पक्ष में एक से पंचमी तक तिथियां अशुभ कही गई हैं, क्योंकि इन तिथियों में चंद्रमा क्षीण बल होता है और चंद्र बल उन दिनों नहीं रहने से कार्य सफल नहीं होते हैं। इसी प्रकार कृष्ण पक्ष की एकादशी से अमावस्या तक तिथियों में चंद्र बल क्षीण होने से शुभ कार्य नहीं करने चाहिए।

राशिफल

श्रावण, कृष्ण, चतुर्दशी, 2082 बुधवार, 23 जुलाई - 29 जुलाई, 2025

मेष [चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ]
कम समय में अधिक आर्थिक लाभ प्राप्त कर सकेंगे। मध्यान पश्चात मित्र-परिजनों के साथ मनोरंजन के अवसर मिलेंगे धार्मिक कार्यो में भी उपस्थिति देंगे। उत्तम भोजन वाहन सुख मिलेगा।

तुला [रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते]
संतान से पुराने मतभेद उभरने से पारिवारिक वातावरण अशान्त होगा। आर्थिक स्थिति बिगड़ने से कर्ज लेना पड़ सकता है। कार्य क्षेत्र पर आरंभिक बिक्री के बाद आज उदासीनता छायी रहेगी।

वृषभ [ई,उ, ए, ओ, वा, वी, वु, वे, वो]
क्रय-विक्रय के व्यापार से लाभ होगा विदेशी वस्तुओ के व्यापार में निवेश आगे के लिये लाभदायक रहेगा। प्रेम प्रसंगों में सम्बन्ध बिगड़ेंगे। संध्या बाद असंयमित दिनचर्या से थकान रहेगी।

वृश्चिक [तो,ना,नी, नू,या,यी,यू]
नौकरी पेशाओ को अतिरिक्त कार्य मिलने से असुविधा होगी काम लापरवाही से करेंगे। मित्रो के साथ बाहर घूमने का अवसर मिलेगा। ससुराल से लाभ होगा। पारिवारिक दायित्व बढ़ने से व्यस्तता रहेगी।

मिथुन [क, की,कु,घ, ड,छ,के,को,ह]
आकस्मिक यात्रा के योग बनेंगे यात्रा में चोटादि का भय है सावधान रहें। सरकारी दस्तावेजो को संभाल कर रखें। संतान के कारण हानि हो सकती है। विदेशी अथवा दूर रहने वाले व्यक्ति से लाभ हो सकता है।

धनु [ये, यो, भा, भी, भू, धा, फ, ढ, भे]
नौकरीपेशा जातको को मेहनत का फल मिलेगा। विरोधियो पर विजय प्राप्त करेंगे। शुभ समाचार मिलने से मन प्रसन्न रहेगा। साहित्यकार, लेखक एवं पत्रकारों के लिए सप्ताह विशेष लाभदायक रहेगा।

कर्क [हि, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो]
कार्य क्षेत्र या घर में परिवर्तन अथवा साज सज्जा में बदलाव भी कर सकते है समाज के प्रतिष्ठित लोगो से सम्मान मिलेगा लेकिन आर्थिक लाभ थोड़ा विलम्ब से होगा। दाम्पत्य सुख उत्तम रहेगा।

मकर [भो, जा,जी, जू, खा, खू, गा, गी,]
परिजनों के साथ मित्रवत व्यवहार रहेगा। पारिवारिक दायित्वों की पूर्ति के कारण खर्च बढ़ने से असहज अनुभव करेंगे। उधार से बचे। सेहत ठीक रहेगी। आलस्य का वातावरण रहेगा।

सिंह [मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टु, टे]
व्यवहार कुशलता व संतोषि स्वभाव से सम्मानित होंगे। उधारी वसूलने में परेशानी आ सकती है। घर में मेहमानों के आने से वातावरण आनंदित होगा। पारिवारिक खर्च बढ़ने से परेशानी भी होगी।

कुंभ [गू, गे, गो,सा, सी, सू, से, सो, दा]
नए कार्यो का आरंभ आज ना करें ना ही किसी को उधार दें। इसके बाद परिवार के सदस्यों का सहयोग मिलने लगेगा लेकिन घरेलू आवश्यकताओं को नजरअंदाज करने से अशांति बढ़ेगी।

कन्या [टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो]
मित्र परिजनों के साथ ज्यादा समय बिताना पसंद करेंगे। फिजूल खर्ची से बचें। शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहने से सप्ताह उत्साह पूर्ण रहेगा।

मीन [दी, दू, थे, झ, ञ, दे, दो, चा, चि]
आर्थिक लाभ के लिए अधिक प्रयत्न करना पड़ेगा मध्यान के समय किसी मनोकामना की पूर्ति होने से प्रसन्न रहेंगे।

आचार्य राजेश शास्त्री, जयपुर

राज्य सरकार की पर्यावरणीय क्रांति, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का हरियाली के साथ सतत विकास का संकल्प

हरियालो राजस्थान की ओर बढ़ता कदम

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान की पहचान लंबे समय तक एक रेगिस्तानी और जल-संकटग्रस्त राज्य के रूप में रही है, लेकिन अब इस छवि को बदलने का संकल्प मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने लिया है। उनका नेतृत्व पर्यावरणीय चेतना को केवल नीति तक सीमित नहीं रख रहा, बल्कि उसे जन-आंदोलन का रूप दे रहा है। हरियाली, जल संरक्षण, स्वच्छ ऊर्जा और सतत विकास अब राजस्थान की शासन प्राथमिकताओं में शीर्ष पर हैं।

राजस्थान का पहला ग्रीन बजटः विकास और पर्यावरण का संतुलन

मुख्यमंत्री के नेतृत्व में राज्य सरकार ने वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए प्रदेश का पहला ग्रीन बजट पेश कर एक ऐतिहासिक शुरुआत की है। इस बजट में राज्य के कुल स्कीम खर्च का 11.34 प्रतिशत, यानी 27,854 करोड़ रुपये ग्रीन ग्रोथ से जुड़ी परियोजनाओं के लिए निर्धारित किए गए हैं। सरकार का लक्ष्य है कि वर्ष 2030 तक राज्य संयुक्त राष्ट्र के सस्टेनेबल डवलपमेंट गोल्स को हासिल करे। इसके लिए जलवायु अनुकूलन की पांच वर्षीय योजना तैयार की जा रही है और एक सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर क्लाइमेट चेंज की स्थापना की जाएगी, जिससे पर्यावरणीय शोध और नीति निर्माण को मजबूती मिलेगी।

हरियालो राजस्थान अभियान जनआंदोलन बना पर्यावरण मिशन

'एक पेड़ मां के नाम' अभियान से प्रेरणा लेते हुए राज्य सरकार ने 'हरियालो राजस्थान' महाअभियान शुरू किया है। पिछले मानसून में 7 करोड़ से अधिक पौधे लगाए जा चुके हैं और इस वर्ष 10 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा की पहल पर शुरू हुआ यह अभियान केवल वृक्षारोपण तक सीमित नहीं है, बल्कि इससे जुड़े 'मातृ वन' और 'स्मृति वन' जैसी संकल्पनाएं इसे एक भावनात्मक आंदोलन बना रही हैं। हर जिले में आमजन की भागीदारी से मातृ वन बनाए जा रहे हैं, जहाँ नागरिक अपने परिजनों की स्मृति में वृक्ष लगाकर पर्यावरण के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभा रहे हैं। इस अभियान को डिजिटल रूप से ट्रैक करने के लिए 'हरियालो राजस्थान' मोबाइल ऐप भी विकसित किया गया है।

नवीन ऊर्जा में आत्मनिर्भरताः किसान बना ऊर्जा उत्पादक

राज्य में सौर ऊर्जा के क्षेत्र में रिकॉर्ड प्रगति हुई है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में वर्तमान सरकार के कार्यकाल में 1190 मेगावाट की क्षमता वाले 592 सौर संयंत्र लगाए गए हैं। ये संयंत्र कुसुम योजना के तहत किसानों द्वारा स्वयं अथवा डेवलपर के साथ साझेदारी में स्थापित किए गए हैं, जिससे किसान अब अन्नदाता के साथ-साथ ऊर्जादाता भी बन गए हैं। इन संयंत्रों से उत्पादित बिजली महज ढाई से तीन रुपये प्रति यूनिट में डिस्कॉम्स को मिल रही है, जो थर्मल बिजली की तुलना में बेहद सस्ती और प्रदूषणरहित है। यह योजना न केवल किसानों की आय बढ़ा रही है, बल्कि ऊर्जा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में भी बड़ा कदम है।

जल संरक्षण में अभिनव प्रयासः कर्मभूमि से मातृभूमि अभियान

राजस्थान के परंपरागत जल-स्रोतों की संस्कृति को पुनर्जीवित करने के लिए 'कर्मभूमि से मातृभूमि' अभियान की शुरुआत की गई है। यह पहल उन प्रवासी राजस्थानियों को उनके गांवों से जोड़ रही है, जो देश-विदेश में बस चुके हैं लेकिन अपनी मातृभूमि के प्रति जुड़ाव बनाए रखना चाहते हैं। इस अभियान के तहत प्रवासी जन रिचार्ज शाफ्ट और जल संरक्षण संरचनाओं के निर्माण में आर्थिक और तकनीकी सहयोग दे रहे हैं। भूजल पुनर्भरण को बढ़ावा देने वाली इन संरचनाओं के माध्यम से गिरते भूजल स्तर को सुधारने की दिशा में सार्थक प्रयास हो रहे हैं। अभियान के अंतर्गत अगले चार वर्षों में 45 हजार जल संरचनाएं बनाने का लक्ष्य रखा गया है, जिनमें से हजारों पर कार्य शुरू हो चुका है।

मुहाना मंडी प्रवेश द्वार पर किसानों का स्वागत है गहरे गड्ढ़ों के साथ

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। सांगानेर एशिया की सबसे बड़ी मंडी में से एक बताई जाने वाली सांगानेर की मुहाना मंडी की। यहां रोजाना देश के सभी कोने से किसानों, व्यापारियों, और सभी का आना-जाना होता है, जैसा की तस्वीर आपको बयां कर रही हैं। यहां प्रवेश द्वार पर ही जगह-जगह ऐसे गड्ढे हैं जिसके कारण आए दिन कोई ना कोई घटनाएं देखने को मिलती हैं।

हजारों वाहन यहां से प्रतिदिन गुजरते हैं ऐसे में फसलों का नुकसान होना, गाड़ियों का नुकसान होना ऐसी कई प्रकार की दी समस्याएं यहां पर बनी हुई है। जयपुर में मानसून की पहली ही बारिश ने व्यवस्थाओं की पोल खोल दी। शहर के अलग-अलग इलाकों की तरह मुहाना मंडी के प्रवेश द्वार भी बारिश के कारण हालात बिगड़ गए। मुहाना मंडी प्रवेश द्वार में जलभराव, गहरे गड्ढे और गंदगी फैल गई। कभी-कभी तो किसानों को भारी साग सब्जी, फ्रूट्स खराब होने से लेकर भारी जोखिम का सामना करना पड़ता है।

ई रिक्शा ऑटो कई साधन गहरे गड्ढे पलट जाते हैं। इस बारे में अजय सैनी से इस संबंध बात की गई तो उन्होंने बताया काफी समय से यह समस्या बनी हुई है।बारिश में हालात इतने खराब हो जाते हैं कि व्यापार करना मुश्किल हो गया है। हर बार बारिश में प्रवेश द्वार पर मुहाना मंडी की यही स्थिति होती है। लेकिन कोई स्थायी समाधान नहीं किया जा रहा। गहरे गड्ढे में पानी भर जाने से किसानों ओर व्यापारियों को अंधेरे में दुर्घटना होने की संभावना बनी रहती है।

सभी को अवगत करा दिया पर कोई ध्यान नहीं देना चाहता है। शासन और प्रशासन को यहां समस्या को गंभीरता से लेते हुए समाधान की ओर ध्यान देना चाहिए। जिससे किसानों आमजन और सभी को राहत मिल सके।

रितिका को सीए बनने पर किया सम्मानित

जयपुर @ जागरूक जनता। विराज फाउंडेशन के तत्वावधान में आयोजित सम्मान समारोह में चौमू निवासी रितिका माहेश्वरी पुत्री राजेश माहेश्वरी को चार्टर्ड अकाउंटेंट बनने की उपलब्धि पर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर विप्र कल्याण बोर्ड की पूर्व उपाध्यक्ष मंजू शर्मा एवं विराज फाउंडेशन के प्रदेशाध्यक्ष भुवनेश तिवाड़ी ने उन्हें अभिनंदन पत्र भेंटकर शुभकामनाएं दीं।

कुएं में गिरा राष्ट्रीय पक्षी मोर बचाया

जयपुर @ जागरूक जनता। वाटिका के भाटेड गांव बीते दो दिनों से 100 फीट गहरे सूखे कुएं से बाहर निकलने की कोशिश कर रहे राष्ट्रीय पक्षी मोर को हेल्प इन सफरिंग संस्था की ओर वन विभाग टीम के जांबाजों ने एक घंटे की मशक्कत के बाद सुरक्षित बाहर निकाल कर जान बचाई। वह दो दिनों से बाहर निकलने का प्रयास कर रहा था। लेकिन जख्मी होने के कारण वह बाहर नहीं निकल सका। इस बीच सूचना मिलने पर हेल्प इन सफरिंग संस्था टीम मौके पर पहुंची। टीम के रेस्क्यूर आपरेशन में संस्था के धर्मेंद्र रावत ने कुएं में उतरकर मोर को बचाया। इस दौरान वन विभाग के कर्मचारी राजेंद्र कुमार मीणा वनपाल मोहन और राजेश झांझरिया वनरक्षक भी मौके पर मौजूद थे इसके अलावा संस्था के मैनेजर अर्जुन गोठवाल सुरेश वाल्मीकि और पुलिस के कर्मचारी भी मौजूद थे। मोर के कुछ जगह चोटें आई थी इसलिए हेल्प इन सफरिंग संस्था के अस्पताल में एडमिट करवा कर उपचार किया जा रहा है जैसे ही मोर ठीक होगा उसे उसके प्राकृतिक आवास में छोड़ दिया जाएगा।

श्री लाल हनुमान मंदिर में की 108 पार्थिव शिवलिंगों की पूजा

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। श्रावण मास के उपलक्ष्य में मानसरोवर स्थित श्री लाल हनुमान मंदिर में 108 पार्थिव शिवलिंग की पूजा श्रद्धा भाव से की गई। ज्योतिषाचार्य अक्षय शास्त्री ने कहा कि संपूर्ण सृष्टि ही पार्थिव शिव पिंड रूपी है। श्री साकेत पंचांग समिति द्वारा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। हरिद्वार से श्री गंगा नदी और महानगर की पांवधोई नदी की मिट्टी से पार्थिव शिवलिंग श्रद्धालुओं ने श्रद्धा भाव के साथ तैयार किए। इसके साथ ही 12 ज्योर्तिलिंग स्थापित किए गए। आचार्य गिरधर गौतम और पंडित त्रिलोचन कुमार ने विधि-विधान से पार्थिव शिवलिंग की पूजा कराई। हर-हर महादेव के जयकारों से वातावरण भक्तिमय बना रहा। ज्योतिषाचार्य अक्षय शास्त्री ने पार्थिव शिवलिंग पूजा की महिमा का गुणगान करते हुए कहा कि सर्व प्रथम मां पार्वती ने भगवान शिव को प्राप्त करने के लिए पार्थिव शिवलिंग की पूजा की थी। पार्थिव शिवलिंग जैसे-जैसे जलाभिषेक करते समय जल में समाहित होता है, वैसे-वैसे व्यक्ति के जीवन के सात जन्मों के पाप नष्ट हो जाते हैं। पार्थिव शिवलिंग की पूजा आत्म तत्व जागृति का महाविधान है। भगवान श्री हरि विष्णु ने पार्थिव शिवलिंग पूजन कर सुदर्शन चक्र प्राप्त किया। इस दौरान वास्तुशास्त्री शीला सराफ, आचार्या नीरू भाटिया,पंडित रामबाबू शर्मा, राघव गौतम,पवन गौतम, पंडित राजूलाल शर्मा, मनोज गुप्ता, धर्मेश शर्मा मौजूद रहे।

विजय श्री अवार्ड से 25 राष्ट्रों के सानिध्य में वैद्य पारीक होंगे सम्मानित

जयपुर @ जागरूक जनता। विश्व बन्धुत्व एकामहे क लिए समरसता को वैश्विक स्तर पर बढाने वाली संस्था अन्तर्राष्ट्रीय समरसता मंच द्वारा भारत की प्रतिष्ठा, भारत की शक्ति, भारत के पंचशील सिद्धान्तो को वैश्विक स्तर पर बढाने के लिए कारगिल विजय दिवस दिनांक 26 जुलाई को राजस्थान की राजधानी जयपुर में स्थित रोटरी क्लब सभागार में सांस्कृतिक समन्वय सम्मेलन का भव्य कार्यक्रम का आयोजन रखा गया है।

मुख्य सलाहकार डॉ. कुलदीप प्रसाद शर्मा एडवोकेट राजस्थान उच्च न्यायालय जयपुर ने बताया कि भारत के सैनिको द्वारा अपनी मातृभुमि की रक्षा करते हुए दुश्मन देश की सेना को युद्ध में पराजित करने भारत की प्रतिष्ठा, भारत की शक्ति, बढाने पर कारगिल विजय दिवस भव्य रूप से पुरे देश में मनाया जाता है। विजय दिवस समारोह में शिक्षा, चिकित्सा, न्याय, समाज सेवी, प्रशासनिक राजनीति सेवा क्षेत्र, में सम्मलित प्रतिभा वैद्य श्याम सुन्दर पारीक, सरंक्षक, श्री श्याम आयुर्वेदिक प्राकृतिक पंचगव्य चिकित्सा एंव योग केन्द्र चिड़ावा जिला झुन्झुनु का कर्म स्थली से विकास तक सेवा कार्यो का अवलोकन कर अनवरत परिश्रम पर 'विजय श्री अवार्ड'' 2025 के लिए चयन किया गया है।

महाकाल पार्क में लगाए 20 पेड़

जयपुर @ जागरूक जनता। विद्याधर नगर ईडब्ल्यूएस क्वार्वटर नया खेड़ा, विधाधर नगर, जयपुर मे श्री अमृता देवी प्रकृति संवर्धन अभियान के निमित्त नव निर्मित श्री महाकाल पार्क में पौधारोपण का कार्यक्रम रखा गया। इसमें पार्क में 20 पेड़ लगाए गए जिसमे शीशम, अशोक, अर्जुन, कनेर, नीम, जामुन, बहेडा आदि के पेड़ लगाए गए। पेड़ों के सार संभाल के लिए सभी ने प्रण लिया, साथ ही पर्या वरण के लिए समाज को जागरूक भी किया गया। पोधरोपण में विधाधर नगर पर्यावरण प्रमुख आशुतोष शर्मा एडवोकेट, योगेश राहुल, आदित्य, कुशाल, कपिल, प्रांजल, विशाल, संजय, जयकिशन, शंकर, भावेश, गौरव, डॉक्टर उदाराम, हिमांशु, अमन आदि समाज बंधु उपस्थित रहे।

यूईएम जयपुर ने राष्ट्रीय स्तर की एआई मौसम कार्यशाला आयोजित

जिम्मेदारी और दूरदर्शिता के साथ नवाचार-चक्रवर्ती

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। यूनिवर्सिटी ऑफ इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट (यूईएम), जयपुर ने अपने आईईईई कंप्यूटर सोसाइटी छात्र शाखा अध्याय का गौरवपूर्वक उद्घाटन किया। इस महत्वपूर्ण अवसर पर, भारत सरकार के पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के अंतर्गत भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी), पुणे के सहयोग से "एआई-संचालित मौसम पूर्वानुमान" पर एक दिवसीय राष्ट्रीय स्तर की कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कार्यशाला में आईएमडी पुणे के प्रख्यात वैज्ञानिक डॉ. सोमनाथ महतो ने सैद्धांतिक अंतर्दृष्टि और व्यावहारिक प्रशिक्षण को जोड़ते हुए एक गतिशील सत्र प्रस्तुत किया। बी.टेक और बीसीए कार्यक्रमों के छात्रों ने सक्रिय रूप से भाग लिया और मौसम पूर्वानुमान में उपयोग की जाने वाली नवीनतम एआई तकनीकों से परिचित हुए।

यूईएम जयपुर की कुलपति प्रो. बनानी चक्रवर्ती ने छात्रों को जिम्मेदारी और दूरदर्शिता के साथ नवाचार करने के लिए प्रोत्साहित किया। कुलपति प्रो. (डॉ.) बिस्वेजॉय चटर्जी ने एआई और पर्यावरण विज्ञान के बीच तालमेल पर प्रकाश डाला। आईईएम-यूईएम समूह के निदेशक और उपकुलपति प्रो. (डॉ.) सत्यजीत चक्रवर्ती ने वैश्विक तकनीकी नेतृत्व को आकार देने में आईईईई सदस्यता के महत्व पर ज़ोर दिया। कुलसचिव प्रो. (डॉ.) प्रदीप कुमार शर्मा ने इस अध्याय के शुभारंभ में छात्र-संचालित पहल की सराहना की।

वरिष्ठ आईईईई सदस्य और प्रख्यात शोधकर्ता प्रो. (डॉ.) अंगशुमान खान ने इस बारे में अपने विचार साझा किए कि आईईईई किस प्रकार नवाचार और अनुसंधान के लिए एक सुदृढ़ पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देता है। इस कार्यक्रम का सफल नेतृत्व आईईईई कंप्यूटर सोसाइटी यूईएम जयपुर के संकाय सलाहकार प्रो. देबज्योति चटर्जी और आईईईई छात्र शाखा परामर्शदाता प्रो. सुरजीत सूर ने किया।

यह शुभारंभ यूईएम जयपुर में वैश्विक अनुसंधान प्रथाओं को शैक्षणिक शिक्षा के साथ एकीकृत करने की दिशा में एक रणनीतिक कदम है।

बच्चों ने पेड़ लगाकर दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

जयपुर @ जागरूक जनता। विराज फाउंडेशन के तत्वावधान में न्यू टारगेट स्कूल परिसर में पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में स्कूल की प्रधानाचार्य पूजा कुमावत उपस्थित रहीं। कार्यक्रम में प्रदेशाध्यक्ष भुवनेश तिवाडी भी उपस्थित रहे। इस अवसर पर छात्र यशस्वी एवं यशवर्धन ने छायादार पेड़ लगाकर समाज को हरियाली और स्वच्छ पर्यावरण का संदेश दिया। शिक्षिका प्रमिला शर्मा ने कहा कि पेड़ लगाने से न केवल पर्यावरण स्वच्छ रहता है, बल्कि यह आने वाली पीढ़ियों के लिए जीवनदायिनी भी सिद्ध होगा। कार्यक्रम में रवि गुलिया, राहुल चौधरी, श्याम प्रजापत सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे।

उत्तराखंड होगा वाइल्डलाइफ लवर्स का नया ठिकाना

अब यहां सर्दियों में भी होगी स्नो लेपड्र्स से मुलाकात

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

उत्तराखंड के पर्यटन विभाग ने एक बड़ी पहल की तैयारी की है। अब सर्दियों में भी पर्यटक गंगोत्री नैशनल पार्क घूम सकेंगे और बर्फीले इलाकों में दिखने वाले दुर्लभ स्नो लेपड्र्स (हिम तेंदुआ) को करीब से देख सकेंगे। यह आइडिया लद्दाख के हेमिस नैशनल पार्क से इंस्पायर है, जो साल भर खुले रहने के कारण दुनिया भर से वाइल्डलाइफ टूरिस्ट्स को अपनी ओर खींचता है। अभी तक गंगोत्री नैशनल पार्क सर्दियों में बंद कर दिया जाता था, लेकिन उसी मौसम में स्नो लेपड्र्स निचले इलाकों में आ जाते हैं और उन्हें देखने का सबसे सही समय होता है।
उत्तराखंड के उत्तरकाशी जिले में भैरों घाटी क्षेत्र के लंका की हरी-भरी पहाड़ियों, घाटियों और जंगलों को स्नो लेपड्र्स संरक्षण केंद्र के रूप में संरक्षित किया गया है । यह गंगोत्री नैशनल पार्क का हिस्सा है । गंगोत्री नैशनल पार्क के इस क्षेत्र में लगभग 50 स्नो लेपड्र्स हैं। इस योजना पर आखिरी मुहर केंद्र सरकार को लगानी है। वन्यजीव विशेषज्ञों के अनुसार, यह कदम सर्दियों के वक्त भी पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए एक बड़ी पहल साबित हो सकती है। लद्दाख का अनुभव इसमें काम आ सकता है , लद्दाख के हेमिस पार्क में स्नो लेपड्र्स इको-टूरिज्म के लिए एक ग्लोबल सेंटर के रूप में उभरा है, जहां जीरो से नीचे के तापमान में भी टूरिस्ट इन्हें देखने आते हैं।

50 स्नो लेपड्र्स हैं गंगोत्री नैशनल पार्क के क्षेत्र में

अधिकारी मानते हैं कि पर्यटन की यह पहल स्थानीय लोगों के लिए रोजगार के मौके भी पैदा कर सकती है। उत्तराखंड का वन विभाग और संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी) मिलकर सेंटर को डिवेलप कर रहे हैं।
उत्तराखंड के आंकड़ों के अनुसार स्नो लेपड्र्स की संख्या 86 है। ये आमतौर पर समुद्र तल से 2000 मीटर ऊपर हिमालयी और अल्पाइन एरिया में रहते हैं।

विचार

ऐसी कोई चीज ढूंढो जिसे करने में तुम्हें दिलचस्पी हो, जिसे करते हुए तुम्हारा मन खुश हो जाए और फिर उस काम में पूरी लगन और उत्साह के साथ जुट जाओ। जब आप अपने पसंदीदा काम में डूब जाते हैं, तो काम बोझ नहीं लगता, बल्कि जिंदगी का सबसे अच्छा हिस्सा बन जाता है। वही जुनून एक दिन तुम्हारी पहचान भी बन जाएगा और फिर काम ही तुम्हारी खुशी और सफलता की वजह बनेगा।

– जूलिया चाइल्ड (Julia Child)

ज़रा हंस लें

चिंटू ने मिंटू से कहा- 'मैं अमेरिका जाने की सोच रहा हूं।' मिंटू: 'बहुत बढ़िया! कितना खर्च हो जाएगा?' चिंटू: 'एक पैसा भी नहीं। भला सोचने में पैसा कहां खर्च होता है!'

कविता : काया की माया

है उम्र भर की माया
है ठगनी इस की छाया
कैद में है इस का साया
क्षण भर की काया

सोचो क्या खोया
जो मिला वो खोया
मानव ना कर दुख
तुने ना कुछ किया

ना कोई काम आया
क्षण भर की काया
आई और गयी
यही है संसार में

काया की माया

-रमा सेठी, रीडर

पॉजिटिव सोच के साथ आपने भी कोई कविता लिखी है, तो हमें ईमेल jagrukjantanews@gmail.com पर भेजें। जिसे मिल सकता है अगले अंक में छपने का मौका।

रेकॉर्ड वाली राइड | दिल्ली से कश्मीर मेंटल हेल्थ पर बात करने निकलीं सहर

पहले डिप्रेशन से जंग जीती, फिर बदल दीं सैकड़ों ज़िंदगी

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

मानसिक स्वास्थ्य और डिप्रेशन से जूझ रहे स्टूडेंट्स को इससे उबारने के लिए 29 साल की सहर हाशमी तीन से चार साल से काम कर रही हैं। वह खुद एक समय में बॉर्डरलाइन पर्सनैलिटी डिसऑर्डर (बीपीडी) पीड़ित रही हैं। इसलिए अब वह नहीं चाहती कि कोई स्टूडेंट्स इस तकलीफ से गुजरे। सहर का यह कैंपेन इंटरनैशनल बुक ऑफ रेकॉर्ड्स में दर्ज हुआ है। उन्हें मेंटल हेल्थ पर सबसे अधिक सेमिनार लगाने की कैटिगरी में रेकॉर्ड टाइटल दिया गया है।

इसी साल अप्रैल में उन्होंने मानसिक स्वास्थ्य को लेकर दिल्ली से कश्मीर तक बाइक राइड के जरिए 'ब्रेकिंग स्टिग्मा वन माइल एट अ टाइम' कैंपेन पूरा किया। इस कैंपेन को उन्होंने 20 दिन में पूरा किया। इस पूरी यात्रा के दौरान उन्होंने 21 शहरों में मानसिक बीमारियों पर 30 से अधिक वर्कशॉप की। कैंपेन में उनके साथ बाइक पर सोशल एक्टिविस्ट देव देसाई रहे। साथ ही तीन अन्य लोगों की टीम में कश्मीर के मेहराजुदीन, फिल्ममेकर सुमन्यु शुक्ला और सेल्फ सिंगर नाजनीन शेख शामिल रहे।

आतंकी हमले और लैंडस्लाइड भी नहीं रोक पाए रास्ता

उन्होंने बताया कि भारत में 15 प्रतिशत युवाओं को मेंटल हेल्थ से जुड़ी दिक्कतें हैं। उन्हें इलाज की जरूरत है, इसके बावजूद इनमें से 70 से 92 प्रतिशत लोगों को इलाज नहीं मिलता। देश में 11 करोड़ से अधिक लोग इस समय मानसिक समस्याओं से जूझ रहे हैं। हर साल करीब एक लाख लोग आत्महत्या कर रहे हैं। सहर हाशमी एक मोटिवेशनल स्पीकर और फैशन स्टाइलिस्ट हैं। करीब एक दशक तक अपनी मेंटल हेल्थ से लड़ने के बाद सहर को लगने लगा कि इस मुद्दे पर बात होनी चाहिए। उन्होंने अपनी कहानी विडियो और वर्कशॉप के जरिए बतानी शुरू की। सहर ने तीन साल पहले बाइक चलाना शुरू किया और वह इसे मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता फैलाने में अपना हथियार बना रही हैं। कैंपेन में टीम ने 2779 किलोमीटर कवर कर 3200 लोगों से मुलाकात की।

कई मुश्किलों को पार कर पूरी की राइड

कैंपेन के दौरान बाइक से सफर में कई चुनौतियां आई। 20 अप्रैल को रामबन जिले में बादल फटने की वजह से लैंडस्लाइड हुई। बाढ़ की वजह से जम्मू श्रीनगर नैशनल हाइवे पर कई क्षतिग्रस्त गाड़ियां खड़ी थी। एनएच-44 करीब एक हफ्ते तक बंद रहा। 22 अप्रैल को पहलगाम में आतंकी हमला हुआ। इसकी वजह से भी कई मुश्किलें आईं। 2 मई को श्रीनगर जम्मू नैशनल हाइवे एक बार फिर रामबाण जिले में लैंडस्लाइड की वजह से बंद हो गया।

कोविड के दौरान महसूस की ज़रूरत

उनके साथ रहे देव देवाई ने बताया कि कोविड के दौरान लोग मेंटल हेल्थ पर खुलकर बात करने लगे थे। उस दौरान उन्होंने 90 साइकेट्रिस्ट, काउंसलरों, थेरेपिस्ट की एक टीम तैयार की थी। यह टीम फ्री ऑनलाइन काउंसलिंग करती थी। अब इस टीम में 140 सदस्य है जिसमें 100 से अधिक ट्रेंड और कंसल्टेंट साइकोलॉजिस्ट हैं। उन्होंने बताया कि उन्हें 300 से अधिक लोगों की कॉल मिली हैं। कैंपेन का विश्लेषण सीएसआईआर-नैशनल इंस्टिट्यूट ऑफ साइंस कम्युनिकेशन एंड पॉलिसी रिसर्च के रिटायर साइंटिस्ट प्रफेसर सुरजीत डबास रहे। इस विश्लेषण के अनुसार 42.30 प्रतिशत लोग ऐसे मिले जिनका कोई परिचित मानसिक समस्या से जूझ रहा है।

भारत का ऐसा पहला अभियान

पिघलते ग्रीनलैंड के भारत पर असर की रिसर्च

आर्कटिक में रिसर्च के लिए NCPOR ने ग्रीनलैंड में भेजी एक रिसर्च टीम

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

■ **पणजी:** आर्कटिक इलाके में अपनी रिसर्च को आगे बढ़ाने के लिए भारत के नेशनल सेंटर फॉर पोलर एंड ओशन रिसर्च (NCPOR) ने ग्रीनलैंड में एक रिसर्च टीम भेजी है। यह अभियान इस इलाके में तेजी से बढ़ रही गर्मी की वजह से शुरू किया गया है। यहां बढ़ता तापमान भारत के मॉनसून पैटर्न और समुद्री जलस्तर में बदलाव से देश की आर्थिक सुरक्षा पर बड़ा असर डाल सकता है।
भारत के समुद्री साइंटिस्टों की टीम आइसलैंड की राजधानी रेकजाविक पहुंचेगी और वहां से स्वीडन की गोथेनबर्ग यूनिवर्सिटी के 49 मीटर लंबे रिसर्च जहाज 'RV स्केगेरक' पर सवार होकर स्टडी के लिए निकलेगी। यह रिसर्च ट्रैवल 21 जुलाई से शुरू होकर 7 अगस्त तक चलेगी। NCPOR के डायरेक्टर थम्बन मेलोथ ने बताया कि अब तक संस्थान ने आर्कटिक में केवल जमीन और फजॉड्र्स (झील जैसी संरचनाएं) पर रिसर्च की है, लेकिन अब पहली बार समुद्र की गहराई से स्टडी की जाएगी। उन्होंने बताया कि आर्कटिक इलाके में तापमान ग्लोबल एवरेज से तीन गुना अधिक तेजी से बढ़ रहा है। इससे समुद्री बर्फ पिघल रही है और प्रमुख समुद्री धाराओं में बदलाव की आशंका है।

21 जुलाई से 7 अगस्त तक चलेगी रिसर्च

भारत और आर्कटिक इलाके के बीच संबंध 1920 में शुरू हुए थे। भारत ने इस समय पेरिस में स्वालबार्ड संधि पर हस्ताक्षर किए थे। NCPOR की टीम आर्कटिक ग्लेशियरों के मास बैलेंस (बर्फ की मात्रा में बदलाव) की स्टडी कर रही है, ताकि उनकी तुलना हिमालय के ग्लेशियरों से की जा सके। भारत की आर्कटिक से भागीदारी उसके पोलर प्रोग्राम का हिस्सा है। इसमें आर्कटिक, अंटार्कटिक और हिमालयी इलाकों में साइंटिफिक रिसर्च करना शामिल है।

हैपीनेस का 5 सूत्री तरीका

हर दिन खुद को खुश रखने के 5 माइंड हैक्स

छोटी-छोटी आदतों से हर दिन में भर सकते हैं पॉजिटिव एनर्जी। इन 5 पॉइंट्स को ध्यान में रखकर हर दिन को बना सकते हैं खास।

1. **सुबह उठते ही मुस्कराएं** – दिन की शुरुआत स्माइल से करें। मुस्कराने से दिमाग में खुशी बढ़ाने वाले हार्मोन रिलीज होते हैं।
2. **'थैंक यू' कहने की आदत डालें** – हर दिन किसी एक चीज के लिए आभार जताएं, चाहे खुद के लिए हो, परिवार के लिए या अन्य के लिए।
3. **खुद से पॉजिटिव बातें करें** – रोज तनाव में उलझने की बजाय, खुद से कहें- 'मैं ये कर सकता हूं', 'आज का दिन अच्छा रहेगा'।
4. **डिजिटल ब्रेक लें** – दिन में कुछ मिनट फोन, लैपटॉप से दूर रहें। इस समय को खुद के लिए रखें, मनपसंद काम करें।
5. **रोज करें कुछ क्रिएटिव** – ड्रॉइंग, लिखना, म्यूजिक सुनना या कुछ सीखना यानी रचनात्मकता मानसिक सुकून, खुशी दोनों बढ़ाती है।

इसके अलावा सबसे खास बात

आप कैसे बनाते है अपनी लाइफ पॉजिटिव, हमारे साथ शेयर करें। हमें मेल करें jagrukjanta news@gmail.com पर।

साइकल शूरवीरों के स्वागत की तैयारी

जब इंतज़ार भी एक त्योहार बन जाए...

PTI

फ्रांस की सड़कों छाया 'टूर डी फ्रांस' रेस का जुनून: ये विशाल कठपुतलियां किसी पुराने किस्से के किरदारों की तरह खड़ी हैं, जो दुनिया की सबसे मशहूर साइकल रेसों में से एक 'टूर डी फ्रांस' के प्रतिभागी साइकलिस्ट्स का स्वागत करने को आतुर हैं। ढोल-नगाड़ों की थाप और दर्शकों का उत्साह मिलकर इस इंतजार को किसी त्योहार में बदल रहे हैं। यह तस्वीर फ्रांस में म्युरे से कार्कासोन तक की रेस की 15वीं स्टेज का है, जहां शहर अपने साइकल शूरवीरों के लिए पलकें बिछाए खड़ा है।

करगिल के सुरु वैली में मिला दुर्लभ पक्षी

लौट आया बुश वार्बलर
46 साल बाद गूंजी खोई हुई चहचहाहट

जागरूक जनता नेटवर्क

■ **15 जुलाई** को, 3,200 मीटर की ऊंचाई पर, लद्दाख की पहाड़ियों की पृष्ठभूमि में, पांच लोगों की एक टीम रिकॉर्डिंग में कैद हुई 'क्लिक-क्लिक-क्लिक' की आवाज को ध्यान से सुन रही थी। कीड़े जैसी ये आवाज इस बात का सबूत थी कि वो दुर्लभ पक्षी, जिसे वे खोजने आए थे, वहीं कहीं था। जल्द ही विजुअल सबूत भी मिल गया, जिससे 15 जुलाई वह दिन बन गया जब 46 साल बाद 'लॉन्ग-बिल्ड बुश वार्बलर' की पुष्टि हुई-करगिल के सुरु वैली की एक झाड़ी में। इस पक्षी (Locustella major) को आखिरी बार 1979 में लद्दाख में ही देखा गया था, जब साउथैम्प्टन यूनिवर्सिटी की एक बर्डिंग टीम (1977-80) भारत आई थी। 1979 और अब के बीच में केवल एक और बार इसका रेकॉर्ड है – जब पक्षी विज्ञानी जेम्स ईटन ने 2023 में गिलगित-बाल्टिस्तान की नाल्तर वैली में इसे देखा।
इस बार की जर्नी में पांच बर्डर शामिल थे –हरीश थंगराज, लेफ्टिनेंट जनरल भूपेश गोयल, मंजुला देसाई, रिगजिन नुबू और इर्फान जीलानी। यह पूरी टीम खासतौर पर इसी वार्बलर को ढूंढने निकली थी। टीम लीडर थंगराज ने बताया कि इससे पहले हमने गुरेज और तुलैल वैलीज में 2,400 मीटर से 2,800 मीटर की ऊंचाई तक खोज की लेकिन असफल रहे थे।

ऊंचाई का नया रेकॉर्ड

थंगराज ने बताया कि असफल प्रयास के बाद टीम ने रिसर्च तेज कर दी और ईटन से संपर्क किया। मलेशिया में रहने वाले इस अमेरिकी पक्षी विज्ञानी ने उन्हें सही दिशा दी। सुरु के संकू में रुमेक्स और गूजबेरी की झाड़ियों के बीच यह पक्षी विलो (एक प्रकार का पेड़) में मिला, सीढ़ीदार खेतों के बीच। पहली बार ऐसा हुआ है कि इसे विलो में देखा गया है, अब विलो भी इसके हैबिटेट की सूची में जुड़ जाएगा। 3,200 मीटर की ऊंचाई, अब तक की सबसे ऊंची रेकॉर्ड की गई जगह है जहां इस पक्षी को देखा गया है। 'इंटरनैशनल यूनियन फॉर कंजरवेशन ऑफ नेचर (IUCN)' के अनुसार, लॉन्ग-बिल्ड बुश वार्बलर को 'नियर थ्रेटेंड' कैटिगरी में रखा गया है।

'आखिरी जंगलों को बचाना जरूरी'

2015 में ईटन ने लिखा था कि बर्डर शशांक दलवी ने सुरु में दो वार्बलर देखे थे, लेकिन समय इतना कम था कि वह तस्वीर नहीं ले सके। "बस्तियों का फैलाव और जलवायु परिवर्तन शायद इन पक्षियों को ऊंचाई की ओर धकेल रहा है," थंगराज ने कहा। पंकज गुप्ता, जो दिल्ली बर्ड सोसाइटी के सदस्य हैं लेकिन इस यात्रा का हिस्सा नहीं थे, ने कहा कि इस पक्षी की रीडिस्कवरी बहुत बड़ी बात है। गुप्ता ने कहा, 'यह हमें याद दिलाता है कि हमारे खंडित लैंडस्केप में कितना कुछ अभी भी छिपा है, और इन अंतिम बचे हुए जंगलों को बचाना कितना जरूरी है।

इंतज़ार को अनोखा बनाने के लिए IGI एयरपोर्ट की सांस्कृतिक पहल

फ्लाइट से पहले कला और मनोरंजन की उड़ान

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

अगर आप दिल्ली के IGI एयरपोर्ट से हवाई यात्रा के लिए पहुंच रहे हैं और आपकी फ्लाइट में अभी समय है, तो अब आपका वह वेटिंग टाइम यूं ही बेकार नहीं जाएगा। एयरपोर्ट परिसर में यात्रियों के लिए एक नया और अनोखा अनुभव शुरू किया गया है, जिसका नाम है 'DEL Vibes'।
यह एक सांस्कृतिक पहल है, जिसका मकसद है यात्रियों को भारत की कला, संगीत और विरासत से जोड़ना और उनकी यात्रा को यादगार बनाना। एयरपोर्ट संचालक कंपनी डायल (दिल्ली इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड) का दावा है कि यह देश के किसी भी एयरपोर्ट की ओर से शुरू की गई पहली ऐसी पहल है, जो यात्रियों को मनोरंजन और संस्कृति दोनों का अनुभव एक साथ देती है।

देश के किसी भी एयरपोर्ट की ओर से शुरू की गई ऐसी पहली पहल है यह

डायल के सीईओ विदेह कुमार जयपुरियार ने बताया कि DEL Vibes के जरिए क्लासिकल म्यूजिक, डांस, तबला, कथक, भरतनाट्यम जैसी कलाओं के जरिए यात्रियों को भारत की संस्कृति से जोड़ने का यह प्रयास है। कार्यक्रम सुबह 10 बजे से शाम 6 बजे तक चलेंगे।

शास्त्रीय संगीत, तबला, कथक, भरतनाट्यमम जैसी परफॉर्मेंस होंगी

दिन में होंगे अलग-अलग कार्यक्रम

एयरपोर्ट पर बड़ी मूर्तियां और चित्र भी लगाए गए हैं, जो देश की कला को दर्शाते हैं। यह पहल भारत की सांस्कृतिक गौरव को भी बढ़ाती है। इसमें 10 से 15 मिनट नृत्य, 20 से 25 मिनट म्यूजिक और बाकी 15 मिनट अन्य परफॉर्मेंस के लिए दिया जाता है। यह कार्यक्रम रिकॉर्डेड नहीं बल्कि एयरपोर्ट परिसर में लाइव होता है। इससे यात्री तनाव रहित होकर हवाई सफर का और आनंद ले सकते हैं।

जागरूक खबरें

किशोरी बालिका सम्मलेन आयोजित

सिरोही @ जागरूक जनता। अल्ट्राटेक सीमेंट के इकाई प्रमुख सी.पी.एस चौहान के निर्देशन ग्राम पंचायत वरली में किशोरी बालिकाओ हेतु स्वास्थ्य जागरूकत कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमे उच्च माध्यमिक विद्यालय वरली की कुल 156 बालिकाओ को स्वास्थ्य के प्रति जानकारी दी गई। डॉक्टर प्रियंका आचार्य ने बालिकाओ को किशोर अवस्था के समय होने वाले सामाजिक मानसिक एवं शारीरिक बदलवावो के सम्बन्ध में जानकारी प्रधान की, साथ ही गुड टच एंड बेड टच के बारे में अवगत कराया एवं आज के समय में खान पान में आये परिवर्तन के कारण स्वास्थ्य पर हो रहे अनेको प्रभावों के कारण हमारे शरीर में अनेको बीमारिया घर कर लेती है डॉक्टर प्रियंका ने बालिकाओ को बताया की कम उम्र में शादी के कारण लड़कियों पर मानसिक और शारीरक अनेको प्रभाव पड़ते है, जिसके परिणाम स्वरुप किशोरियों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। कार्यकम के अंत में वरिष्ठ उच्चय माध्यमिक विद्यालय प्राचार्य रामभरोसे द्वारा आभार व्यक्त किया और साथ ही साथ अल्ट्राटेक सीमेंट लिमिटेड द्वारा आगे भी इसी प्रकार के कार्यक्रम विद्यार्थियों हेतु समय समय पर आयोजित किये जावे जिससे विधार्थियो को मूल शिक्षा के अलावा बुनियादी शिक्षा के महत्वो को जानने का मौका मिले।

हरियालो राजस्थान कार्यक्रम के तहत किया वृक्षारोपण

बीकानेर @ जागरूक जनता। हरियाणा राजस्थान कार्यक्रम के तहत आज राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय शिवबाड़ी में जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक बीकानेर राम गोपाल शर्मा ने बिल पत्र एवं थार शोभा खेजड़ी का पौधरोपण किया। जिला शिक्षा अधिकारी ने विद्यालय के हरे भरे वातावरण को देखकर विद्यालय परिवार की प्रशंसा की साथ ही ईको क्लब प्रभारी अमरदीप गोदारा को उनके द्वारा किये गए पर्यावरण संबंधी प्रयासों को सराहा। कार्यक्रम में विद्यालय प्रधानाचार्य उर्वशी शर्मा, सेवानिवृत्त प्रधानाचार्य लीलाधर जयपाल,कैलाश चौधरी, मुकेश मोदी, सुनीता दोचानिया, संतोष भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ शारिरिक शिक्षक राम किसन मान ने किया।

रेडी कार्यक्रम के तहत विश्वविद्यालय के 11 कॉलेजों की छात्राओं से कुलपति ने किया संवाद

अच्छी कृषि पद्धतियों से बढ़ेगी उत्पादन व गुणवत्ता-कुलपति डॉ. सिंह

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जोबनेर। श्री कर्ण नरेंद्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर के कुलपति डॉ. बलराज सिंह ने विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित 11 महाविद्यालयों की छात्राओं से रेडी कार्यक्रम के तहत संवाद किया। इस अवसर पर उन्होंने किसानों द्वारा गुड एग्रीकल्चरल प्रैक्टिसेज़ (GAP) अपनाने की आवश्यकता और लाभों पर विस्तार से प्रकाश डाला।

डॉ. बलराज सिंह ने कहा कि GAP को अपनाकर उत्पादन में वृद्धि, लागत में कमी और गुणवत्ता में सुधार संभव है। उन्होंने बताया कि उचित बीज चयन, संतुलित खाद, जल प्रबंधन, और कीट नियंत्रण से न केवल फसल की उपज बढ़ाई जा सकती है, बल्कि बाज़ार में बेहतर दाम भी मिलते हैं। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि GAP से मिट्टी की उर्वरता बनी रहती है और दीर्घकालीन टिकाऊ खेती संभव होती है। कुलपति ने कीटनाशक स्प्रे के दौरान सुरक्षात्मक उपकरणों के प्रयोग जैसे दस्ताने, मास्क, टोपी आदि पहनने पर बल दिया और बताया कि रसायनों का अत्यधिक उपयोग कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों का कारण बन सकता है। डॉ. बलराज सिंह ने छात्राओं को पॉलीहाउस प्रबंधन और रासायनिक कंटेनरों के सुरक्षित निस्तारण की जानकारी भी वीडियो के माध्यम से दी। उन्होंने बताया कि कंसोर्सिया फंगस की मदद से गोबर को केवल दो माह में सड़ाया जा सकता है। फसलों में एफिड (मोयला) नियंत्रण हेतु इमिडाक्लोप्रिड बीज उपचार और फिपरोनिल का छिड़काव लाभकारी है। उन्होंने बताया कि भारत में 2002 से 2011 के बीच GAP के तहत की गई कोशिशों से लाल मिर्ची का निर्यात 5400 करोड़ से बढ़कर 8500 करोड़ तक पहुँच गया। कार्यक्रम में डॉ बी एस चन्द्रावत, डॉ. हीना सहीवाला, डॉ संतोष देवी समोता, डॉ राजेश सिंह सहित 11 महाविद्यालयों की 162 छात्राएं उपस्थित रहीं।

स्कूल में बच्चों के लिए दान किया कूलर

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

मुम्बई। 118 फाउंडेशन पर सीएसआर एक्टिविटीज बैंक ऑफ बड़ौदा के तहत दिन खांडा कॉलोनी सेक्टर 7 न्यू पैनवेल नवी मुंबई खांडा कॉलोनी अपर प्राइमरी स्कूल पैनवेल नगर पालिका मुंबई महाराष्ट्र कॉलोनी न्यूपानवेल गॉवट स्कूल को दान दिया गया पानी वाला कूलर। ब्लू स्टार 35 लीटर क्षमता, ट्री गॉर्ड, 10 पौधे, 200 पेंसिल रबर और प्रत्येक छात्र को शार्पनर, 20 पेन, बाचो को बेथने की दरिया की उपस्थिति में वरिष्ठ प्रबंधक हिमांशु मीना क्रेडिट हेड समथा जेट्टी संयुक्त प्रबंधक अश्विनी कुमार, राजकुमार बागल, प्रदेश राय कुमार और कुछ माता -पिता के साथ सभी कर्मचारी और बच्चे स्कूल सामान प्रदान किया गया। इस अवसर पर स्कूली बच्चों, शिक्षकों के अलावा अन्य प्रबुद्धजन उपस्थित थे।

"साइबर किड्स" इंटर-स्कूल प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता सम्पन्न

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

उदयपुर। नारायण सेवा संस्थान की नारायण चिल्ड्रन एकेडमी द्वारा सेवामहातीर्थ, लियो का गुड़ा, बड़ी में "साइबर किड्स" इंटर- स्कूल प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का सफल आयोजन हुआ। सूचना प्रौद्योगिकी विषय पर आधारित इस प्रतियोगिता का उद्देश्य विद्यार्थियों में डिजिटल जागरूकता, वैज्ञानिक सोच और प्रतिस्पर्धी भावना को प्रोत्साहित करना था। संस्थान अध्यक्ष प्रशांत अग्रवाल ने बताया कि प्रतियोगिता में उदयपुर के 16 आरबीएसई और सीबीएसई सरकारी एवं निजी विद्यालयों के छटी से आठवीं कक्षा के 236 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। जिसमें सेंट्रल पब्लिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल प्रथम और मिकाडो ग्लोबल स्कूल उपविजेता रहे।

समारोह का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन से हुआ, जिसमें मुख्य अतिथि मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी दीपक गौड़, विशिष्ट अतिथि नरेश चंद्र अग्रवाल एवं रामनिवास और अध्यक्षता नारायण सेवा संस्थान की निदेशक वंदना अग्रवाल ने की।

जिला शिक्षा अधिकारी गौड़ ने विद्यार्थियों को तकनीक का जिम्मेदारी से उपयोग करने की प्रेरणा दी, जबकि निदेशक वंदना अग्रवाल ने प्रतिभागियों को बधाई देते हुए योग्य छात्रों को उच्च शिक्षा में सहयोग देने का आश्वासन दिया।

प्रतियोगिता का संचालन कक्षा आठ की छात्रा दृष्टि डांगी ने किया और क्विज़ मास्टर्स किशन शर्मा, अनित यादव एवं इशिता शेखावत ने पूरे जोश से प्रश्नोत्तरी संपन्न कराई। विभिन्न स्कूलों के शिक्षकों और विद्यार्थियों ने इसे ज्ञानवर्धक और प्रेरणादायी अनुभव बताते हुए नारायण चिल्ड्रन अकेडमी की प्राचार्य डॉ.अर्चना गोलवलकर,सहित संस्थान का आभार जताया।

विधायक आक्या ने कंधों पर ली कावड़, यात्रा पर की पुष्पवर्षा

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

चित्तौडगढ़। श्रावण मास की कृष्ण दशमी पर प्रातः मधुवन स्थित हाथीकुण्ड महादेव मंदिर से श्रद्धालुओ द्वारा कावड़ यात्रा निकाली गई। कावड़ यात्रा बड़ी संख्या में महिला, पुरूष अपने कंधो पर कावड़ लेकर व जय महादेव का जयकारा लगाते हुए चल रहे थे। यात्रा में बग्गीयो पर शिव, पार्वती की वेशभुषा में श्रद्धालु विराजमान थे जिसकी शोभा देखते ही बन रही थी। यात्रा का मधुवन मार्ग पर चित्तौडगढ़ विधायक चंद्रभानसिंह आक्या के नेतृत्व में कार्यकर्ताओ ने पुंष्प वर्षा कर यात्रा का स्वागत किया। इस दौरान विधायक आक्या स्वयं भी अपने कंधो पर कावड़ लेकर व जयकारा लगाते हुए यात्रा में शामिल हुए। इस अवसर पर पूर्व नगर परिषद उप सभापति भरत जागेटिया, अनिल ईनाणी, एडवोकेट ओमप्रकाश शर्मा, शेलेन्द्र झंवर, विनित तिवारी, महेन्द्र जोशी, राजन माली, पुरण सिंह राणा, झमकलाल शर्मा, रवि मेनारिया, नीरज सुखवाल, देवीलाल राठौड़, राजेश लोठ, मुन्नालाल गुर्जर, रामप्रसाद बगेरवाल, नंदलाल रेगर, मृदुल जोशी, अरमान खान, उदयलाल धाकड़, हंसराज सुहालका, रमेश रामचंदानी, चेतन खत्री, गोपाल भांबी, जयदेव योगी, दिनेश बंजारा, मुकेश काबरा, दिनेश धाकड़, सहित बढ़ी संख्या में श्रद्धालुगण उपस्थित थे।

सर्वोच्च न्यायालय के आदेश से बेखबर शिक्षा विभाग

कोर्ट के आदेश के बाद भी संविदा विशेष शिक्षक नहीं हो रहे नियमित

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

दौसा/जयपुर। समग्र शिक्षा में दिव्यांग शिक्षा की नींव रखने वाले 174 संविदा विशेष शिक्षकों को सर्वोच्च न्यायालय ने रिट संख्या 132/20216 रजनीश पाण्डेय बनाम भारत सरकार दिनांक 7/3/2025 के आदेश अनुसार संविदा विशेष शिक्षकों को नियमित करने के निर्देश जारी किया गया था जो आज तक आदेश पालना नहीं की गई बल्कि ग्रीष्मकालीन मानदेय नहीं दिया गया। इन सब बातों को लेकर सर्व शिक्षा अभियान विशेष शिक्षक संघ भामस के प्रदेश महामंत्री जुगलकिशोर अवस्थी द्वारा प्रदेश के शिक्षा सचिव एव आयुक्त शिक्षा परिषद् जयपुर को पत्र लिखकर संविदा विशेष शिक्षकों को सर्वोच्च न्यायालय के अनुसार तीन सदस्य कमेटी गठन कर जल्दी से न्याय की मांग की गई। अवस्थी ने मांग की गई की जल्दी तीन सदस्य कमेटी गठन के बाद स्क्रीनिंग में लगने वाले समय तक ग्रीष्मकालीन अवकाश पर नहीं दिया गया मानदेय दिया जाए। अवस्थी ने बताया कि 15/7/2025 तक आदेश की पालना नहीं की थी जिस पर न्यायालय ने तीन सप्ताह का समय दिया गया है इसमें जल्दी ही न्याय की बात कही गई है। अवस्थी ने बताया कि 174 लोग 20 वर्षो से सेवा दे रहे हैं जिसमें ऐसे लोग भी है जो स्वयं दिव्यांग है विधवा है यही नहीं किसी का तो पूरा परिवार दिव्यांग है अल्प मानदेय पर परिवार चला रहे थे जिन्हें ग्रीष्मकालीन मानदेय नहीं दिया गया यही नहीं 2013 से हर वर्ष का मानदेय वृद्धि तक का लाभ नहीं मुख्यमंत्री बजट घोषणा मानदेय वृद्धि तक नहीं स्नाऋ्रसे बजट स्वीकृति 42166 हजार भुगतान 15 हजार किया जा रहा है। अवस्थी ने बताया कि अगर तीन सप्ताह में न्याय नहीं दिया गया तो संघटन आन्दोलन करेगा एव न्यायालय के आदेश की अवहेलना पर कोर्ट कंन्टेट लगाया जायेगा।

पीपलखूंट में महिला से दुष्कर्म के बाद मौत का मामला

आरोपी की गिरफ्तारी व पीड़ित परिवार को सहायता की मांग

बस्सी (चित्तौड़गढ़) @ जागरूक जनता। प्रतापगढ़ जिले के पीपलखूंट क्षेत्र में 12 जुलाई को घटित महिला से दुष्कर्म और उसकी मौत की घटना को लेकर समाज में भारी आक्रोश व्याप्त है। मामले में आरोपी अल्पेश जैन उर्फ पप्पी द्वारा एक महिला के घर में जबरन घुसकर दुष्कर्म करने के बाद आहत महिला द्वारा विषाक्त पदार्थ का सेवन कर लेने और इलाज के दौरान उसकी मृत्यु हो जाने की घटना ने जनमानस को झकझोर कर रख दिया है। इस मामले को लेकर बस्सी कस्बे के मंसूरी समाज के प्रतिनिधियों ने एक ज्ञापन सौंपते हुए आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। ज्ञापन में आरोपी अल्पेश जैन पर दुष्कर्म के साथ-साथ हत्या की धाराएं लगाकर कड़ी कानूनी कार्रवाई करने की मांग की गई है। साथ ही पीड़ित परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी देने और 50 लाख रुपये की आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने की भी मांग की गई। ज्ञापन सौंपने वालों में अहमद हुसैन मंसूरी, मोहम्मद हुसैन मंसूरी, अमजद मंसूरी, सलीम मंसूरी, इसरार मंसूरी, फारूक मंसूरी, गफ्फार मंसूरी, बाबू मंसूरी और चांद मंसूरी शामिल रहे। समाजजनों का कहना है कि ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए प्रशासन को कठोर कदम उठाने चाहिए ताकि पीड़ित परिवार को न्याय मिल सके और समाज में भयमुक्त वातावरण बन सके।

न्युवोको विस्टास ने वित्त वर्ष 26 की पहली तिमाही के अपने वित्तीय परिणामों की घोषणा की

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

चित्तौड़गढ़। न्युवोको विस्टास कॉर्प लिमिटेड, भारत की एक प्रमुख निर्माण सामग्री कंपनी, ने 30 जून को समाप्त तिमाही के लिए अपने वित्तीय परिणामों की घोषणा की। 25 मिलियन मीट्रिक टन प्रति वर्ष की संयुक्त स्थापित क्षमता के साथ, कंपनी लगभग 25 मिलियन मीट्रिक टन प्रति वर्ष की क्षमता प्राप्त करने की राह पर है। वडराज सीमेंट लिमिटेड के सफल अधिग्रहण के बाद वित्त वर्ष 27 की तीसरी तिमाही तक 31 एमएमटीपीए सीमेंट क्षमता हासिल कर भारत में अपनी पाँचवीं सबसे बड़ी सीमेंट समूह की स्थिति को लॉन्गटर्म तौर पर बरकरार रखा। हालांकि कंपनी पूर्वी भारत में एक अग्रणी कंपनी बनी हुई है, यह अधिग्रहण पश्चिमी और उत्तरी क्षेत्रों में अपनी उपस्थिति का विस्तार करने की न्युवोको की रणनीति के साथ सहज रूप से तालमेल में है। यह कंपनी और उत्पादों के भौगोलिक दायरा बढ़ाने और हितधारकों के लिए लॉन्गटर्म में वैल्यू बढ़ाने के लिए पूरी क्षमताएं प्रदान करता है। कंपनी ने वित्त वर्ष 26 की पहली तिमाही में 5.1 एमएमटी की कंसोलिडिटेड सीमेंट बिक्री वॉल्यूम हासिल की। वित्त वर्ष 26 की पहली तिमाही में ऑपरेशंस से कंसोलिडिटेड आय वर्ष-दर-वर्ष 9 प्रतिशत बढ़कर 2,873 करोड़ रुपये हो गया। कंपनी ने वित्त वर्ष 26 की पहली तिमाही में 533 करोड़ रुपये का अपना अब तक का ऑलटाइम हाई पहली तिमाही कंसोलिडिटेड एबिटिडा भी दर्ज किया। इसके अलावा, कंपनी अपने डीलीवरेजिंग एजेंडे के प्रति प्रतिबद्ध रही, जिससे समान-से-समानख शुद्ध ऋण वर्ष-दर-वर्ष 884 करोड़ रुपये कम होकर 3,474 करोड़ रुपये रह गया है। प्रीमियम उत्पाद कंपनी के लिए रणनीतिक प्राथमिकता बने हुए हैं, और वित्त वर्ष 26 की पहली तिमाही में व्यापार मात्रा में उनकी हिस्सेदारी बढ़कर 41 प्रतिशत हो गई। कंपनी ने 76 प्रतिशत का एक मजबूत बिज़नेस मिक्स भी हासिल किया है - जो पिछली 13 तिमाहियों में सबसे ज्यादा है। न्युवोको कंक्रीटो और न्युवोको ड्यूरागार्ड उत्पाद पोर्टफोलियो की निरंतर गति, बेहतर निर्माण आवश्यकताओं के लिए विश्वसनीय सॉल्यूशंस के रूप में बढ़ती मान्यता को दर्शाती है।

वेदांता लिमिटेड ने ली पूर्व सीजेआई से कानूनी सलाह

पूर्व मुख्य न्यायाधीश डी वाय चंद्रचूड़ ने की वायसरॉय वेदांता रिपोर्ट की कड़ी निंदा

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

चित्तौड़गढ़। वेदांता लिमिटेड ने कहा है कि कंपनी ने भारत के पूर्व मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) डॉ. डी.वाय. चंद्रचूड़ से एक विस्तृत कानूनी सलाह प्राप्त की है, जिसमें कंपनी की ओर से 'किसी गड़बड़ी' का उल्लेख नहीं किया गया है। यह सलाह वायसरॉय रिपोर्ट की विश्वसनीयता पर सवाल उठाती है। कंपनी ने यह सलाह स्टॉक एक्सचेंजों में भी दर्ज कराई है।

20 पेज की सलाह में कहा गया है कि अमेरिका स्थित शॉर्ट-सेलर वायसराय रिसर्च ग्रुप की हालिया रिपोर्ट मानहानिकारक है, इसमें विश्वसनीयता का अभाव है, यह गैरकानूनी वित्तीय लाभ के लिए बाज़ार में हेरफेर करने के इरादे से बनाई गई है, और भारतीय न्यायशास्त्र के तहत कानूनी जाँच में टिक नहीं पाएगी। सलाह में आगे कहा गया है कि वेदांता मानहानि के संबंध में पर्याप्त सुरक्षा और उचित उपायों के लिए भारतीय न्याय प्रणाली का सहारा ले सकती है।

डॉ. चंद्रचूड़ की राय शोधकर्ताओं और रिपोर्ट की विश्वसनीयता के साथ-साथ इसे जारी किए जाने के समय पर भी गंभीर सवाल उठाती है। पूर्व मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि "शोधकर्ताओं" की संदिग्ध साख रिपोर्ट की विश्वसनीयता को लेकर आशंका उत्पन्न करती है। उन्होंने यह भी कहा कि वायसरॉय द्वारा अन्य कंपनियों के संबंध में प्रकाशित इसी तरह की रिपोर्ट्स के खिलाफ भारत और दुनिया भर में कई मुकदमे किए गए हैं।

सलाह में कहा गया है कि 'ऐसा लगता कि रिपोर्ट जारी करने के लिए जान-बूझ कर यह समय चुना गया है, जब समूह पॉज़िटिव क्रेडिट एवं रीफाइनैंसिंग की सफलता के दौर से गुज़र रहा है'। यह रिपोर्ट वेदांता के डीमर्जर पर बुरा प्रभाव उत्पन्न कर सकती है, पूर्व सीजेआई ने कहा कि 'विशेष रूप से, यह समय वेदांता समूह की कुछ संस्थाओं के प्रस्तावित डीमर्जर का समय भी है।'

यह देखते हुए कि वायसरॉय ने 'भड़काऊ और अपमानजनक' भाषा का इस्तेमाल किया है, सलाह में कहा गया है कि शॉर्ट सेलर की रिपोर्ट में गैर-ज़िम्मेदाराना संदर्भ और बिना किसी सबूत के अस्पष्ट बातें शामिल हैं। पूर्व मुख्य न्यायाधीश ने ज़ोर देकर कहा कि ऐसी भाषा का उद्देश्य निष्पक्ष और संतुलित दृष्टिकोण प्रस्तुत करने के बजाय सनसनी फैलाना है।

इस सलाह में वायसराय रिपोर्ट की अविश्वसनीयता के तीन विशिष्ट कारण दिए गए हैं: पहला, ऐसी रिपोर्टों के माध्यम से शॉर्ट सेलिंग से मुनाफा कमाने में वायसरॉय का स्थापित रिकॉर्ड; दूसरा, प्रकाशन के पीछे शोधकर्ताओं की संदिग्ध साख, और तीसरा, रिपोर्ट के प्रकाशन का संदिग्ध समय, जो वेदांता के प्रस्तावित डीमर्जर का समय है, जिसके सफल होने पर बाजार में तेजी आ सकती है और शॉर्ट सेलर्स को नुकसान हो सकता है। न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने वायसरॉय द्वारा अपनाई गई एक मॉडस ऑपरेंडी का भी उल्लेख किया है: लक्षित कंपनी (इस मामले में, वेदांता रिसोर्सेज) के शेयरों या बॉन्ड में शॉर्ट पोजीशन लेना। इसके बाद कंपनी से कोई स्वतंत्र सत्यापन प्राप्त किए बिना, सार्वजनिक रूप से उपलब्ध जानकारी के आधार पर विकृत तथ्यों वाली एक तथाकथित "शोध" रिपोर्ट प्रकाशित करना। अंत में, उनकी रिपोर्ट से उत्पन्न घबराहट के कारण शेयर कीमतों में आई गिरावट से लाभ कमाना। उन्होंने अपनी बात को जारी रखते हुए कहा कि एक मशहूर शॉर्ट-सेलर होने के नाते, वायसरॉय, शेयर कीमतों को प्रभावित करने के लिए ऐसी रिपोर्ट जारी करता रहा है, जिससे लक्षित संस्था की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचे। वेदांता के मामले में भी, रिपोर्ट में दिए गए बयानों ने कॉर्पोरेट विश्वसनीयता को नुकसान पहुँचाने की कोशिश की है।डॉ चंद्रचूड़ ने यह भी कहा कि 'इस बात का कोई प्रमाण नहीं है कि रिपोर्ट जनहित से प्रेरित थी... बाज़ार में हेरफेर करने के इरादे से पेश की गई थी।' उन्होंने आगे कहा कि 'वेदांता को संगठन और उसके शोधकर्ताओं, दोनों के खिलाफ़ कार्यवाही करने का पूरा अधिकार है।' डॉ. चंद्रचूड़ की सलाह में कहा गया है कि भारतीय कंपनियाँ, खासकर सूचीबद्ध कंपनियाँ, एक कड़े विनियमित वातावरण में काम करती हैं जिसका उद्देश्य 'न केवल कदाचार को रोकना है, बल्कि नैतिक और ज़िम्मेदार व्यावसायिक आचरण को भी बढ़ावा देना है।' इस सुव्यवस्थित व्यवस्था के बावजूद, 'इस तरह की दुर्भावनापूर्ण और भ्रामक रिपोर्टट्स वेदांता जैसी विनियमित संस्थाओं को गैर-अनुपालक बताकर भारत के कॉर्पोरेट प्रशासन मानकों में विश्वास को कम करने का प्रयास करती हैं। इस तरह के प्रयासों का उद्देश्य न केवल व्यक्तिगत कंपनियों की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाना है, बल्कि भारत के विनियामक संस्थानों की अखंडता और बाजारों में विश्वास को कम करना भी है।

अपने निष्कर्ष में, डॉ. चंद्रचूड़ ने कहा है कि एक सूचीबद्ध संस्था के रूप में, वेदांता एक मज़बूत और बहुस्तरीय नियामक ढाँचे के अंतर्गत काम करती है, और आज तक किसी भी नियामक या क्रेडिट रेटिंग एजेंसी से कोई प्रतिकूल परिणाम नहीं मिला है। उन्होंने कहा, "वेदांता ने कहा है कि नियामक प्राधिकरणों के समक्ष उसके खुलासे लागू कानूनों और नियामक फाइलिंग आवश्यकताओं के अनुरूप हैं। सत्यापित साक्ष्यों के अभाव में और इस तथ्य को देखते हुए कि रिपोर्ट में अधिकांश जानकारी सार्वजनिक संदर्भों से ली गई है, स्पष्ट रूप से इसका कोई विश्वसनीय आधार नहीं है।'

वायसरॉय रिपोर्ट के बावजूद, जेपी मॉर्गन, बैंक ऑफ अमेरिका और बार्कलेज सहित वैश्विक ब्रोकरेज फर्मों ने बेहतर क्रेडिट प्रोफाइल और आकर्षक मूल्यांकन का हवाला देते हुए वेदांतारेटिंग एजेंसियों क्रिसाइल और आईसीआरए ने वेदांता के लिए अपनी क्रेडिट रेटिंग की पुष्टि की। क्रिसाइल ने वेदांता के लिए एए और हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड के लिए एएए रेटिंग बरकरार रखी, जबकि आईसीआरए ने वेदांता की रेटिंग एए पर बरकरार रखी है।

घर मंगवाये जागरूक जनता

सदस्यता फार्म — दिनांक ....

जागरूक जनता हिन्दी अखबार एक उद्देश्य, एक मिशन, एक विश्वास के साथ आमजन की समस्याएं, वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य, सांस्कृतिक गलियारा, भौगोलिक दृष्टिकोण को एक-दूसरे से साझा करने के लिए एक सेतु का काम कर रहा है। शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में आधुनिकतम एवं तकनीकी जानकारी पहुंचाकर शहरी एवं ग्रामीण विकास को प्रोत्साहित कर रहा है। जागरूक जनता समय-समय पर भिन्न-भिन्न विषयों के साथ- अपने पाठकों के बीच उपस्थित रहता है।

सदस्यता राशि

☐ एक वर्ष रु. 250/- ☐ दो वर्ष रु. 450/- ☐ तीन वर्ष रु. 600/- ☐ पांच वर्ष रु. 1000/-

डाक से नियमित रुप से निम्न पते पर जागरूक जनता भेजने के लिए डिमान्ड ड्राफ्ट/मनीऑर्डर जागरूक जनता के नाम भेज रहा हूं। फोन-पे, पेटीएम-9829329070

नाम / संस्था का नाम ....

पता : ....

फोन .... पिन कोड

राशि (रुपए) .... बैंक का नाम ....

डिमान्ड ड्राफ्ट / मनीऑर्डर क्रमांक (डीडी/एमओ जागरूक जनता के नाम भेजें)

• सदस्यता रजिस्ट्रेशन क्रं. .... रसीद क्रं. ....

दिनांक .... हस्ताक्षर

सदस्यता हेतु लिखे प्रसार प्रभारी →

जागरूक जनता
सकारात्मक हिन्दी अखबार

बी-132, जे.पी. कॉलोनी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर (राज.) मो.- 9829329070, 9928022718

DR. C.V. RAMAN UNIVERSITY

CVRU विद्या पर देवता DR. C.V.RAMAN UNIVERSITY

Chhattisgarh, Bilaspur AN AISECT GROUP UNIVERSITY

Approved by : PCI | AICTE | NCTE | BCI | Member of : AIU | Recognized by : UGC | A NAAC Accredited University

YOUR GATEWAY TO A GLOBAL FUTURE @ CVRU WITH IBM/GOOGLE

ACCREDITED WITH GRADE A NAAC

INDUSTRY-ALIGNED DEGREES WITH GLOBAL CERTIFICATIONS

Affordable | Future-Ready | Globally Recognized

- AI & Machine Learnig
- Data Science
- AR, VR & Gaming
- IoT & AI

- Globally Recognized IBM Certifications
- Industry-Relevant Curriculum
- Smart Classrooms & Labs
- Placement Assistance & Career Guidance

Centre for Distance and Online Education (CDOE)

Programmes Offered :

BBA | MBA | B.Com | M.Com
B.Lib.I.Sc. | M.Lib.I.Sc.
B.A. (General) | M.A. (Hindi)
M.A. (English) | M.A. (Sanskrit)
M.A. (History)

Approvals & Recognition From Regulatory Bodies

ज्ञान-विज्ञान विमुक्तये
University is recognized by 2(f) under section 22 of UGC (University Grant Commission) Act 1956

The BCI (Bar Council of India)

The AICTE (All India Council of Technical Education) Bilaspur

The University is Approved by CGPURC (Chhattisgarh Private University Regulatory Commission)

गुरुर्गुरुतमो धाम NCTE
The NCTE (National Council for Teacher Education)

The PCI (Pharmacy Council of India,

ज्ञान-विज्ञान विमुक्तये
University Grants Commission (UGC) Distance Education Bureau

Special Features:

- Accredited by NAAC
- Chhattisgarh's first private university
- Skill Courses offered by PMKK in the University
- 100+ Industry Collaborations for a strong industry academia relationship.
- Fully Automated Central Library
- 12 Centre of Excellence in the field of Art & Culture, Biotechnology, Green Energy, Performing Arts, Future & high end skills and many more
- Sprawling 70-acre campus surrounded by lush greenery
- Diverse student base from 8 states

ADMISSIONS OPEN
SESSION-2025-26

18 YEARS OF EXCELLENCE

PROGRAMMES OFFERED

ENGINEERING & TECH.
- B.Tech. [BE-115]*
  - Mechanical Engineering
  - Civil Engineering
  - Electrical Engineering
  - Electronics & Comm. Engg
  - Computer Science Engg.
  - Electrical & Electronics Engg.
- Poly Diploma [DE-171]*
  - Civil Engineering
  - Mechanical Engineering
  - Computer Science Engg.
  - Electrical Engineering
- M. Tech. [ME-115]*
  - Digital Communication
  - Power System
  - Computer Science Engg.
  - Production Engineering
  - VLSI • Software Engg.
- UG Diploma in Fire Safety Management

* DTE COUNSELLING CODE

SCIENCE
- B.Sc. (Mathematics, Microbiology, Biotech, Computer Science, Biology, Rural Technology)
- M.Sc. (Physics, Chemistry, Mathematics, Micro-biology, Botany, Biotech, Zoology, Electronics, Rural Tech., Applied Physics)
- PGDRD

PHYSICAL EDUCATION
- B.P.E.S. | M.P.E.S.

EDUCATION
- B.Ed. | M.Ed.

INFORMATION TECH.
- M.Sc. (IT) • M.Sc. (CS)
- P. G.D.C.A.
- B.C.A. • D.C.A.

LAW
- LL.M. | LL.B.
- B.A. (LL.B.)
- B.Com.(LL.B.)

PHARMACEUTICAL SCIENCES
- B. Pharm-(4-Year Course)
- D. Pharm-(2-Year Course)
- M. Pharm-(2-Year Course)
- UG Nutrition & Dietetics

MANAGEMENT
- B.B.A.| M.B.A. |PGDBM

COMMERCE
- B.Com. | M.Com.

ARTS
- B.A. (Chhattisgarhi, Hindi, Sanskrit, English, Economics, Geography, History, Political Science, Sociology)
- PERFORMING & FINE ARTS (Indian Music (Vocal), Kathak, Tabla, Guitar)
  B.P.A. | M.P.A.
- M.A.
  - Linguistics- (English, Hindi, Chhattisgarhi, Sanskrit,
  - UG Diploma in Foreign Language
  - Diploma in Karmakand
  - Diploma in Jyotish evam Vastu
  - Social Science - (History, Geography, Economics, Sociology, Political Science, Education, Rural Development)
  - PG Diploma in Geospatial Technology
- B.Lib. | M.Lib.
- M.S.W. (Social Work)
- B.J. | M.J.

B.VOC (Work Integrated Learning Program)
- Automobile Servicing
- IT Application Development
- Banking Financial Services & Insurance • AC & Refrigeration
- Construction • Home Care
- Production Technology
- House Keeping
- Multi Media & Animation
- Fashion Designing
- Interior Decoration
- Hospital Administration
- Fire & Safety (Industrial & Construction)

Research Programmes Ph.D.

CVRU-SET
DR. C.V. RAMAN UNIVERSITY-SCHOLARSHIP ENTRANCE TEST
विश्वविद्यालय में छात्रवृत्ति हेतु ऑनलाईन परीक्षा

SCAN QR CODE FOR SCHOLARSHIP ENTRANCE TEST

Top Recruiters of AGU
More than 500 companies for Placements and Internships Offering up to 10 Lakh Package

ADMISSION HELPLINE FOR REGULAR PROGRAMMES
6261-900581, 6261-900582

ADMISSION HELPLINE FOR DISTANCE EDUCATION
9302969342, 9617772312

SCAN QR CODE FOR ADMISSION ENQUIRY

Kargi Road, Kota, Dist.- Bilaspur (C.G.)
Ph.+91-7753-253801, 07753-253851, 253872, 253873,
E-Mail : info@cvru.ac.in, lsd@cvru.ac.in, admissions@cvru.ac.in
www.cvru.ac.in Follow us on:

City Office: Dr. C.V. Raman University, Infront of Pallav Bhavan, Ring Road No.2, Bilaspur (C.G.) Ph. 07752-448799, Mo. 9109028878

AdPRAYAS

संपादक : ज्ञानेन्द्र मिश्रा मो.-9829329070, फोन : 0141-3587886, ईमेल : jagrukjantanews@gmail.com (सभी मामलों का न्याय क्षेत्र जयपुर) * पीआरबी एक्ट के तहत खबर चयन के जिम्मेदार। संपादकीय कार्यालय : 180, जे.पी. कॉलोनी, मैन आपीए रोड, 16 नं. बस स्टैण्ड, विद्याधर नगर, जयपुर (राजस्थान)-302039

बजट घोषणा क्रियान्वयन की गति बढ़कर पात्र किसानों को लाभान्वित करें

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। शासन सचिव कृषि एवं उद्यानिकी राजन विशाल ने मंगलवार को पंत कृषि भवन के सभा कक्ष में सभी जिलों के विभागीय अधिकारियों की वीसी के माध्यम से समीक्षा बैठक लेते हुए अधिकारियों को निर्देशित किया कि बजट घोषणाओं के क्रियान्वयन की गति बढ़ाकर ज्यादा से ज्यादा पात्र कृषकों को लाभान्वित करें। शासन सचिव कृषि एवं उद्यानिकी ने बैठक में यूरिया डाईवर्जन, कालाबाजारी, उर्वरकों का अवैध भंडारण, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, फार्मपोंड, डिग्गी, सिंचाई पाइप लाईन, गोवर्धन जैविक उर्वरक योजना, तारबंदी एवं कृषि यंत्र आदि डीबीटी योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। डीबीटी योजनाओं में कम प्रगति वाले जिलों को प्रगति बढ़ाने के निर्देश दिये। राजन विशाल ने कहा कि प्रदेश में उर्वरकों के डाइवर्जन, कालाबाजारी और अवैध भंडारण को रोकने के लिए उचित कदम उठाए। विभागीय अधिकारी उर्वरकों की कालाबाजारी व डाइवर्जन को रोकने के लिए जिला प्रशासन के सहयोग से बॉर्डर इलाकों में चैक पोस्ट स्थापित कर निगरानी रखें। उर्वरकों के साथ हो रही टैगिंग को रोकें और टैगिंग करने वाले विक्रेताओं के खिलाफ सुसंगत नियमों के अनुसार सख्त कार्यवाही अमल में लाई जाये। जिले में आईएफएमएस पोर्टल से अधिक उर्वरक क्रय करने एवं बार-बार खरीद करने वाले व्यक्तियों का भौतिक सत्यापन कर रिपोर्ट पोर्टल पर दर्ज करें

उन्होंने डीएपी का उपयोग कम कर डीएपी के स्थान पर SSP+यूरिया के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए फ्लैक्स, बैनर, कृषक गोष्ठियों, रात्रि चौपाल, सोशल मीडिया और आकाशवाणी आदि के द्वारा जागरूक करने के लिए कहा, जिससे फसलों को कैल्शियम व सल्फर की उपयुक्त मात्रा मिल सके। अधिकारी ये सुनिश्चित करें कि आदान विक्रेता उर्वरकों की बिक्री पॉश मशीनों द्वारा ही करें। टैगिंग करने और निर्धारित मूल्य से अधिक मूल्य लेने पर उर्वरक विक्रेताओं के खिलाफ लाइसेंस निरस्तीकरण तक की कार्यवाही अमल में लाई जाये। उन्होंने निर्देशित किया कि यूरिया व डीएपी की बिक्री कृषि पर्यवेक्षकों की देख-रेख में करवाई जाये जिससे टैगिंग व कालाबाजारी पर रोक लगाई जा सके। शासन सचिव ने कहा कि गुण नियंत्रण के तहत टैगिंग वाले मेटेरियल की सेंपलिंग ज्यादा से ज्यादा की जाये। किसानों को फसल बीमा कराने के लिए कृषक गोष्ठियों व रात्रि चौपालों द्वारा ज्यादा से ज्यादा प्रेरित करें। बैठक में आयुक्त कृषि एवं उद्यानिकी सुश्री चिन्मयी गोपाल, अतिरिक्त निदेशक कृषि (आदान) गोपाल लाल, अतिरिक्त निदेशक कृषि (विस्तार) टीके जोषी, अतिरिक्त निदेशक कृषि (अनुसंधान) अजय कुमार पचौरी सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे एवं जिलों से अतिरिक्त निदेशक कृषि विस्तार और संयुक्त निदेशक वीसी के द्वारा जुड़े।

नगर पालिका में सफाई अपनाओ बीमारी भगाओ अभियान आयोजित

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

तारानगर। नगर पालिका तारानगर द्वारा सफाई अपनाओ बीमारी भगाओ अभियान के तहत पालिका ईओ अजय प्रताप सिंह के निर्देशन में राजकीय प्राथमिक विद्यालय नंबर 4 वार्ड नंबर 21 में पालिका कार्मिकों एवं जनप्रतिनिधियों द्वारा विद्यालय के स्टाफ एवं छात्र-छात्राओं के साथ स्वच्छता अभियान का आयोजन किया गया। एसबीएम के ब्रांड एंबेसडर लक्खू सिंह शेखावत के अध्यक्षता में स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया तथा प्लास्टिक से होने वाले पर्यावरण प्रदूषण के बारे में विस्तृत से त्रिशूल सिंह भाटी स्वच्छता निरीक्षक द्वारा समझाया गया साथ ही स्वच्छता की शपथ दिलाई गई एवं तारानगर शहर को प्लास्टिक मुक्त करना एवं कपड़ों के थैले का उपयोग करना तथा अपने घरों में गीले एवं सुखे कचरे को अलग-अलग करना तथा छात्र-छात्राओं को वार्ड पार्षद त्रिलोक रहकर द्वारा स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया इस मौके पर पालिका कार्मिक अर्जुन सिंह राजपुरोहित सीओ, आयुष वर्मा एसबीएम इंजीनियर, गोपाल राम, रणजीत सुशील, पवन अधिक कार्मिक द्वारा अभियान का सफल संचालन किया गया

भाजपा जिला मंत्री के बयान से बवाल, कॉंग्रेस ने एसडीएम को सौपा ज्ञापन

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

माउंट आबू। पिछले 6 व 7 जुलाई को राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्षा विजया रहाटकर माउंट आबू दौरे पर थी। उसी दरम्यान एक निजी होटल में आयोजित कार्यक्रम में होटल की एमडी व सिरोही भाजपा की जिला मन्त्री ने एक सनसनीखेज बयान सार्वजनिक रूप में मंच से दिया था। जिसमे उन्होंने माउंट आबू में देह व्यापार के पनपने,नाबालिग् बालिकाओं को इस गन्धे व्यापार में सम्मिलित करने सहित,माउण्ट आबू को बैंकॉक बनाने जैसे विचार रखते हुए, माउंट आबू में बढ़ रहे वेश्यावृत्ति को लेकर काफी बाते कही थी। गौरतलब है कि इस कार्यक्रम में उनके सामने राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्षा विजया रहाटकर, जिलाध्यक्ष सिरोही रक्षा भण्डारी, क्षेत्रीय सांसद लुम्बा राम चौधरी समेत कई अन्य अतिथि उपस्थित थे। सभी उपस्थित अतिथि व राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष व जिलाध्यक्ष ने तत्काल समय कोई इस विषय पर ज़्यादा गौर नही किया। क्योंकि एक ओपचारिकत स्वागत कार्यक्रम था। लेकिन बाद मीडिया व सोशल मीडिया में सिरोही की भाजपा नेता जिला मंत्री के इस बयान के वायरल होने से हड़कंप मच गया है। पहले सिरोही के पूर्व विधायक संयम लोढ़ा के सोशल मीडिया एक्स पर ट्वीट व मंगलवार को नगर कॉंग्रेस के ज्ञापन उपखण्ड अधिकारी को सौप भाजपा नेत्री के बयान पर सख्त व निष्पक्ष जांच व इस धन्धे में जुड़े लोगों को पकड़ने की मांग की है। मुख्यमंत्री के नाम उपखण्ड अधिकारी को नगर कॉंग्रेस अध्यक्ष नारायण सिंह भाटी की अध्यक्षता में नगर कॉंग्रेस सदस्यों ने ज्ञापन सौंपा।

राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन के अंतर्गत पाँच दिवसीय 'कृषक सखी/सीआरपी प्रशिक्षण' का सफल समापन

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। श्री कर्ण नरेंद्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर के प्रसार शिक्षा निदेशालय में राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन के अंतर्गत कृषि विभाग द्वारा आयोजित पाँच दिवसीय 'कृषक सखी/सीआरपी प्रशिक्षण' का 19 जुलाई को सफलता पूर्वक आयोजित हुआ।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कुलपति श्री कर्ण नरेंद्र कृषि विश्वविद्यालय जोबनेर डॉ. बलराज सिंह ने प्रशिक्षणार्थियों को खेत में उपलब्ध समस्त संसाधनों का समुचित उपयोग करते हुए प्राकृतिक खेती करने एवं प्राकृतिक खेती के महत्व के बारे में बताया। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि ईश्वर लाल यादव, अतिरिक्त निदेशक कृषि (विस्तार) खंड जयपुर ने मानव शरीर में वर्तमान में हो रही विभिन्न प्रकार की बीमारियों से बचने एवं जहर मुक्त खाद्यान्न उत्पादन में प्राकृतिक खेती के महत्व को बताया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे निदेशक प्रसार शिक्षा श्री कर्ण नरेंद्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर डॉ. एस आर ढाका ने प्राकृतिक खेती को लेकर जागरूकता फैलाने पर जोर दिया। उपनिदेशक कृषि एवं पदेन परियोजना निदेशक, आत्मा, जयपुर भगवान सहाय यादव ने कृषि सखियों के कार्यो एवं दायित्वो के बारे में बताया।

सहायक निदेशक कृषि विस्तार जोबनेर डॉ. सुरेश यादव ने राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन के बारे में विस्तृत जानकारी दी। प्रशिक्षण के दौरान प्रशिक्षणार्थियों को रुद्र शिवम डेयरी भैराणा एवं कृषि विश्वविद्यालय जोबनेर के प्राकृतिक खेती की यूनिट का क्षेत्र भ्रमण भी करवाया गया। इस दौरान प्रशिक्षण समन्वयक डॉ. बनवारी लाल आसिवाल, डॉ. रामावतार शर्मा, डॉ. रोशन चौधरी, कृषि अधिकारी दिनेश कुमावत आदि उपस्थित रहे।

कुलाधिपति करेंगे संविधान पार्क में प्रतिमा अनावरण एवं 363 खेजड़ी पौधों का एक साथ रोपण

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जोधपुर। आयुर्वेद विश्वविद्यालय, जोधपुर के परिसर में स्थित संविधान पार्क में दिनांक 23 जुलाई 2025 को मध्यान्ह 2.30 बजे एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें श्रद्धेय स्वामी विवेकानन्द जी एवं डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन् जी की प्रतिमाओं का अनावरण तथा शहीद अमृता देवी बिश्नोई जी की स्मृति में खेजड़ी के 363 पौधों का सामूहिक रोपण किया जाएगा। यह प्रेरणादायी कार्यक्रम राज्यपाल एवं विश्वविद्यालय के कुलाधिपति हरिभाऊ बागडे की गरिमामयी उपस्थिति में सम्पन्न होगा। उनके साथ इस अवसर पर माननीय डॉ. प्रेमचन्द बैरवा, उपमुख्यमंत्री एवं आयुष मंत्री, तथा माननीय श्री जोगाराम पटेल, संसदीय कार्य, विधि एवं न्याय मंत्री, राजस्थान सरकार भी विशिष्ट अतिथि के रूप में सम्मिलित होंगे। कार्यक्रम की जानकारी देते हुए विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति ने बताया कि "यह आयोजन न केवल हमारे महापुरुषों की स्मृति को साकार करने का एक प्रयास है, बल्कि यह पर्यावरण संरक्षण और शहीद अमृता देवी जैसे पर्यावरण रक्षकों के बलिदान को नमन करने का पवित्र अवसर भी है। खेजड़ी राजस्थान की धरोहर है और इसका सामूहिक रोपण आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्त्रोत बनेगा।"

विशेष रूप से उल्लेखनीय है कि सभी 363 पौधों का रोपण एक साथ माननीय कुलाधिपति महोदय की उपस्थिति में सम्पन्न होगा, जो अपने आप में एक अद्वितीय आयोजन होगा।

नगरीय विकास एवं आवासन मंत्री डीएलबी मुख्यालय पर रुडसिको की 60वीं बोर्ड बैठक आयोजित

जयपुर @ जागरूक जनता। अफोर्डेबल हाउसिंग प्रोजेक्ट्स और सीवेज के काम की प्लानिंग आमजन की ज़रूरतों, सुरक्षा और सुव्यवस्थित नगरीय विकास को ध्यान में रखकर की जाए। यह कहना है नगरीय विकास एवं आवासन मंत्री झाबर सिंह खर्रा का। डीएलबी मुख्यालय के सभागार में आयोजित हुई रुडसिको की 60 वी बोर्ड बैठक की खर्रा अध्यक्षता कर रहे थे। इस बैठक में पिछली बोर्ड बैठक के कार्यों, RUIDP, RUDSICO, RAVIL द्वारा केन्द्र एवं राज्य पोषित योजना PMAY, AMRUT, की समीक्षा की गई तथा योजनाओं को समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्वक कार्य करवाने के लिए निर्देश दिये गये। मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने कहा की सीवेज का काम शुरू करने से पहले ही उसकी निर्माण अवधि, गुणवत्ता और नागरिकों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए कार्य योजना बनाई जाए ताकि किसी प्रकार की कोई जान माल की हानि ना हो।

विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान के लिए सम्मानित

आयुष्मान फाउंडेशन ने किया प्रतिभाओं का सम्मान

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। आयुष्मान फाउंडेशन की ओर से भिन्न-भिन्न क्षेत्रों से उपलब्धि प्राप्त कर आई प्रतिभाओं को मंच के माध्यम से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राजस्थान सरकार के पूर्व राज्यमंत्री महेश शर्मा रहे एवं विशिष्ट अतिथियों में शिक्षाविद एवं मास्टर्स एथलेटिक्स एसोसिएशन ऑफ़ इंडिया (MAFI) की संयुक्त सचिव लक्ष्मी स्वामी रही। कार्यक्रम की अध्यक्षता आयुष्मान फाउंडेशन की अध्यक्ष अंतिमा इंदौरिया ने की। कार्यक्रम में दीप प्रज्वलन के बाद श्री गणेश वंदना कर कु.आन्या भारद्वाज ने अपनी प्रस्तुति दी। कार्यक्रम में गांधी पीस फाऊंडेशन नेपाल के संस्थापक अध्यक्ष डॉ.लाल बहादुर राणा ने भी शिरकत की। जिन प्रतिभाओं को आयुष्मान फाउंडेशन द्वारा सम्मानित किया गया। उनमें ज्योत्सना शक्तावत (शासकीय शिक्षिका) को शिक्षक रत्न, सपना पंवार को समाज रत्न, श्रीमती रितु मीणा को समाज रत्न, साधना कंवर को समाज गौरव रत्न, कुमारी तनिष्का शर्मा को समाज गौरव रत्न, सरिता पंवार को समाज रत्न, इंदिरा बंसल को समाज रत्न, हर्षिता शर्मा को खेल रत्न, दौलत शर्मा को समाज रत्न, अलका शर्मा को समाज रत्न, कु.चेल्सी महरवाल को समाज गौरव रत्न एवं कुमारी आन्या भारद्वाज को बाल गौरव सम्मान देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में कु.तनिष्का शर्मा ने महाभारत की संक्षिप्त प्रस्तुति देकर सम्पूर्ण महाभारत के दृश्य को मंच के माध्यम से दर्शकों के सामने लाकर एक अद्भुत और रोमांचकारी दृश्य पैदा कर दिया। इसके अलावा कार्यक्रम में गांधी पीस फाउंडेशन नेपाल की ओर से फाउंडर अध्यक्ष डॉ.लाल बहादुर राणा (नेपाल) ने पत्रकारिता, समाज सेवा, गांधीवादी विचारक एवं अन्य कई क्षेत्रों के दिग्गजों को सम्मान स्वरूप डॉक्टरेट की मानद उपाधि देकर विभूषित किया। जिनको मानव उपाधि दी गई, उनमें डॉ.रजनी महरवाल को शिक्षा, डॉ. धर्मचंद कुमावत को डेंटिस्ट्री, डॉ. सुरेश चंद्र शास्त्री को एस्ट्रोलॉजी, डॉ. अशोक सिखवाल को समाज सेवा, डॉ.राजेंद्र शर्मा झेरलीवाला को पत्रकारिता, डॉ.जगदीश प्रसाद शर्मा को समाज सेवा एवं गांधीवाद, डॉ. रजनीश जोशी को आयुर्वेद, डॉ. दिनेश कुमार सैनी को शिक्षा एवं समाज सेवा, डॉ.मनोज कुमार शर्मा को आयुर्वेद, डॉ.साधना कंवर को शिक्षा एवं डॉ.प्रभु दयाल शर्मा को समाज सेवा एवं ह्यूमैनिटी के क्षेत्र में मानद उपाधि देकर सम्मानित किया गया। इसके अतिरिक्त प्रदेश के भिन्न-भिन्न क्षेत्रों से कार्यक्रम में आए विद्वतजनों का भी आयुष्मान फाउंडेशन की ओर से फाउंडेशन की अध्यक्ष श्रीमती अंतिमा इंदौरिया ने शॉल उढाकर व सम्मान पत्र देकर सम्मानित किया। जिसमें प्रीति पांडे, केशव शर्मा (दिल्ली), महेंद्र शर्मा, दीनदयाल शर्मा व पिंटू पुरोहित (बहरोड), वरिष्ठ पत्रकार एवं सम्पादक शुभ लहर तरंग मनोज शर्मा (गुलाबपुरा, भीलवाड़ा), संगीता शर्मा एवं रघुनंदन शर्मा, कुसुमलता शर्मा, सपना शर्मा, ममता एवं धर्मेंद्र गोयल, मीनाक्षी गुप्ता एवं ललित गुप्ता, शिखा माथुर एवं रोहित माथुर, सुनील सैनी, बीना शर्मा, विमल शर्मा, लव शर्मा, अंजू शर्मा, लक्ष्मी शर्मा, सत्यनारायण पंवार (वरिष्ठ कांग्रेस नेता, सांगानेर विधानसभा), रितु मीणा (प्रदेश सचिव, राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी), राजकुमार पंवार, विजय सिंह तंवर (नवलगढ), महेंद्र सिंह (कुमावास, नवलगढ़), अभिषेक पंचोली (प्राचार्य), संजय त्रिवेदी (वरिष्ठ पत्रकार), धर्मेंद्र सिंह (दिल्ली), डॉ.जाकिर बुजुर्ग, मो.आरिफ खान, महेश बसावतिया (झुंझुनू), रोहित शर्मा, गौरी कुमावत, केशव शर्मा (जयपुर) राजेश जोशी गुरुजी (साईं धाम, भीलवाड़ा), अंतर्राष्ट्रीय समरसता संघ के मुख्य सलाहकार डॉ.कुलदीप प्रसाद शर्मा एडवोकेट, डॉ.उमराव सिंह यादव एडवोकेट (महासचिव, प्रदेश कांग्रेस कमेटी ओबीसी प्रकोष्ठ), एडवोकेट सुनील शर्मा (पारिवारिक कोर्ट), एडवोकेट संजय महला (सुप्रीम कोर्ट, दिल्ली एवं को ऑपटेड सदस्य बार कॉन्सिल ऑफ़ राजस्थान), डॉ.रामचंद्र यादव एडवोकेट (महासचिव, दी टैक्स बार एसोसिएशन) एवं अन्य कई अतिथिगणो का सम्मान किया गया। प्रस्तुति आरजे करण एवं कैमरा मैन राजदीप सैनी ने भी अपना भरपूर सहयोग दिया। संस्कार पब्लिक स्कूल के ऑनर डॉ.दिनेश सैनी की ओर से भरपूर सहयोग प्रदान किया गया।

राज्यपाल बागड़े एवं विस अध्यक्ष देवनानी को तीज महोत्सव का उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी ने दिया आमंत्रण

जयपुर @ जागरूक जनता। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे से मंगलवार को राजभवन पहुंचकर उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने मुलाकात की। राज्यपाल से उनकी यह शिष्टाचार भेंट थी। इसके अलावा राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी से मंगलवार को उनके आवास पहुंचकर उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने शिष्टाचार मुलाकात की। इस दौरान राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी को उन्होंने जयपुर में मनाए जाने वाले तीज महोत्सव का आमंत्रण दिया।

आरपीएससी ने जारी की 5 विभिन्न भर्तियों की प्रस्तावित परीक्षा तिथि, 12 हजार से अधिक पदों पर होगी भर्तियां

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा मंगलवार को 5 विभिन्न भर्तियों की प्रस्तावित परीक्षा तिथि जारी कर दी गई है। आयोग द्वारा 17 जुलाई को इन भर्तियों का विज्ञापन जारी किया गया था। इनके तहत 5 विभिन्न विभागों में 12 हजार 121 पदों पर भर्तियां की जाएगी। आयोग सचिव ने बताया उक्त भर्ती परीक्षाओं का आयोजन वर्ष 2026 के अप्रेल माह से जुलाई माह तक किया जाना प्रस्तावित है। परीक्षाओं का विस्तृत कार्यक्रम यथासमय जारी कर दिया जाएगा।

प्रस्तावित परीक्षा कार्यक्रम

उप निरीक्षक/प्लाटून कमांडर (गृह ग्रुप-1) विभाग के 1015 पदों हेतु 5 अप्रेल 2026, पशु चिकित्सा अधिकारी (पशुपालन विभाग) के 1100 पदों तथा सहायक कृषि अभियंता (कृषि विभाग) के 281 पदों हेतु 19 अप्रेल 2026 को परीक्षा का आयोजन किया जाना प्रस्तावित है। इसी प्रकार प्राध्यापक एवं कोच (स्कूल शिक्षा विभाग) के 3225 पदों हेतु भर्ती परीक्षा का आयोजन 31 मई से 16 जून 2026 तक किया जाना प्रस्तावित है। 12 जुलाई से 18 जुलाई 2026 तक वरिष्ठ अध्यापक (माध्यमिक शिक्षा विभाग) के 6500 पदो हेतु भर्ती परीक्षा का आयोजन प्रस्तावित किया गया है।

भर्तियों हेतु ऑनलाइन आवेदन अवधि

सहायक कृषि अभियंता के पदो हेतु 28 जुलाई से 26 अगस्त 2025, पशु चिकित्सा अधिकारी के पदों हेतु 5 अगस्त से 3 सितंबर 2025, उपनिरीक्षक/प्लाटून कमांडर के पदों हेतु 10 अगस्त से 8 सितंबर 2025, प्राध्यापक एवं कोच के पदों हेतु 14 अगस्त से 12 सितंबर 2025 तथा वरिष्ठ अध्यापक पदों के ऑनलाइन आवेदन 19 अगस्त से 17 सितंबर 2025 तक किए जा सकेंगे।

नई राजस्थान टाउनशिप पॉलिसी से सुनियोजित शहरी विकास को मिलेगी गति-मुख्यमंत्री

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। विकसित राजस्थान-2047 के लक्ष्य की प्राप्ति में सुनियोजित नगरीय विकास की अहम भूमिका है। इससे आर्थिक गतिविधियों को तेजी से बढ़ावा मिलता है जिससे बुनियादी ढांचे में निरंतर सुधार आने के साथ-साथ निवेश और रोजगार के अवसरों में वृद्धि होती है। इसी लक्ष्यों की प्राप्ति के क्रम में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित मंत्रिमंडल बैठक ने नई राजस्थान टाउनशिप पॉलिसी का अनुमोदन किया है, जिससे राजस्थान सुनियोजित नगरीय विकास के क्षेत्र में अग्रणी राज्य बन सकेगा। राजस्थान टाउनशिप पॉलिसी-2024 के प्रावधान ऐसी योजनाओं के निर्माण का मार्ग प्रशस्त करते हैं जिनमें रहवासियों को बेहतर जीवन स्तर मिल सके। जिसमें सुबह की सैर के लिए पार्क भी हो और वर्षा तथा अपशिष्ट जल पुनर्चक्रण की व्यवस्था भी हो। नीति के अंतर्गत सभी योजनाओं में हरित क्षेत्र की अनिवार्यता की गई है। सभी क्षेत्रफल की आवासीय योजनाओं में एकरूपता के दृष्टिगत 7 प्रतिशत पार्क-खेल मैदान एवं 8 प्रतिशत सुविधा क्षेत्र का प्रावधान किया गया है।

लम्बवत विकास को मिलेगा प्रोत्साहन

शहरी क्षेत्रों का निरंतर विकास भूमि की उपलब्धता को सीमित करता है। ऐसे में आवश्यक है कि बहुमंजिला योजनाओं पर विशेष जोर दिया जाए। नई टाउनशिप पॉलिसी लम्बवत विकास को बढ़ावा देती है। इससे कम क्षेत्र में भी अधिक आवासों का निर्माण हो सकेगा और अधिक से अधिक लोग निवास कर सकेंगे। इसके साथ ही नीति के अंतर्गत मिश्रित भू-उपयोग योजना, समूह आवास योजना, फ्लैट आवास योजना, एकीकृत योजना (समूह आवासीय, फ्लैट आवासीय, प्लोटेड), वाणिज्यिक भू-उपयोग में आमजन की सुविधा के लिए सब सिटी सेन्टर, डिस्ट्रीक्ट सेन्टर, कम्यूनिटी सेन्टर का प्रावधान भी किया गया है।

उपभोक्ताओं के अधिकारों का होगा संरक्षण

नीति में विकासकर्ता पर जवाबदेहिता और रहवासियों के लिए सुविधायुक्त आवासों का प्रावधान शामिल किया गया है। इसके लिए योजना के पूर्णता प्रमाण-पत्र जारी होने के पश्चात विकास कार्यों का रख रखाव 5 वर्ष की अवधि अथवा रेजीडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन (आरडब्ल्यूए) को हस्तान्तरण किया जाने तक योजना के 2.5 प्रतिशत भूखण्ड रहन रखे जाने का प्रावधान किया गया है। साथ ही, आंतरिक विकास कार्यों के रख-रखाव हेतु रख-रखाव शुल्क का प्रावधान भी किया गया है। नीति के क्रियान्वयन, निगरानी एवं समीक्षा के लिए राज्य स्तरीय समिति के गठन का प्रावधान किया गया है, जिससे शहरी योजनाओं के विकास में आने वाली समस्याओं का त्वरित निदान हो सकेगा।

अंत्योदय की परिकल्पना होगी साकार, जरूरतमंद को आवास

जरूरतमंद को आवास जैसी बुनियादी सुविधा का लाभ सुनिश्चित हो, इस ध्येय को भी नीति का महत्वपूर्ण हिस्सा बनाया गया है। नीति के अंतर्गत सभी योजनाओं में ईडब्ल्यूएस-एलआईजी हेतु आरक्षित भूखण्डों का आवंटन स्थानीय निकाय के माध्यम से किये जाने का प्रावधान रखा गया है। इस प्रावधान से पात्र ईडब्ल्यूएस-एलआईजी व्यक्तियों को आवास की उपलब्धता पारदर्शिता के साथ सुनिश्चित हो सकेगी। साथ ही, औद्योगिक योजनाओं में श्रमिको के निवास के लिए न्यूनतम 5 प्रतिशत क्षेत्रफल के भूखण्ड का प्रावधान किया गया है। इससे श्रमिकों को औद्योगिक ईकाईयों के समीप ही आवास उपलब्ध हो सकेंगे जिससे उनको आवागमन के समय में बचत होगी और उनकी कार्यकुशलता में वृद्धि भी होगी।

आवागमन में होगी सुविधा, बन सकेंगे सेक्टर रोड्स

नीति में बड़े सेक्टर रोड के निर्माण के लिए भी विशेष प्रावधान किए गए हैं। राज्य के सभी नगरीय क्षेत्रों में सेक्टर सडक निर्माण एवं उनके सहारे व्यावसायिक पट्टी के विकास के लिए जयपुर विकास प्राधिकरण की सेक्टर कॉमर्शियल पॉलिसी की तर्ज पर आपसी सहमति से भूमि अवाप्ति की कार्यवाही की जा सकेगी। साथ ही, यह नीति सौर और पवन ऊर्जा संयंत्रो की स्थापना को भी प्रोत्साहित करती है। नीति अनुसार, संयंत्रों की स्थापना के लिए राजस्व रिकॉर्ड में पहुंचमार्ग दर्ज होने व पहुंचमार्ग की न्यूनतम चौडाई की बाध्यता नहीं रखी गयी है। इसके अतिरिक्त नीति में जलस्रोतों के संरक्षण को भी बढ़ावा दिया गया है। इसमें नदी, झील, तालाब, नहर, नाला, बरसाती नालों जैसे विभिन्न जल स्त्रोतों के संरक्षण के लिए इनके सहारे आवश्यक न्यूनतक बफर आरक्षित किये जाने का प्रावधान रखा गया है।

विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने ली संभागीय बैठक

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा फोटोयुक्त मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम (स्पेशल इंटेसिव रिविजन, SIR) एवं अन्य निर्वाचन संबंधी कार्यो की तैयारियों को लेकर मंगलवार को शासन सचिवालय में मुख्य निर्वाचन अधिकारी की अध्यक्षता में बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में जयपुर संभाग के संभागीय आयुक्त, सभी 7 जिला निर्वाचन अधिकारी एवं समस्त निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी वीडियो कांफ्रेसिंग के माध्यम से

उपस्थित रहे। नवीन महाजन ने बैठक में राजस्थान में लोकतंत्र की मजबूती और चुनावी प्रक्रिया की पारदर्शिता सुनिश्चित करने हेतु निर्वाचन विभाग द्वारा विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान 2025 के अंतर्गत व्यापक स्तर पर प्रशिक्षण, जनसंपर्क निगरानी और दस्तावेज संकलन की प्रक्रिया को प्रभावशाली ढंग से क्रियान्वयन के लिए जयपुर संभाग के जिला निर्वाचन अधिकारियों को आदेश दिए।

उन्होंने कहा कि निर्वाचन प्रक्रिया की सफलता के लिए निर्वाचन कर्मियों को प्रशिक्षित करना आवश्यक है। महाजन ने जिला कलेक्टरों को निर्देशित करते हुए इस बात पर बल दिया कि अभियान का मुख्य उद्देश्य हर योग्य नागरिक का नाम वोटर लिस्ट में शामिल करना है। उन्होंने कहा कि बीएलओ को बेसिक ओरियन्टेशन देने की जरूरत है। हमारी कोशिश होनी चाहिए कि बीएलओ के स्तर पर ही जिज्ञासाओं का समाधान हो जाए। उन्होंने नगर निगम में वार्ड लेवल पर हेल्प डेस्क लगाकर लगाने की जरूरत बताई, जिससे सामान्य जन को किसी भी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि सभी संबंधित राजनीतिक दलों से समन्वय करते हुए बूथ लेवल एजेंट्स की नियुक्ति शीघ्र करवाई जाए।

डूंगरपुर-बांसवाड़ा को जोड़ेगा राजस्थान का दूसरा सबसे लंबा हैंगिंग ब्रिज

डूंगरपुर @ जागरूक जनता। डूंगरपुर-बांसवाड़ा जिलों के निवासियों के लिए खुशखबर। नाव का सफर अब इतिहास बन जाएगा। राजस्थान का दूसरा सबसे लंबा हैंगिंग ब्रिज डूंगरपुर-बांसवाड़ा को जोड़ेगा। पहला हैंगिंग ब्रिज कोटा में है। माही नदी पर डूंगरपुर जिले के चीखली और बांसवाड़ा जिले के आनंदपुरी को जोड़ने वाला गुरु गोविंद उच्च स्तरीय पुल (हैंगिंग ब्रिज) अब अपने अंतिम चरण में है। करीब 133.91 करोड़ की लागत से तैयार यह ब्रिज आगामी अगस्त माह में जनता के लिए खोला जा सकता है।

विश्वस्तर तक कमा चुकी है नाम, लेकिन अभी भी जमीन से जुड़ी है डॉ रुमा

खेत में खरपतवार कर रही है नारी शक्ति पुरस्कार विजेता डॉ रूमा देवी

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

रावतसर। बाड़मेर जिला मुख्यालय से पच्चीस किलोमीटर दूर ग्राम पंचायत रावतसर के रेतीले धोरों से निकली हुई एक महिला ने अपने बलबूते, मेहनत,जोश, जूनून, जज्बे और हुनर से न केवल खुद ने अपनी पहचान बनाई, बल्कि अपने गांव रावतसर का नाम भी विश्व पटल पर दर्ज करवा दिया। हार्वर्ड यूनिवर्सिटी सहित दर्जनों विदेशी यूनिवर्सिटी में अतिथि के तौर पर संबोधन, हजारों पुरस्कार, राष्ट्रपति अवार्ड, नारी शक्ति पुरस्कार विजेता, कौन बनेगा करोड़पति में अभिनेता अमिताभ बच्चन के साथ मंच साझा करना और इसके अलावा न जाने राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर अनगिनत शीर्ष नेताओं, संस्थाओं, एनजीओ के साथ मंच साझा करने के बाद अपने घर, परिवार, खेत-खलिहान, गांव से और संस्कृति से कम ही लोग होते हैं जो जुड़े हुए रहते हैं।

इतना सबकुछ हासिल करने के बावजूद डॉ रुमा देवी आज भी पुरानी संस्कृति को जीवित रखी हुई

हैं। अपने घर पर आंगन से लगाकर यहां तक की खेत में बाजरे की फसल में खरपतवार करने से भी पीछे नहीं रहती। एक दस महिलाओं के साथ समूह बनाकर कार्य करने वाली इस महिला के पास हुनर के बूते आज चालीस हजार महिलाओं की बड़ी टीम है। और रुमा देवी फाउंडेशन लगातार आगे बढ़ रहा है। इसके अलावा कोरोनाकाल में मदद हो या पौधरोपण का कार्य, बालिकाओं के लिए विधालय में टायलेट की व्यवस्था हो या फिर खिलाड़ियों के लिए खेल का मैदान। प्रत्येक क्षेत्र में परचम लहरा रहा है रुमा देवी फाउंडेशन।

संस्कृति पर जोर और बढ़ावा

डॉ रुमा देवी गांव से लेकर विश्वस्तर पर मंच साझा किए लेकिन आज दिन तक वो सिर्फ अपनी मारवाड़ी पहनावे लहंगे और चुनरी में रही और रहती है।यही खास पहचान रुमा देवी को दिनों-दिन आगे बढ़ा रही है। छोटे के साथ छोटे जैसा व्यवहार और बड़े बुजुर्ग के साथ बड़े बुजुर्ग बनकर ही रहती है। यहां तक की गांवों में सामाजिक कार्यक्रमों में जाती है तो बुजुर्ग महिला और पुरूषों से हथाई करने का मौका नहीं चुकती है। और अपने मारवाड़ी भाषा में बातचीत कर हर किसी का दिल जीत लेती है। मतलब साफ है कि उनका एक ही संदेश रहता है कि संस्कृति को भूलो मत।

वीणा को किया जीवित

रूमा देवी फाउंडेशन पिछले दो तीन साल से लगातार वीणा पर भजन गाने की प्रतियोगिताएं आयोजित कर कलाकारों को मंच प्रदान कर खत्म होने की कगार पर पहुंचे वीणा पर भजन गाने की परंपरा को वापिस जीवित कर उठा है। और कलाकारों को मुफ्त में वीणा भी प्रदान किए जा रहे हैं।

24 की उम्र में राजकीय चिकित्सा सेवा में चयनित, जिला स्तर पर सम्मानित डॉ. गर्ग

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

सिरोही। शिक्षा, सेवा और समर्पण की मिसाल बनकर उभरे सिरोही जिले के बरलूट गांव निवासी डॉ. प्रवीण गर्ग ने अपनी प्रतिभा, अनुशासन और दृढ़ संकल्प के बल पर मात्र 24 वर्ष की आयु में चिकित्सा अधिकारी के पद पर चयनित होकर पूरे जिले का मान बढ़ाया है। यह उपलब्धि उन्होंने चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, राजस्थान द्वारा आयोजित मेडिकल ऑफिसर प्रतियोगी परीक्षा में सफलता प्राप्त कर हासिल की।

डॉ. प्रवीण गर्ग की यह सफलता न केवल व्यक्तिगत विजय है, बल्कि ग्रामीण परिवेश से आने वाले हजारों युवाओं के लिए एक प्रेरणा है। उन्होंने अपनी प्रारंभिक शिक्षा आदर्श विद्या मंदिर, बरलूट से प्राप्त की, जहाँ कक्षा 10 में जिला स्तर पर छठा स्थान प्राप्त कर अपनी विलक्षण प्रतिभा का परिचय दिया। तत्पश्चात वर्ष 2018 में उन्होंने पहले ही प्रयास में नीट परीक्षा उत्तीर्ण कर राजकीय मेडिकल कॉलेज, कोटा में प्रवेश लिया और पूरी निष्ठा से एमबीबीएस की पढ़ाई पूरी की। डॉ. प्रवीण गर्ग की सफलता के पीछे उनका मजबूत पारिवारिक आधार भी रहा है। उनके पिता वगताराम गर्ग एक आदर्श शिक्षक हैं, जिन्होंने अपने परिवार में शिक्षा, अनुशासन और नैतिक मूल्यों

की नींव रखी। मां एक शांत, सहयोगी और प्रेरणादायक गृहिणी हैं, जिनका त्याग और प्रेम हमेशा संबल बना रहा। बड़े भाई डॉ. हितेश गर्ग, जो स्वयं वर्ष 2012 में उदयपुर के राजकीय मेडिकल कॉलेज से एमबीबीएस कर चुके हैं, डॉ. प्रवीण के जीवन के पथप्रदर्शक रहे। उनके अन्य भाई रणछोड़ कुमार गर्ग, आर.ए.एस. में चयनित होकर वर्तमान में परिवीक्षा एवं कारागृह कल्याण अधिकारी के रूप में कार्यरत हैं। वहीं, उनकी छोटी बहन लीला गर्ग राजकीय मेडिकल कॉलेज, उदयपुर में एमबीबीएस की पढ़ाई कर रही हैं। यह संपूर्ण परिवार शिक्षा और सेवा के मूल्यों से अनुप्राणित एक प्रेरक उदाहरण प्रस्तुत करता है।

जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार ने राजस्व अधिकारियों को दिये निर्देश

लंबित राजस्व प्रकरणों के त्वरित एवं प्रभावी निस्तारण हो सुनिश्चित

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने राजस्व अधिकारियों को लंबित प्रकरणों का त्वरित एवं प्रभावी निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिये हैं। मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित बैठक में जिला कलक्टर ने कुर्रेजात, सीमाज्ञान, नामांतरण, पत्थरगढ़ी एवं भू-रूपांतरण सहित अन्य लंबित राजस्व प्रकरणों की समीक्षा की। जिला कलक्टर ने अधिकारियों को नियमित रूप से न्यायालय में सुनवाई करने, बार और बैंच के बीच सहयोग एवं समन्वय स्थापित करते हुए लंबे समय से राजस्व न्यायालयों में लंबित वादों की मिशन मोड पर सुनवाई करने के लिए निर्देशित किया। बैठक में जिला कलक्टर ने कई राजस्व अधिकारियों को प्रदर्शन और बेहतर करने एवं लंबित राजस्व वादों में कमी लाने के लिए सुझाव साझा करने का अवसर प्रदान किया।

बैठक में जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने हाल ही आयोजित वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान एवं पंडित दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय संबंल शिविरों में प्रदर्शन की उपखण्डवार समीक्षा भी की। जिला कलक्टर ने अधिकारियों को रास्ता खोलो अभियान, नरेगा आखर, पंच गौरव प्रोत्साहन योजना का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। साथ ही जिला कलक्टर ने अग्रणी जिला बैंक द्वारा जिले में आयोजित की जा रही जन सुरक्षा योजनाओं के लिए संतृप्ति ड्राइव के तहत अधिक से अधिक आमजन को प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, प्रधानमंत्री जनधन योजना, एवं अटल पेंशन योजना से जोड़ने के प्रेरित करने के निर्देश दिये।

बैठक कलक्टर ने अधिकारियों को पेंशन संबंधित प्रकरणों का भी निस्तारण के लिए राजस्व अधिकारियों को निर्देशित किया। साथ ही, सामाजिक सुरक्षा योजनाओं से अधिक से अधिक पात्र नागरिकों को लाभान्वित करने के निर्देश दिये। साथ ही, रात्रि चौपाल एवं दौरों का विवरण संपर्क पोर्टल पर अपलोड करने के साथ-साथ राजस्थान संपर्क पोर्टल पर दर्ज परिवादों का त्वरित एवं प्रभावी निस्तारण कर आमजन को राहत देने के निर्देश दिये। जिला कलक्टर ने अधिकारियों को अपने क्षेत्र में नियमित निरीक्षण करने एवं रात्रि चौपाल के साथ-साथ स्थानीय स्तर पर ही जनसुनवाई कर अभाव अभियोगों के गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के लिए निर्देशित किया।

बैठक में अतिरिक्त जिला कलक्टर (प्रथम) विनीता सिंह, अतिरिक्त जिला कलक्टर (द्वितीय) आशीष कुमार, अतिरिक्त जिला कलक्टर (चतुर्थ) देवेन्द्र कुमार जैन, अतिरिक्त जिला कलक्टर (दक्षिण) संतोष कुमार मीणा, अतिरिक्त जिला कलक्टर (दूदू) गोपाल परिहार सहित जयपुर जिले के समस्त उपखण्ड अधिकारी, तहसीलदार सहित अन्य राजस्व अधिकारियों एवं संबंधित विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे।

परीक्षा दिनांक से तीन दिन पूर्व अपलोड किए जाएंगे प्रवेश-पत्र

29, 30 को अजमेर जिला मुख्यालय पर आयोजित होगी 3 भर्ती परीक्षाएं

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा अजमेर जिला मुख्यालय पर तीन भर्ती परीक्षाओं का आयोजन 29 से 30 जुलाई 2025 तक निर्धारित कार्यक्रमानुसार किया जाएगा। 29 जुलाई 2025 को प्रातः 10 से 12.30 बजे तक असिस्टेंट फिशरीज डेवलपमेंट ऑफिसर परीक्षा-2024 तथा दोपहर 3 से 5.30 बजे तक ग्रुप इंस्ट्रक्टर/सर्वेयर/असिस्टेंट अप्रेंटिशिप एडवाइजर ग्रेड द्वितीय परीक्षा-2024 का आयोजन किया जाएगा।

30 जुलाई 2025 को प्रातः 10 से 12.30 बजे तक वाइस प्रिंसिपल/सुपरिटेंडेंट आईटीआई परीक्षा- 2024 आयोजित की जाएगी। उक्त परीक्षाओं में प्रत्येक प्रश्न पत्र हेतु ओएमआर उत्तर पत्रक के पांचवें विकल्प को भरने के लिए 10 मिनट का अतिरिक्त समय भी दिया जाएगा। परीक्षा के प्रवेश पत्र परीक्षा दिनांक से तीन दिन पूर्व आयोग की वेबसाइट एवं एसएसओ पोर्टल पर अपलोड किए जाएंगे। अतः अभ्यर्थी समयांतर्गत प्रवेश पत्र डाउनलोड करने लेवें। इस संबंध में विस्तृत सूचना आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

आयोग सचिव ने बताया कि प्रवेश-पत्र आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध एडमिट कार्ड लिंक के माध्यम से आवेदन-पत्र क्रमांक व जन्म दिनांक प्रविष्ट कर डाउनलोड किए जा सकेंगे। इसके अतिरिक्त एसएसओ पोर्टल पर लॉगिन कर सिटीजन ऐप्स में उपलब्ध रिक्रूटमेंट पोर्टल लिंक से भी प्रवेश-पत्रों को डाउनलोड किया जा सकता है।

परीक्षा केन्द्र पर किसी भी परीक्षार्थी को परीक्षा प्रारंभ होने के 60 मिनट पूर्व तक ही प्रवेश दिया जाएगा। इसके पश्चात् किसी भी परीक्षार्थी को परीक्षा केंद्र पर प्रवेश नहीं दिया जाएगा। अतः अभ्यर्थी परीक्षा के दिन प्रत्येक परीक्षा सत्र में परीक्षा केंद्र पर प्रवेश के लिए नियत समय से पर्याप्त समय पूर्व परीक्षा केंद्रों पर आवश्यक रूप से उपस्थित हो जाएं ताकि सुरक्षा जांच एवं पहचान का कार्य समय पर पूर्ण हो सके। देरी से आने पर तलाशी में समय लगने के कारण परीक्षा में शामिल होने से वंचित हो सकते हैं।

अभ्यर्थियों को पहचान हेतु परीक्षा केंद्र पर मूल आधार कार्ड (रंगीन प्रिंट) लेकर उपस्थित होना होगा। यदि मूल आधार कार्ड पर फोटो पुरानी अथवा अस्पष्ट है तो अन्य मूल फोटो युक्त पहचान-पत्र यथा मतदाता पहचान-पत्र, पासपोर्ट, ड्राइविंग लाइसेंस जिसमें रंगीन एवं नवीनतम स्पष्ट फोटो हो, लेकर परीक्षा केंद्र पर उपस्थित होवें। इसके साथ ही अभ्यर्थी प्रवेश-पत्र पर भी नवीनतम रंगीन फोटो ही चस्पा करना सुनिश्चित करें। स्पष्ट मूल फोटो युक्त पहचान-पत्र के अभाव में परीक्षा केंद्र में प्रवेश नहीं दिया जाएगा। अभ्यर्थी प्रवेश-पत्र के साथ जारी आवश्यक अनुदेशों का अवलोकन अवश्य कर लेवें।

आयोग द्वारा आयोजित परीक्षा में सम्मिलित होने वाले अभ्यर्थी किसी दलाल, मीडिएटर, समाजकंटक या अपराधी के बहकावे में न आएं। यदि कोई परीक्षा में पास कराने के नाम पर रिश्वत की मांग या अन्य कोई प्रलोभन व झांसा देता है तो प्रमाण सहित इस संबंध में जांच एजेंसी एवं आयोग कंट्रोल रूम नंबर 0145-2635200, 2635212 एवं 2635255 पर सूचित करें। परीक्षा में अनुचित साधन अपनाये जाने एवं अनुचित कृत्यों में संलिप्त होने पर राजस्थान सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम के अध्युपाय) अधिनियम, 2022 के तहत आजीवन कारावास, 10 करोड़ रुपए तक के जुर्माने से दण्डित एवं चल अचल संपत्ति कुर्क कर जब्त की जा सकती है।

अति पिछड़ा वर्ग एवं गुर्जर समाज की विभिन्न मांगों पर चर्चा के लिए मंत्रीगण समिति की द्वितीय बैठक सम्पन्न

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। शासन सचिवालय में मंगलवार को अति पिछड़ा वर्ग एवं गुर्जर समाज की विभिन्न मांगों पर चर्चा के लिए मंत्रीगण समिति की द्वितीय बैठक आयोजित की गयी। बैठक में संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत तथा गृह राज्यमंत्री जवाहर सिंह बेढम ने भाग लिया। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देशों पर बनी समिति की बैठक में देवनारायण योजना की प्रगति, रोस्टर एवं विभिन्न भर्तियों में आरक्षण, आन्दोलन प्रभावितों को अनुकम्पा नियुक्ति, 5 प्रतिशत अति पिछड़ा आरक्षण को नवीं अनुसूची में शामिल कराने सहित समस्त बिन्दुओं की समीक्षा की गयी। समिति ने कार्मिक विभाग को सकारात्मक रूप से विभिन्न प्रकरणों का निस्तारण करने के पर विचार किया। साथ ही गुर्जर आरक्षण समिति द्वारा पिछली बैठक में सुझाए गये सातों बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की गई। आगामी बैठक में सभी बिंदुओं के फैक्चुअल रिपोर्ट मंगवाने और उन पर चर्चा करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही गृह विभाग को गुर्जर आरक्षण आंदोलन संबंधित मुकदमों का शीघ्र निस्तारण करने के आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।